शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	28.2	23.4
डालटनगंज	31.4	24.9
धनबाद	30.9	26.1

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

रांची, सोमवार 07 जुलाई 2025 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 12, संवत 2082 ● रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 90 ● मूल्य ₹ 3, पृष्ठ संख्या : 12

संविधान पांचवीं अनुसूचित क्षेत्र में राज्यपाल को स्वतंत्र निर्णय लेने का अधिकार देता है

महाराष्ट्र मॉडल, अनुसूचित क्षेत्र में राज्यपाल रबर स्टांप नहीं

सुधीर पाल

झारखंड हाईकोर्ट की फटकार के बाद भी राजनीतिक कारणों से झारखंड में पेसा नियमावली लागू नहीं हो पा रही है. राज्यपाल, मुख्यमंत्री से आग्रह करते हैं कि पेसा नियमावली लागू कर दी जाए. महाराष्ट्र में भी यह कार्य वर्षों से लंबित था. महाराष्ट्र के राज्यपाल के हस्तक्षेप के बाद मार्च 2014 में राज्य सरकार ने अंततः पेसा नियमों की घोषणा कर दी. महाराष्ट्र राज्य के विभिन्न राज्य अधिनियमों को पेसा के अनुरूप लाने के लिए उनमें बदलाव की आवश्यकता थी. यह आवश्यक था क्योंकि पेसा को राज्य के पंचायती राज अधिनियम और राज्य विषयक कानूनों के माध्यम से इसके कार्यान्वयन की आवश्यकता है. अधिसूचनाओं की एक श्रृंखला द्वारा, महाराष्ट्र के राज्यपाल ने यह सुनिश्चित किया कि इनमें से अधिकांश राज्य विधानों को पेसा के अनुरूप लाया गया. महाराष्ट्र के ये उदाहरण बताते हैं कि राज्यपाल चाहें तो अपनी भूमिका निभा सकते हैं.

लेकिन महाराष्ट्र को छोड़कर कहीं के राज्यपाल ने पहल नहीं की. तो क्या यह माना जाए कि आजादी के बाद जितने भी राज्यपाल हुए सभी निष्क्रिय थे या संवैधानिक व्यवस्था में कोई पेंच है, जिसकी वजह से राज्यपाल पांचवीं अनुसूचित क्षेत्र में अपनी भूमिका नहीं निभा पाते हैं. इसमें दो राय नहीं कि राज्यपाल के विवेकाधीन अधिकारों को लेकर संवैधानिक और वैधानिक तौर पर असमंजस की स्थिति है. हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में कई मामलों में राज्यपाल के पांचवीं अनुसूचित क्षेत्र में विवेकाधीन अधिकार पर अलग-अलग राय है. ज्यादातर लोगों की मान्यता है कि राज्यपाल को राज्य की मंत्रिपरिषद की सलाह एवं मंत्रणा से ही काम करना है. सिर्फ दो मामलों में उन्हें विवेकाधिकार है. एक तो सरकार बहुमत में है या नहीं यह तय करने में और दूसरे जब उन्हें यूनिवर्सिटी के लिए कुलपति चुनना हो. यह भी मान्यता है कि संविधान पांचवीं अनुसूचित क्षेत्र में राज्यपाल को स्वतंत्र निर्णय लेने का अधिकार देता है.

राज्यपाल संरक्षक हैं : राज्यपाल से अपेक्षा की गई थी कि वे कानूनों की समीक्षा करे और यदि कानून जनजातीय हितों के विरुद्ध हों तो उन कानूनों को जनजातीय क्षेत्रों में लागू न होने दें. उन्हें अधिकार दिया गया कि वे संसद या विधानसभा के किसी कानून को संशोधित, निलंबित या अपवाद सहित लागू कर सकते हैं. यानी राज्यपाल को 'संविधान का प्रहरी' घोषित किया गया था. पर क्या उन्होंने ऐसा किया? संविधान की पांचवीं अनुसूची कहती है कि राज्यपाल हर वर्ष राष्ट्रपति को अनुसूचित क्षेत्रों की स्थिति पर रिपोर्ट देंगे. लेकिन यह रिपोर्टें या तो कभी भेजी ही नहीं गई या कॉपी-पेस्ट करके भेजी गई या इतनी देर से भेजी गईं कि तब तक गांव उजड़ चुके थे. 2008 में संसद में एक सवाल पूछा गया था—कितने राज्यपालों ने रिपोर्ट भेजी?

-शेष पेज 11 पर

महाराष्ट्र के अनुसूचित क्षेत्रों में लघु वन उपज के स्वामित्व हस्तांतरण और महाराष्ट्र लघु वन उपज (व्यापार की मान्यता) (संशोधन) अधिनियम, 1997 के तहत लघु वन उपज (एमएफपी) की परिभाषा में मान्यता प्राप्त कई लघु वन उपज शामिल नहीं हैं. बाद में अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006, (एफआरए) के तहत भी इसी परिभाषा को इस्तेमाल किया जा रहा था. इसलिए, पेसा के तहत निहित शक्तियों के बावजूद, ग्राम सभा तेंदू और बांस जैसे कई महत्वपूर्ण एमएफपी तक पहुंचने में सक्षम नहीं थी. अधिसूचना दिनांक 19/08/2014 द्वारा, महाराष्ट्र के राज्यपाल ने अनुसूचित क्षेत्रों में लघु वन उपज के स्वामित्व के महाराष्ट्र हस्तांतरण और महाराष्ट्र लघु वन उपज (व्यापार का विनियमन) (संशोधन) अधिनियम, 1997 में संशोधन किया. भारतीय वन अधिनियम, 1927, महाराष्ट्र राज्य पर लागू होता है.

इन परिवर्तनों के कारण अनुसूचित क्षेत्रों में कई ग्राम सभाएं

क्या है महाराष्ट्र मॉडल

बांस और तेंदू जैसे उच्च मूल्य वाले उत्पादों सहित लघु वन उपज पर अपने अधिकारों का प्रयोग करने में सक्षम हो गई हैं. एफआरए के अनुरूप इन अधिकारों का उपयोग करते हुए, गढ़चिरौली में 100 से अधिक ग्राम सभाओं ने पहली बार बांस पर अपने अधिकारों का प्रयोग किया है और 500 से अधिक ने तेंदू पर अपने अधिकारों का प्रयोग किया है और प्रति ग्राम सभा 10 लाख से 80 लाख तक की आय अर्जित की.

अनुसूचित क्षेत्रों में आदिवासी समुदाय लगातार जमीन खो रहे हैं और ऐसे क्षेत्रों में गैर-आदिवासी व्यक्तियों की तुलना में उनकी आबादी घट रही है. ऐसे क्षेत्रों में भूमि हस्तांतरण विभिन्न कारणों से होता है जैसे धमकी, जबरदस्ती, धोखाधड़ी, जालसाजी और जनजातीय व्यक्तियों की साहूकारों के प्रति सामान्य ऋणग्रस्तता. राज्य के राजस्व कानूनों को पेसा,1996 की धारा 4(एम)(iii) के अनुरूप लाने के लिए, संविधान की पांचवीं अनुसूची के पैराग्राफ 5 के उप पैराग्राफ (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 14 जून 2016 को महाराष्ट्र के राज्यपाल ने निर्देश दिया कि कोई भी भूमि ग्राम सभा की पूर्व सहमति के बिना अनुसूचित क्षेत्रों में स्थानांतरित नहीं की जाएगी.

इतना ही नहीं 30 अक्तूबर 2014 की अधिसूचना के माध्यम से महाराष्ट्र के राज्यपाल ने जनजातीय उपयोजना निधि का 5% ग्राम सभाओं को सीधे हस्तांतरित करने का प्रावधान किया. इसका लाभ उन सभी ग्राम सभाओं को मिल रहा है जिन गवों में जानजातीय आबादी 5 फीसदी से ज्यादा है. महाराष्ट्र के राज्यपाल ने आज़ाद भारत में पहली बार राज्यपाल के बारे इस आम धारणा को बदल दिया कि राज्यपाल रबर स्टांप होते हैं. 2010 के बाद लगभग एक दशक में महाराष्ट्र में पेसा कानून के बेहतर अनुपालन और आदिवासियों के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए एक दर्ज़न से ज्यादा अधिसूचनाएं जारी की. अफसोस है कि महाराष्ट्र के राज्यपाल की इन पहलकदमियों को अन्य राज्यों में अमल में नहीं लाया गया.

ब्रीफ न्यूज

रॉयटर्स का एक्स अकाउंट बैन, सरकार का बयान

नयी दिल्ली। समाचार एजेंसी रॉयटर्स का @Reuters एक्स हैंडल फिलहाल भारत में बंद है. जब यूजर इसे एक्सेस करने की कोशिश करते हैं तो उन्हें एक नोटिस दिखाई देता है कि यह अकाउंट भारत में एक कानूनी मांग के कारण उपलब्ध नहीं है. इस कदम ने पत्रकारिता और डिजिटल स्वतंत्रता को लेकर बहस को फिर से तेज कर दिया है. हालांकि, भारत सरकार ने मामले को लेकर बयान जारी किया है. केंद्र सरकार ने कहा कि हमने ब्लॉक करने के संबंध में कोई आदेश नहीं दिया है.

प्रेरित करता है हजरत इमाम का बलिदान

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि हजरत इमाम हुसैन द्वारा दिया गया बलिदान धर्म के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है. वह लोगों को सत्य का मार्ग अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं. मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा, हजरत इमाम हुसैन (ए.एस.) का बलिदान धर्म के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की याद दिलाता है. वह लोगों को विपरीत परिस्थितियों में भी सत्य का मार्ग अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं. इस्लाम में आशूरा का दिन है, जो मुहर्रम माह की 10वीं तिथि को आता है.

हिमाचल में रेड अलर्ट के बीच फिर फटा बादल

शिमला। हिमाचल में मानसून का कोहराम जारी है. मौसम विज्ञान केंद्र द्वारा जारी रेड अलर्ट के बीच सुबह से राज्य में मूसलाधार वर्षा हो रही है. मंडी, कांगड़ा और सिरमौर जिलों में बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है, जबकि शिमला, सोलन और हमीरपुर सहित 9 जिलों में अगले 24 घंटे के लिए फ्लैश फ्लड की चेतावनी दी गई है. इन 9 जिलों चम्बा, कुल्लू, कांगड़ा, बिलासपुर, हमीरपुर, सोलन, शिमला, सिरमौर और मंडी के लोगों को प्रशासन ने अत्यधिक सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की हिदायत दी है.

बिहार में हो रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं महुआ मोइत्रा

चुनाव आयोग के फैसले को दी चुनौती

एजेंसियां। नयी दिल्ली

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मामला लगातार गर्माता जा रहा है. चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ अब तृणमूल कांग्रेस की नेता और सांसद महुआ मोइत्रा ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है. महुआ मोइत्रा ने भारत निर्वाचन आयोग के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है. महुआ मोइत्रा ने अपनी याचिका में कहा कि वह निर्वाचन आयोग के 24 जून के उस आदेश को रद्द करने का अनुरोध करती हैं, जिसके तहत संविधान के विभिन्न प्रावधानों का कथित उल्लंघन करते हुए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) किया जा रहा है.

याचिका के मुताबिक, संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत जनहित में दायर वर्तमान रिट याचिका में भारत निर्वाचन आयोग के 24 जून को जारी आदेश को रद्द करने का अनुरोध किया गया है. आदेश के तहत बिहार में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण किया जा रहा है, जो संविधान के अनुच्छेद 14, 19(1)(ए), 21, 325, 328 व जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और निर्वाचक पंजीकरण नियम, 1960 के प्रावधानों का उल्लंघन करता है.

महुआ ने अपनी याचिका में कहा, अगर इस आदेश को रद्द नहीं किया गया, तो यह देश में बड़े पैमाने पर पात्र मतदाताओं को मताधिकार से वंचित कर सकता है, जिससे लोकतंत्र, स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव कमजोर हो सकते हैं. महुआ ने शीर्ष अदालत से भारत निर्वाचन आयोग को देश के अन्य राज्यों में मतदाता सूचियों की विशेष गहन पुनरीक्षण के इस तरह के आदेश जारी करने से रोकने का निर्देश देने का अनुरोध किया. अधिवक्ता नेहा राठी के माध्यम से दायर की गई इस याचिका में कहा गया, देश में यह पहली बार है कि ईसीआई द्वारा इस तरह का अभ्यास किया जा रहा है, जहां उन मतदाताओं से अपनी पात्रता साबित करने के लिए कहा जा रहा है, जिनके नाम पहले से ही मतदाता सूची में हैं या पहले भी कई बार मतदान कर चुके हैं. यह आवश्यकता अनुच्छेद 326 के विपरीत है और संविधान के आरपी अधिनियम 1950 द्वारा परिकल्पित नहीं की गई बाहरी योग्यताएं पेश करती है.

बता दें कि इस मामले में गैर सरकारी संगठन 'एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' ने भी एक याचिका दायर कर चुका है, जिसमें बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के लिए निर्वाचन आयोग के निर्देश को चुनौती दी गई है. चुनाव आयोग ने 24 जून को बिहार में एसआईआर करने के निर्देश जारी किए थे, जिसका उद्देश्य अपात्र नामों को हटाना और यह सुनिश्चित करना था कि केवल पात्र नागरिक ही मतदाता सूची में शामिल हों. बिहार में इस साल के अंत में चुनाव होने हैं.

चुनाव आयोग ने भ्रामक बयानों से सतर्क रहने की दी सलाह

इस बीच, चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि बिहार में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) की प्रक्रिया 24 जून को जारी निर्देशों के अनुसार पूरी पारदर्शिता के साथ सफलतापूर्वक संचालित हो रही है. आयोग ने दोहराया है कि प्रक्रिया से संबंधित किसी भी प्रकार के निर्देशों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है. आयोग से जुड़े सूत्रों के अनुसार, 1 अगस्त को जारी होने वाले मसौदा निर्वाचक नामावली में केवल उन मतदाताओं के नाम शामिल किए जाएंगे जिनके नामांकन फॉर्म 25 जुलाई से पहले प्राप्त हो चुके होंगे. मतदाता आवश्यक दस्तावेज 25 जुलाई तक कभी भी जमा कर सकते हैं. इसके अतिरिक्त, दस्तावेज़ आपत्तियों और दावों की अवधि के दौरान भी प्रस्तुत किए जा सकते हैं. आयोग ने आम जनता को आगाह करते हुए कहा कि कुछ लोग 24 जून के आदेश को बिना पढ़े अथवा जानबूझकर ग़लत व्याख्या कर भ्रम फैला रहे हैं. ऐसे लोगों के भ्रामक और ग़लत बयानों पर ध्यान न देने की सलाह दी गई है. आयोग ने सभी नागरिकों से अपील की है कि केवल आधिकारिक स्रोतों से ही जानकारी प्राप्त करें और भ्रमित न हों.

गोपाल खेमका की हत्या पर सरकार पर बरसे राहुल

भाजपा-नीतीश ने बिहार को भारत की क्राइम कैपिटल बना दिया

शुभम संदेश। पटना

पटना में बड़े व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या के बाद बिहार की कानून व्यवस्था सवालों के घेरे में आ गई है. कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में आरोप लगाया है कि नीतीश कुमार और भाजपा की गठबंधन सरकार ने बिहार को भारत की क्राइम कैपिटल बना दिया है. इससे पहले तेजस्वी यादव ने गोपाल खेमका की हत्या पर सरकार को निशाने पर लेते हुए बिहार में जंगलराज होने का आरोप लगा दिया था. राहुल गांधी ने लिखा कि आज बिहार लूट, गोली और हत्या के साए में जी रहा है. अपराध यहां नया नॉर्मल बन चुका है और सरकार पूरी तरह नाकाम. बिहार के भाइयों और बहनों, यह अन्याय अब और नहीं सहा जा सकता. जो सरकार आपके बच्चों की सुरक्षा नहीं कर सकती, वह आपके भविष्य की जिम्मेदारी भी नहीं ले सकती. राहुल गांधी ने कहा कि अब वक्त नए बिहार का है. उन्होंने लिखा कि हर हत्या, हर लूट, हर गोली - एक चीख है बदलाव की. अब वक्त है एक नए बिहार का, जहां डर नहीं, तरक्की हो. इस बार वोट सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, बिहार को बचाने का है.

सुपारी लेकर की गई बिजनेसमैन गोपाल खेमका की हत्या?

इस हाई-प्रोफाइल हत्याकांड की जांच में कई अहम सुराग सामने आ रहे हैं. पुलिस को शक है कि यह सुपारी किलिंग हो सकती है. इस मामले में गोपाल खेमका के छोटे बेटे गौरव खेमका ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है. सूत्रों के अनुसार, पुलिस ने बेऊर जेल में बंद कुख्यात गैंगस्टर अजय वर्मा से भी इस सिलसिले में पूछताछ की है. बिजनेसमैन गोपाल खेमका की हत्या के मामले में पुलिस को शक है कि इस घटना में बेऊर जेल में बंद गैंगस्टर अजय वर्मा का हाथ हो सकता है. बताया जा रहा है कि जब पुलिस के आला अधिकारियों ने बेउर जेल में छापेमारी की थी तो वहां अजय वर्मा से भी पूछताछ की गई. पुलिस को शक है कि जमीन के विवाद में इस हत्या को अंजाम दिया गया है. इस हत्याकांड को लेकर पुलिस सुपारी किलिंग से जोड़कर जांच कर रही है.

मुहर्रम जुलूस में तेज़ डीजे की आवाज़ बनी जानलेवा

72 वर्षीय महिला की मौत

शुभम संदेश। गिरिडीह

जिले के इसरी बाजार में मुहर्रम जुलूस के दौरान रविवार को तेज डीजे की आवाज़ एक बुजुर्ग महिला की मौत का कारण बन गई. घटना निमियाघाट थाना क्षेत्र की बताई जा रही है. मृतका की पहचान डुमरी थाना क्षेत्र के पटरियाटांड निवासी कौशल्या देवी (उम्र 72 वर्ष) के रूप में की गई है. जानकारी के मुताबिक, कौशल्या देवी खांसी की दवा लेने इसरी बाजार आई थीं. इसी दौरान बाजार से मुहर्रम का जुलूस गुजर रहा था, जिसमें तेज़ आवाज़ में डीजे बजाया जा रहा था. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, डीजे की तेज़ ध्वनि को वह सहन नहीं कर सकीं और असंतुलित होकर दवा दुकान के सामने ही गिर पड़ीं. स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी. महिला को डुमरी रेफरल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. इस दर्दनाक हादसे के बाद स्थानीय लोगों में शोक और नाराजगी का माहौल है. कई लोगों ने तेज़ डीजे बजाने की परंपरा पर सवाल उठाए हैं और इस पर नियंत्रण की मांग की है, खासकर ऐसे धार्मिक आयोजनों के दौरान जहां भीड़ और बुजुर्गों की उपस्थिति सामान्य होती है. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है. वहीं, जिला प्रशासन से डीजे की ध्वनि सीमा और अनुमति प्रक्रिया को लेकर भी सख्ती की मांग की जा रही है.

बिहार के लैंड सर्वे में किया गया बड़ा बदलाव

पटना। बिहार में राजस्व विभाग ने लैंड सर्वे को लेकर एक बड़ा निर्णय लिया है. दरअसल अब एक ही जमीन पर दाखिल-खारिज को लेकर रैयत दोबारा आवेदन नहीं करा सकेंगे. बता दें कि राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने यह निर्णय जमीन के दाखिल-खारिज मामले में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से किया है. यदि आवेदन एक बार पहले अस्वीकृत किया जा चुका है, तो वह दोबारा आवेदन नहीं कर सकता. विभाग ने इस व्यवस्था को अपने ऑनलाइन पोर्टल और सॉफ्टवेयर पर लागू कर दिया है. राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव जय सिंह ने सभी प्रमंडलीय आयुक्तों और जिलों के समाहर्ताओं को पत्र भेजकर निर्देश दिया है, जिसमें कहा गया है कि सभी ऑनलाइन दाखिल-खारिज आवेदनों की समीक्षा राजस्व कर्मचारी करेंगे.

पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ ने रिटायर होने के बाद खाली नहीं किया बंगला

अब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को लिखा पत्र

एजेंसियां। नयी दिल्ली

पूर्व चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ का सरकारी बंगले में ज्यादा दिन रुकना विवाद का कारण बन गया है. सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने केंद्र सरकार को पत्र लिख कर आग्रह किया है कि 5, कृष्णा मेनन मार्ग स्थित बंगला खाली करवाए. यह बंगला देश के मुख्य न्यायाधीश का आधिकारिक निवास है.

चंद्रचूड़ नवंबर 2024 में रिटायर हुए थे, लेकिन अब तक वहीं रह रहे. सुप्रीम कोर्ट ने एक जुलाई को केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय को पत्र लिखकर कहा कि पूर्व मुख्य न्यायधीश चंद्रचूड़ तय समय से ज्यादा दिन बंगले में रह रहे. रिटायरमेंट के बाद पूर्व मुख्य न्यायधीश को छह महीने तक टाइप-सात बंगले में रह सकते हैं. लेकिन वह टाइप-आठ बंगले में आठ महीने से रह रहे हैं, जो नियमों का उल्लंघन है.

इन दो चीफ जस्टिस ने नहीं लिया बंगला: चंद्रचूड़ के रिटायरमेंट के बाद दो चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और मौजूदा सीजेआई बीआर गवई ने कृष्णा मेनन मार्ग स्थित बंगला लेने से इनकार कर दिया. दोनों ने अपने पुराने आवास में ही रहना पसंद किया. इसी वजह से चंद्रचूड़ को बंगले में अतिरिक्त समय मिलने में आसानी हुई.

क्या बोले चंद्रचूड़

इस पर चंद्रचूड़ ने कहा कि यह देरी उनके पारिवारिक कारणों की वजह से हुई. उनकी दो बेटियों को विशेष देखभाल की जरूरत है और उनके लिए उपयुक्त घर ढूंढना आसान नहीं. सरकार ने उन्हें किराए पर दूसरा घर दिया है, जिसकी मरम्मत चल रही है. मरम्मत पूरी होते ही वह शिफ्ट हो जाएंगे. मुझे अपनी जिम्मेदारियों का एहसास है. उन्होंने स्पष्ट किया कि वह कुछ ही दिनों में बंगला छोड़ देंगे. उन्होंने यह भी कहा कि इससे पहले कई पूर्व मुख्य न्यायाधीश को भी परिस्थितियों को देखते हुए अतिरिक्त समय दिया गया है. वह यह मुद्दा सुप्रीम कोर्ट प्रशासन के साथ पहले ही साझा कर चुके हैं.

अमरनाथ यात्रा: 7,200 यात्रियों का एक और जत्था जम्मू से रवाना

जम्मू। लगातार बारिश के बीच, 7,200 से अधिक तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था रविवार को तड़के दक्षिण कश्मीर हिमालय में अमरनाथ मंदिर के लिए यहां आधार शिविर से रवाना हुआ. 3 जुलाई को शुरू हुई 38 दिवसीय वार्षिक तीर्थयात्रा ने रविवार को 50,000 का आंकड़ा पार कर लिया. 1,587 महिलाओं और 30 बच्चों सहित 7,208 तीर्थयात्रियों का पांचवां जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुबह 3:35 बजे से 4:15 बजे के बीच भगवती नगर आधार शिविर से दो अलग-अलग काफिलों में रवाना हुआ. 2 जुलाई के बाद से यह तीर्थयात्रियों का सबसे बड़ा जत्था था, जब उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने यहां से यात्रा को हरी झंडी दिखाई थी.

वैश्विक खबर : इस बार ब्रिक्स सम्मेलन में नहीं दिखेंगे पुतिन-जिनपिंग, पीएम मोदी कर रहे शिरकत

भारत और ब्राजील के लिए बड़ा कूटनीतिक मौका

शुभम संदेश डेस्क

ब्राजील के रियो डि जेनेरियो में रविवार से ब्रिक्स समूह का शिखर सम्मेलन शुरू हो रहा है. इस बार एक महत्वपूर्ण बदलाव ने सबका ध्यान खींचा है – चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग इस बैठक में शामिल नहीं हो रहे हैं. अपने एक दशक से अधिक लंबे शासन में यह पहली बार है जब शी ब्रिक्स की सालाना बैठक से दूर हैं. शी की गैरमौजूदगी ऐसे वक्त में हो रही है जब ब्रिक्स, जो अब 2024 के बाद 10 सदस्यीय समूह बन चुका है और अमेरिका के साथ बढ़ते व्यापारिक तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के दौर से गुजर रहा है. अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कई देशों पर लगाए गए टैरिफ की समय सीमा 9 जुलाई को खत्म हो रही है, जिससे इन देशों पर साझा रणनीति बनाने का दबाव बढ़ा है.

शी जिनपिंग की जगह इस बार चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ब्रिक्स में चीन प्रतिनिधित्व कर रहे हैं. हालांकि जानकारों का मानना है कि यह चीन की ब्रिक्स में रुचि कम होने का संकेत नहीं है, बल्कि घरेलू आर्थिक मामलों और रणनीतिक प्राथमिकताओं के चलते यह निर्णय लिया गया है.

भारत को मिल सकता है कूटनीतिक लाभ: इस बार की बैठक में भारत ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का केंद्र बिंदु रहने वाला है. चीन और रूस के शीर्ष नेताओं की गैरमौजूदगी से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रमुख मंच मिलने की संभावना है. मोदी ब्राज़ील के राष्ट्रपति लुइज़ इनेसियो लूला डा सिल्वा के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे. दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा भी सम्मेलन में मौजूद रहेंगे. ब्राजील ने पीएम मोदी के सम्मान में स्टेट विजिट का भी आयोजन रखा है, जो कि 8-9 जुलाई को ब्रासिलिया में होगा.

डॉलर के विकल्प की तलाश: ब्रिक्स के सदस्य लंबे समय से व्यापार में डॉलर की निर्भरता को कम करने और राष्ट्रीय मुद्राओं में लेनदेन को बढ़ावा देने की बात कर रहे हैं. रूस और ईरान जैसे अमेरिका द्वारा प्रतिबंधित देशों के लिए यह रणनीति खास मायने रखती है. हालांकि, एक साझा ब्रिक्स मुद्रा की संभावना इस बैठक में कम ही दिख रही है, क्योंकि इसके विरोध में ट्रंप ने जनवरी में 100% टैरिफ लगाने की धमकी दी थी.

तो इस वजह से नहीं आ रहे पुतिन: शी जिनपिंग अकेले ऐसे राष्ट्राध्यक्ष नहीं हैं जो ब्रिक्स में मौजूद नहीं रहेंगे बल्कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी सम्मेलन में केवल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल होंगे ठीक उसी तरह जैसे उन्होंने 2023 में दक्षिण अफ्रीका में आयोजित ब्रिक्स बैठक में वर्चुअली हिस्सा लिया था.

क्या ब्रिक्स अब उतना प्रभावी नहीं रहा

ब्रिक्स की शुरुआत 2009 में ब्राज़ील, रूस, भारत और चीन के आर्थिक सहयोग समूह के रूप में हुई थी, जिसमें एक साल बाद दक्षिण अफ्रीका जुड़ा. 2024 में इसमें मिस्र, यूएई, इथियोपिया, इंडोनेशिया और ईरान को भी शामिल किया गया. अब यह समूह वैश्विक शक्ति संतुलन में बदलाव लाने का प्रयास कर रहा है, खासकर पश्चिमी देशों के प्रभाव को संतुलित करने के लिए. हालांकि, अलग-अलग राजनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक सोच रखने वाले देशों का यह समूह अक्सर एकजुटता नहीं दिखा पाता है. हाल ही में ईरान पर हुए हमलों को लेकर संयुक्त बयान में अमेरिका और इज़रायल का नाम नहीं लिया गया, जिससे इस समूह में अंतर्विरोध देखने को मिला.

ट्रंप की सुरक्षा में बड़ी सेंध!

गोल्फ कोर्स के ऊपर उड़ रहा था प्लेन

एजेंसियां। वाशिंगटन

अमेरिका में एक एफ-16 लड़ाकू विमान ने शनिवार को एक सिविलियन एयरक्राफ्ट को रोका क्योंकि वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के न्यू जर्सी स्थित बेडमिन्स्टर गोल्फ क्लब के ऊपर बने नो-फ्लाई जोन में घुस गया था. इस इलाके को अस्थायी रूप से उड़ानों के लिए बंद किया गया था क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप वहां छुट्टियां मना रहे हैं. अमेरिकी डिफेंस एजेंसी ने बताया कि उन्होंने तुरंत एक एफ-16 जेट भेजा, जिसने उस विमान को सुरक्षा से बाहर निकाल दिया.

एजेंसी ने कहा कि विमान से किसी तरह का खतरा नहीं था और सब शांतिपूर्वक हो गया. राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए जब वे कहीं बाहर होते हैं तो उस इलाके को कुछ समय के लिए उड़ानों के लिए बंद कर दिया जाता है.

मार्च में भी सामने आया था ऐसा मामला

इस घटना से कुछ महीने पहले मार्च में भी एक नागरिक विमान ने फ्लोरिडा में ट्रंप के आवास के ऊपर प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में प्रवेश कर लिया था. उस समय भी इसी तरह की सैन्य कार्रवाई कर विमान को बाहर निकाला गया था. राष्ट्रपति की मौजूदगी के दौरान बनाए गए नो-फ्लाई जोन का उल्लंघन न केवल सुरक्षा के लिहाज से गंभीर है, बल्कि यह कानूनी कार्रवाई का कारण भी बन सकता है.

हाल के हफ्तों में बढ़े ऐसे मामले: डिफेंस एजेंसी ने कहा है कि यह हाल के हफ्तों में ऐसी कई घटनाओं में से एक है. उन्होंने पायलटों से अपील की है कि उड़ान भरने से पहले वे सभी उड़ान प्रतिबंधों की जानकारी जरूर लें.

झारखंड बीजेपी के नए प्रदेश अध्यक्ष को लेकर कवायद तेज

जल्द घोषणा होने के आसार, पद पाने के लिए कई दावेदार

शुभम संदेश। रांची

झारखंड बीजेपी के नये प्रदेश अध्यक्ष को लेकर एक बार फिर सुगबुगाहट तेज हो गई है. पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के द्वारा जल्द ही नए प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा होने की संभावना है. पिछले कई महीनों से निचले स्तर से शुरू हुई पार्टी का संगठनात्मक चुनाव अब अंतिम चरण में हैं. साथ ही संभावना जताई जा रही है कि इस महीने के अंत तक पार्टी को नया प्रदेश अध्यक्ष मिल जाएगा.

पार्टी के अंदर कई नामों पर कवायद : पार्टी के अंदर प्रदेश अध्यक्ष को लेकर जिन नामों पर तेजी से चर्चा हो रही है, उसमें सबसे

प्रमुख नाम पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास का है. रघुवर दास पार्टी में कई जिम्मेदारी संभाल चुके हैं. जिससे आलाकमान को काफी भरोसा है. ओबीसी समुदाय से संबंध रखने वाले रघुवर दास का पार्टी के केंद्रीय नेताओं के बीच अच्छे संबंध हैं. जिसका लाभ उन्हें मिलने की संभावना है. हालांकि पिछड़ा वर्ग से रघुवर दास के बाद दूसरा नाम जो बेहद ही चर्चा में है, वह हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल है.

रघुवर दास और मनीष जायसवाल के नाम आगे

रघुवर दास को यदि किसी वजह से प्रदेश अध्यक्ष नहीं बनाया जाता है तो मनीष जायसवाल के नाम पर मुहर लग सकता है. मनीष जायसवाल रघुवर दास और बाबूलाल मरांडी के भी चहेतों में से एक है. पिछड़ा वर्ग से बाहर निकलकर पार्टी यदि अगड़ी जाति के किसी को प्रदेश अध्यक्ष बनाएगी तो उसमें अनंत ओझा और प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष के रुप में वर्तमान में जिम्मेदारी संभाल रहे रबींद्र कुमार राय में से कोई एक हो सकता है.

रघुवर दास ही क्यों, जिसपर पार्टी को है इतना भरोसा

ओडिशा के राज्यपाल पद से इस्तीफा देने के बाद 10 जनवरी को रांची स्थित झारखंड भाजपा के कार्यालय में रघुवर दास पुनः पार्टी की सदस्यता ली. इसके बाद उन्होंने सक्रिय राजनीति में वापसी की है. ओबीसी वर्ग से आने वाले रघुवर दास ने बतौर मुख्यमंत्री राज्य में अपनी खास छवि बनाने में सफल रहे थे. झारखंड में ओबीसी की अच्छी खासी आबादी है. ऐसे में भविष्य की राजनीति का केंद्र बिंदु में यहां पिछड़ा वर्ग से जुड़ा वोट बैंक हो सकता है.

अनंत ओझा को संघ के करीबी होने का मिल सकता है फायदा

पूर्व विधायक अनंत ओझा रघुवर दास के प्रियपात्रों में से एक है और वे संघ के बहुत करीबी है. जिसका लाभ उन्हें मिल सकता है. रबींद्र कुमार राय को विधानसभा चुनाव के ऐन वक्त पर कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी देकर पार्टी ने अगड़ी जातियों की नाराजगी को दूर करने का प्रयास किया था. हालांकि जिस उम्मीद से बनाया गया था, उस तरह का लाभ पार्टी को नहीं मिल सका. बाबूलाल मरांडी के साथ अच्छे संबंध होने की वजह से इसका लाभ उन्हें मिल सकता है.

एसबीयू में मनी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती

शुभम संदेश। रांची/नामकुम

सरला बिरला विश्वविद्यालय में रविवार डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती मनायी गयी. इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में एसबीयू के महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक ने डॉ. मुखर्जी के जीवन, देश के प्रति उनके योगदान और उनके कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला. उनकी शैक्षणिक विद्वता, जनसेवा के प्रति समर्पण एवं राष्ट्र की विभिन्न समस्याओं के प्रति दूरदर्शिता की भी उन्होंने चर्चा की. हिंदू महासभा से उनके जुड़ाव एवं भारतीय राजनीति में उनके योगदान पर भी उन्होंने प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने की वकालत कर और इसके लिए वृहत् आंदोलन कर डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्र की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखने का महती प्रयास किया था. कार्यक्रम में एसबीयू के कुलपति प्रो सी जगनाथन के अलावा विभिन्न शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने डॉ. मुखर्जी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी. एसबीयू के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान एवं राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि दी है.

महागठबंधन में नया मोड़

रालोजपा और झामुमो की जल्द होगी एंट्री!

शुभम संदेश डेस्क

बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले महागठबंधन को मजबूती मिलने की संभावनाएं और प्रबल हो गई हैं. पशुपति पारस की राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) जल्द ही महागठबंधन में शामिल हो सकती हैं. इस बात की पुष्टि खुद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने की है.

हेमंत सोरेन से हुई बातचीत, झामुमो भी दिखा रहा रुझान : तेजस्वी यादव ने बताया कि उन्होंने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भी बातचीत की है. हालांकि, शिबू सोरेन की तबीयत खराब होने के कारण वे खुद रांची नहीं जा सके. तेजस्वी ने कहा, हेमंत सोरेन जी की भी यही मंशा है कि वे महागठबंधन में शामिल हों. जल्द ही इस पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा. गौरतलब है कि झारखंड विधानसभा चुनाव में राजद और झामुमो पहले से साथ काम कर चुके हैं. जेएमएम ने आरजेडी को 6 सीटें दी थीं, जिनमें से 4 पर आरजेडी ने जीत दर्ज की थी. आरजेडी का एक विधायक वर्तमान में हेमंत सोरेन मंत्रिमंडल में मंत्री भी है.

एक दर्जन सीटों पर लोजपा की नजर : एनडीए से अलग होने के बाद से ही लोजपा के महागठबंधन में शामिल होने की चर्चा गर्म है. इस साल जनवरी में जब लालू प्रसाद यादव दही-चूड़ा भोज पर पशुपति

तेजस्वी यादव ने दिया संकेत, जल्द होगा फैसला

रामविलास पासवान की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने रालोजपा कार्यालय पहुंचे तेजस्वी यादव ने कहा, पशुपति पारस जी ने धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद के मुद्दे को लेकर महागठबंधन में आने की इच्छा जताई है. हमनें यह प्रस्ताव सभी घटक दलों के समक्ष रखा है और जल्द इस पर निर्णय लिया जाएगा. तेजस्वी ने यह भी कहा कि एनडीए को हराने की चाह रखने वाले सभी दलों का एक साथ आना महागठबंधन को और मजबूत बनाएगा.

पारस के घर पहुंचे थे, तभी से अटकलें तेज हो गई थीं. कई मौकों पर पारस ने भी इशारों में सहयोग की इच्छा जाहिर की थी.

वहीं, झामुमो के सूत्रों का कहना है कि अगर पार्टी को महागठबंधन में शामिल नहीं किया गया तो बिहार की एक दर्जन से अधिक सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया जा सकता है.

झारखंड में मनरेगा पर सवाल : मानव दिवस में आई है गिरावट

रजिस्ट्रेशन में तो हुआ इजाफा लेकिन रोजगार में आई कमी

समीर चक्रवर्ती। रांची

झारखंड में मनरेगा से जुड़े कुछ आंकड़े इसकी सार्थकता पर सवाल खड़े कर रहे हैं. वित्तीय वर्ष 2023-24 और 2024-25 के केंद्र सरकार के डाटा का हवाला देते हुए लिव-टेक इंडिया, नरेगा वॉच और भोजन का अधिकार अभियान की ओर से दावा किया गया है कि एक तरफ मनरेगा में पंजीकरण करने वाले परिवारों की संख्या बढ़ी है तो दूसरी तरफ रोजगार घटा है. इसपर विभाग की अपनी दलील है. रिपोर्ट के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2024-25 में परिवारों के पंजीकरण में 5.3 प्रतिशत का इजाफा हुआ है. लेकिन इसकी तुलना में पंजीकृत परिवारों और मजदूरों की भागीदारी में 7.4 प्रतिशत और 9.7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है. वहीं पंजीकरण बढ़ने के बावजूद मानव दिवस में 8 प्रतिशत की गिरावट आई है जो राष्ट्रीय स्तर पर हुई 6.9 प्रतिशत की गिरावट से ज्यादा है. यह चिंता का विषय है. इससे पता चल रहा है कि एक तरफ लोग पंजीकरण तो करा रहे हैं लेकिन दूसरी तरफ उन्हें काम नहीं मिल रहा है.

नरेगा वॉच और भोजन का अधिकार अभियान का पक्ष: नरेगा वॉच के जेम्स हेरेंज का कहना है कि रोजगार में गिरावट की वजह

विभाग की दलील

मनरेगा आयुक्त मृत्युंजय कुमार वर्णवाल के मुताबिक रोजगार सृजन में कमी आई है. लेकिन इसके पीछे कुछ वजहें हैं. वित्तीय वर्ष 2024-25 में लोकसभा के साथ-साथ विधानसभा का चुनाव होने से काम प्रभावित हुआ. साथ ही मनरेगा कामगार करीब 78-79 दिन हड़ताल पर रहे. इस साल बड़ा लक्ष्य रखा गया है. इस बार 12 करोड़ मानव दिवस सृजन का लक्ष्य रखा गया है. पहले तीन माह में इस टारगेट को पूरा किया जा चुका है. इस साल आंकड़ों में फर्क जरूर दिखेगा.

सौ दिन काम पाने वालों की संख्या घटी

रिपोर्ट के मुताबिक 100 दिन काम पाने वालों की संख्या में भी भारी गिरावट आई है. इस कैटेगरी में शामिल परिवारों की संख्या 18 प्रतिशत घटी है. जबकि राष्ट्रीय स्तर पर 9.3 प्रतिशत की गिरावट आई है. इसके अलावा जिला स्तर पर भी मानव दिवस में गिरावट दर्ज हुई है. सबसे ज्यादा साहिबगंज में 27 प्रतिशत, जामताड़ा में 22.9 प्रतिशत, रामगढ़ में 18.6 प्रतिशत और लोहरदगा में 18.5 प्रतिशत मानव दिवस कम हुआ है. गौर करने वाली बात ये है कि आदिवासी बहुल खूंटी, सिमडेगा, पश्चिम सिंहभूम में भी मानव दिवस में कमी आई है. खास बात है कि घोषित मजदूरी में वृद्धि के बावजूद 2024-25 में अकुशन मजदूरी पर खर्च 2023-24 की तुलना में 95.2 करोड़ घट गया.

के कई कारण हैं. केंद्र सरकार ने 86 हजार करोड़ का मनरेगा बजट पेश किया है. लेकिन पिछले वर्ष का बकाया 11 हजार करोड़ रुपये भी जुड़ा हुआ है. सरकार के कार्यक्रमों में जनता का विश्वास कम हो रहा है. मजदूरों को समय पर भुगतान नहीं हो रहा है. मनरेगा से जुड़ने और पेमेंट के लिए कई प्रक्रिया से गुजरना पड़ रहा है. इससे मजदूर परेशान हैं. ग्राम सभा के स्तर से योजनाएं तय नहीं की जा रहीं हैं. योजनाओं को नहीं थोपना चाहिए. अब शिकायत पर कोई संज्ञान भी नहीं लेता है. ऐसा लगता है कि मनरेगा अब करप्शन का पर्याय बन गया है. सामाजिक कार्यकर्ता बलराम के मुताबिक संपन्न लोग मनरेगा का जॉब कार्ड बनवाकर फायदा उठा रहे हैं. पर्सनल असेट तैयार कर रहे हैं. चार लाख का एक कुंआ बनवा ले रहे हैं. अगर एक मजदूर पूरे साल में 100 दिन काम करता है तो उसे महज 27 हजार रु. मिलेंगे. इसको रोकना होगा. सरकार को इच्छाशक्ति मजबूत करना होगा. समय पर मजदूरी का भुगतान होना चाहिए. स्टेट कॉर्पस बनना चाहिए. उससे राज्य सरकार मजदूरी भुगतान कर दे बाद में केंद्र से राशि आने पर एडजस्ट कर ले. अब स्टेट से ऑर्डर हो जाता है कि एक लाख कुंआ बनाना है. यह सही नहीं है.

ईडी की जांच में बड़ा खुलासा

पांच साल में 1.70 करोड़ की जमीन के मालिक बने योगेंद्र साव के बेटे

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के पूर्व मंत्री योगेंद्र साव और पूर्व विधायक निर्मला देवी के पुत्र तथा बड़कागांव की पूर्व विधायक अंबा प्रसाद के भाई अंकित राज ने बीते पांच वर्षों में करीब आठ एकड़ जमीन खरीदी है. भूमि संबंधित दस्तावेजों के मुताबिक इन जमीनों का कागजी मूल्य 1.70 करोड़ रुपये है. ईडी की जांच में यह बात सामने आई है कि अंकित राज बालू के कारोबार सहित अन्य कई व्यापारिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल हैं. जांच में यह भी पाया गया है कि अंकित राज के नाम पर एक कंपनी मेसर्स अंकित राज सैंड स्टॉकयार्ड रजिस्टर्ड है, जो बालू व्यवसाय के लिए बनाई गई थी. इसके अतिरिक्त मेसर्स एसकेएस इंटरप्राइजेज और मां अष्टभुजा सिरामिक्स जैसी कंपनियों पर भी अंकित का पूरा नियंत्रण है. ईडी के अनुसार, अंकित राज अवैध बालू खनन में भी लिप्त रहा है. अंकित ने वर्ष 2019 से 2023 के बीच हजारीबाग जिले के विभिन्न मौजा क्षेत्रों में जमीन खरीदी. कुल 15 रजिस्ट्री दस्तावेजों के माध्यम से इन जमीनों का अधिग्रहण किया गया, जिसमें सबसे अधिक रजिस्ट्री वर्ष 2023 में की गई. वर्ष 2019 में दो, वर्ष 2020 में एक और वर्ष 2021 में चार सेल डीड के जरिए जमीन खरीदी गई. 2022 में दो और 2023 में सबसे अधिक रजिस्ट्री हुईं. उदाहरणस्वरूप, वर्ष 2020 में नयाखाप मौजा के खाता नंबर 26, प्लॉट नंबर 718 की 9.31 डिसमिल जमीन सिर्फ एक रजिस्ट्री से खरीदी गई, जिसकी कीमत दस्तावेज में नौ लाख रुपये दर्ज है. ईडी अब इस पूरे लेन-देन की गहनता से जांच कर रही है कि आखिर इतनी संपत्ति अर्जित करने का स्रोत क्या है, और उसमें अवैध खनन से प्राप्त धन की भूमिका कितनी है.

एक नजर

चंपाई सोरेन का सोशल मीडिया अकाउंट अचानक बंद

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता चंपाई सोरेन पिछले पांच दिनों से सोशल मीडिया पर पूरी तरह से खामोश हैं. उनके ट्विटर और फेसबुक जैसे मुख्य सोशल हैंडल्स पर न तो कोई नया पोस्ट आई है और न ही कोई प्रतिक्रिया. आमतौर पर सोशल प्लेटफॉर्म पर बेहद सक्रिय रहने वाले सोरेन की इस अचानक चुप्पी ने राजनीतिक गलियारों और आम जनता के बीच कई सवाल खड़े कर दिए हैं. मिली जानकारी के अनुसार, चंपाई सोरेन के सोशल मीडिया

अकाउंट्स को सुधीर कुमार नामक व्यक्ति संभाल रहा था. हाल ही में सुधीर को झारखंड के गोड्डा में हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया है. जानकारी के मुताबिक सुधीर की गिरफ्तारी के बाद से ही चंपाई सोरेन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कोई गतिविधि नहीं दिख रही है, जिससे यह अटकलें तेज हो गई हैं कि उनकी डिजिटल टीम में कुछ बड़ा बदलाव हुआ है. इस घटनाक्रम के बाद यह सवाल उठ रहे हैं कि क्या सुधीर ही उनके सोशल अकाउंट्स का एकमात्र संचालक था? यदि ऐसा है, तो उनकी डिजिटल सुरक्षा और टीम प्रबंधन पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लग गए हैं.

बीसीआई प्लेटिनम 27 को कराएगा बैडमिंटन टूर्नामेंट

रांची. बिजनेस क्रिएशन ऑफ इंडिया (बीसीआइ) प्लेटिनम की बैठक रविवार को हुई. इसकी अध्यक्षता करते हुए बीसीआइ के अध्यक्ष डॉ. सजीत कुमार ने कहा कि हमारे सदस्यों के सहयोग से कारोबार में वृद्धि हो रही. हमें अपने व्यापार के साथ एक आपसी संबंध को आगे बढ़ाना है. बैठक में बीसीआइ प्लेटिनम के सदस्यों के लिए 27 जुलाई को एक दिवसीय बैडमिंटन के आयोजन की घोषणा की गयी. इसका आयोजन मोरहाबादी हातमा स्थित बैडमिंटन एकेडमी में होगा. मेंटर किशोर मंत्री ने कहा कि हमें व्यापार आगे बढ़ाना है, तो नेटवर्किंग जरूरी है. बीसीआइ प्लेटिनम ऐसा मंच है, जहां उद्यमी एक-दूसरे से जुड़कर अपने व्यवसाय को नया आयाम दे सकते हैं. इसमें अच्छे लोग जुड़ रहे हैं, इसी का परिणाम है कि एक दूसरे के पारस्परिक सहयोग से अच्छा व्यवसाय हर माह कर पा रहे हैं. व्यापार के साथ खेल भावना को भी आगे बढ़ाना है. एक दूसरे के प्रति विश्वास जगाना है. बैठक में कई नए विज़िटर्स ने भी भाग लिया और संगठन की कार्यप्रणाली को समझा. उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्हें इस मंच से बहुत कुछ सीखने को मिला.इस अवसर पर निदेशक शिव कुमार सिंह, रमेश कुमार, अजय कुमार, बीसीआइ प्लेटिनम की उपाध्यक्ष सोनाली चौधरी, सचिव राजेश कुमार, कोषाध्यक्ष संतोष कुमार वर्मा, मोहित नारसरिया, संजय जैन, अमर बाजोरिया, जुली कुमारी समेत अन्य सदस्य मौजूद थे.

झारखंड के 4 विवि में इंटर में नामांकन पर राजभवन ने भेजा नोटिस

नई शिक्षा नीति के उल्लंघन का आरोप

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के 4 विश्वविद्यालयों में इंटरमीडिएट में नामांकन जारी रखने को लेकर राजभवन ने गंभीर आपत्ति जताई है. इस संबंध में विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग, कोल्हान विश्वविद्यालय चाईबासा, सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका और नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय मेदिनीनगर को राजभवन की ओर से नोटिस जारी किया गया है. राज्यपाल सचिवालय की संयुक्त सचिव अर्चना मेहता ने सभी संबंधित विश्वविद्यालयों से यह स्पष्ट करने को कहा है कि जब नई शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के तहत कॉलेजों में इंटर की पढ़ाई बंद करने का निर्देश पहले ही जारी किया जा चुका है, तो फिर 2025-27 शैक्षणिक सत्र में इंटरमीडिएट में नामांकन क्यों लिया जा रहा है.

राजभवन के नोटिस के बाद विश्वविद्यालयों ने भी तेजी से कार्रवाई शुरू कर दी है. विनोबा भावे विश्वविद्यालय ने अपने सभी अंगीभूत और संबद्ध कॉलेजों के प्राचार्यों से 3 दिन के भीतर रिपोर्ट देने को कहा है. अन्य विश्वविद्यालयों ने भी कॉलेजों से जानकारी मांगी है कि किस कॉलेज में इंटर का नामांकन लिया जा रहा है और क्यों. जानकारी हो कि नई शिक्षा नीति 2020 के तहत, कॉलेज स्तर की शिक्षा केवल स्नातक और स्नातकोत्तर तक सीमित रहनी चाहिए, जबकि इंटर की पढ़ाई केवल प्लस टू स्कूलों या मान्यता प्राप्त इंटर कॉलेजों में होनी है.

राज्यपाल से मिला युवा सोच का प्रतिनिधिमंडल

विश्वविद्यालयों में इंटरमीडिएट शिक्षा बहाली करने की मांग

रांची। राजधानी रांची में संचालित सामाजिक संस्था युवा सोच के प्रतिनिधिमंडल द्वारा राजभवन में राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष गंगवार से मुलाकात कर उन्हें मांग पत्र सौंपा गया. बता दें कि मांग पत्र के माध्यम से युक्त प्रतिनिधिमंडल ने राज्यभर के सरकारी महाविद्यालयों में इंटरमीडिएट की पढ़ाई पुनः प्रारंभ कराने एवं नए इंटरमीडिएट महाविद्यालयों के निर्माण की मांग की. मौके पर संस्था के अध्यक्ष कृष्णा मिश्रा ने बताया कि राज्य में सरकारी स्तर पर इंटरमीडिएट की पढ़ाई बंद होने से खासकर ग्रामीण और दूर दराज इलाकों से तालुक रखने वाले विद्यार्थियों को काफी परेशानियों का सामना

करना पड़ रहा है. उन्होंने कहा, निजी विद्यालयों में एडमिशन कराना इन विद्यार्थियों के लिए अड़चन पैदा कर रहा है. और मजबूरी में इन क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं को निजी संस्थानों की ओर रुख करना पड़ रहा है, जिससे आर्थिक बोझ भी बढ़ रहा है. युवा सोच के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से आग्रह किया कि वे इस गंभीर शैक्षणिक मुद्दे पर संज्ञान लें और उचित कदम उठाएँ, ताकि राज्य के छात्र-छात्राओं को समान और सुलभ शिक्षा मिल सके. इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष कृष्णा मिश्रा, नितीश मिश्रा, कुशाग्र सिंह राजपूत आदि उपस्थित थे. प्रतिनिधिमंडल को उम्मीद है कि राज्यपाल इस विषय में सकारात्मक पहल करेंगे.

विधायक जयराम महतो अपने वेतन की 75% राशि टॉपर्स के बीच करेंगे वितरित

शुभम संदेश। रांची

डुमरी विधानसभा क्षेत्र के छात्रों के लिए एक अच्छी खबर है. झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के सुप्रीमो सह विधायक जयराम महतो ने कहा है कि वे अपने वेतन की 75 फीसदी राशि डुमरी विधानसभा क्षेत्र के मैट्रिक और इंटरमीडिएट के टॉप टेन छात्र-छात्राओं के बीच पुरस्कार/ प्रोत्साहन के रूप में वितरित करेंगे. जयराम महतो ने अपने घोषणा पत्र में वचन दिया था कि अपने वेतन की 75% राशि क्षेत्र की जनता के लिए दान करेंगे. इसी कड़ी में, वह अपने तीन माह के वेतन की 75% राशि डुमरी विधानसभा क्षेत्र के 10वीं और 12वीं आर्ट्स, कॉमर्स, साइंस के टॉप 10 विद्यार्थियों के मध्य पुरस्कार/प्रोत्साहन के रूप में वितरित करेंगे. यह कार्यक्रम 7 जुलाई को नावाडीह स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा.

इन टॉपर्स को मिलेगा सम्मान

• श्वेता -	480 अंक
• कुमकुम -	478 अंक
• सूरज -	475 अंक
• बलराम -	472 अंक
• खुशबू -	470 अंक
• लक्ष्मी -	469 अंक
• तेजस्वी -	468 अंक
• सृष्टि -	468 अंक
• बरखा -	467 अंक
• नीतू -	467 अंक

अब झारखंड में भी 'बैगलेस डे' | गुजरात के बाद झारखंड में भी प्रयोग

हर शनिवार बिना बस्ता के स्कूल आएंगे बच्चे, रचनात्मक गतिविधियों पर जोर

शुभम संदेश। रांची

गुजरात के बाद अब झारखंड भी अपनी शिक्षा व्यवस्था में एक बड़ा और सकारात्मक बदलाव करने की तैयारी में है. राज्य के सरकारी स्कूलों में हर शनिवार 'बैगलेस डे' लागू करने की योजना बन रही है, जिसके तहत बच्चों को उस दिन बस्ता, किताब या कॉपी लेकर स्कूल आने की आवश्यकता नहीं होगी. यह व्यवस्था फिलहाल कक्षा 1 से 8 तक के छात्रों के लिए लागू की जाएगी.

शिक्षा विभाग इस प्रस्ताव को अंतिम रूप देने में जुटा है और माना जा रहा है कि इसे जल्द ही राज्यभर में लागू कर दिया जाएगा. इस नई पहल का उद्देश्य बच्चों में रचनात्मकता, शारीरिक

सक्रियता और सामाजिक संवाद को बढ़ावा देना है. शनिवार को बच्चों का पूरा दिन खेलकूद, योग, म्यूजिक, ड्राइंग, पेंटिंग, नाटक, कहानी-कविता, क्विज़, लोक गीत-नृत्य जैसे गतिविधियों में बिताया जाएगा.

बच्चों की रचनात्मकता होगी केंद्र में : बताया गया है कि इस दिन शिक्षक बच्चों को सीखने के वैकल्पिक तरीके अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे. स्थानीय संसाधनों और सांस्कृतिक गतिविधियों के जरिये छात्रों की भागीदारी को बढ़ावा दिया जाएगा. इससे न केवल बच्चों का मानसिक विकास होगा, बल्कि वे स्कूल को बोझमुक्त और आनंददायक स्थान के रूप में महसूस कर सकेंगे. शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इस पहल को स्कूलों में प्रयोग के तौर पर शुरू किया जाएगा और फिर उसे नियमित व्यवस्था का रूप दिया जाएगा. जिला शिक्षा अधिकारियों को इसके लिए दिशा-निर्देश जारी किए जा रहे हैं.

पुरानी परंपरा को नया रूप देने की कोशिश

राज्य के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने इस पहल की पुष्टि करते हुए कहा कि डिजिटल युग में मोबाइल और गैजेट्स के अत्यधिक इस्तेमाल से बच्चे शारीरिक गतिविधियों से दूर होते जा रहे हैं. पहले स्कूलों में ऐसी परंपरा थी, जिसमें आखिरी घंटा पीटी और खेलकूद का होता था. अब उसी भावना को और व्यापक रूप देकर 'बैगलेस डे' की शुरुआत की जा रही है, उन्होंने कहा.

शिक्षकों की भूमिका भी अब बदलेगी

बैगलेस डे पर शिक्षकों की भूमिका भी पारंपरिक अध्यापन से हटकर मार्गदर्शक और सहकर्मी जैसी होगी. वे बच्चों को विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करेंगे और उनके साथ सक्रिय रूप से शामिल होंगे. शिक्षा विभाग का मानना है कि यह पहल न केवल बच्चों के समग्र विकास को बढ़ावा देगी, बल्कि स्कूलों का वातावरण भी अधिक जीवंत और समावेशी बनेगा.

श्रावणी मेला : रेलवे ने दिया बड़ा तोहफा!

सावन में देवघर जाने के लिए इन शहरों से चलेंगी खास ट्रेनें

शुभम संदेश। रांची

श्रावण मास की शुरुआत से पहले ही मिथिलांचल में शिवभक्ति का रंग चढ़ने लगा है. शिव और शक्ति की भूमि मानी जाने वाली मिथिला के श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर की यात्रा को लेकर तैयारियों में जुट चुके हैं. इस बार रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालुओं के देवघर जाने की संभावना जताई जा रही है.

श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए रेलवे का बड़ा फैसला: हर साल की तरह इस बार भी जयनगर, दरभंगा, समस्तीपुर, बरौनी, मुंगेर और किउल जैसे स्टेशनों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु देवघर के लिए रवाना होते हैं. बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए समस्तीपुर रेल मंडल ने विशेष 'श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन' चलाने का निर्णय लिया है.

11 जुलाई से 8 सितंबर तक चलेगी स्पेशल ट्रेन, सप्ताह में तीन दिन सेवा रेलवे के अनुसार, गाड़ी संख्या 05597 – जयनगर-आसनसोल श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन 11 जुलाई से 8 सितंबर तक, मंगलवार, शुक्रवार और रविवार को रात 10:00 बजे जयनगर से रवाना होकर सुबह 9:05 बजे जसीडीह और 11:30 बजे आसनसोल पहुंचेगी.

वापसी में भी श्रद्धालुओं को सुविधा : गाड़ी संख्या 05598 – आसनसोल-जयनगर श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन 12 जुलाई से 9 सितंबर तक बुधवार, शनिवार और सोमवार को दोपहर 1:00 बजे आसनसोल से प्रस्थान अगले दिन सुबह 4:20 बजे जयनगर पहुंचेगी.

अतिरिक्त कोच और स्टॉपेज की सुविधा

रेल प्रशासन ने न सिर्फ स्पेशल ट्रेनों की शुरुआत की है, बल्कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कुछ नियमित ट्रेनों में अतिरिक्त कोच भी जोड़े गए हैं. साथ ही, महत्वपूर्ण स्टेशनों पर अतिरिक्त स्टॉपेज भी दिए गए हैं ताकि किसी भी श्रद्धालु को यात्रा में असुविधा न हो.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, सोमवार 07 जुलाई 2025 I आषाढ़ शुक्ल पक्ष 12, संवत 2082 I रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित I वर्ष : 3, अंक : 90 I मूल्य ₹ 3, पृष्ठ संख्या : 12

सारंडा जंगल में आईईडी ब्लास्ट में घायल हाथी के बच्चे की मौत

चाईबासा। जिले के सारंडा जंगल में दस दिन पूर्व हुए कथित आईईडी ब्लास्ट में घायल हाथी के बच्चे की शनिवार की देर रात इलाज के दौरान मौत हो गई. घायल हाथी बच्चे का इलाज करने के लिए वन विभाग और वनतारा की मेडिकल टीम कल देर शाम दीघा पहुंची थी. टीम ने हाथी को ट्रेंकुलाइज कर उसका उपचार शुरू किया, लेकिन उसकी हालत पहले से ही काफी गंभीर थी. बताया जाता है कि आईईडी ब्लास्ट में हाथी का पिछला हिस्सा बुरी तरह जख्मी हो गया था और लगातार खून बह रहा था. घायल हाथी बच्चे को देर रात सारंडा के दीघा क्षेत्र से जराईकेला लाया गया था, ताकि उसका समुचित इलाज किया जा सके. वन विभाग के अनुसार हाथी के शरीर से हो रहे अत्यधिक रक्तस्राव के चलते उसे बचाया नहीं जा सका. हाथी की मौत से वन विभाग और पशु प्रेमियों में शोक की लहर है. उल्लेखनीय है कि सारंडा जंगल नक्सली गतिविधियों के लिए संवेदनशील माना जाता है. सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के लिए नक्सली अक्सर आईईडी लगाते हैं, लेकिन इस बार उनकी यह घातक साजिश मासूम वन्य जीव का जीवन लील गई.

गिरिडीह में दिनदहाड़े कोयला चोरी, विरोध करने पर सीसीएल कर्मियों से मारपीट

शुभम संदेश। गिरिडीह

जिले में कोयला चोरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है. पहले चोरी की घटनाएं रात के अंधेरे में होती थीं, लेकिन अब चोरों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि वे दिनदहाड़े साइडिंग के भीतर घुस कर कोयला लूटने से भी नहीं हिचक रहे. ताजा मामला सीसीएल गिरिडीह एरिया स्थित सीपी साइडिंग का है, जहां रविवार को दिन के उजाले में दर्जनों की संख्या में चोर घुस आए और कोयला चोरी करने लगे. जब सीसीएल कर्मियों ने इसका विरोध किया तो उनके साथ मारपीट की गई. वहीं, महिला होमगार्ड से बदसलूकी की गई. घटना के संबंध में सीसीएल के लोडिंग इंस्पेक्टर अमित कुमार यादव, टेक्निकल इंस्पेक्टर मनीष कुमार, मनोज कुमार, वेब ब्रिज पर तैनात तस्लीम अख्तर और सुरक्षा में लगी महिला होमगार्ड शकुंतला व प्रीति सहित अन्य कर्मियों ने बताया कि जब उन्होंने चोरों को साइडिंग से बाहर जाने को कहा, तो चोरों ने एकजुट होकर उन पर हमला बोल दिए. कर्मियों के साथ मारपीट की गई, तस्लीम अख्तर को जमीन पर पटक कर पीटा गया, जबकि महिला गार्डों के साथ अभद्र व्यवहार किया गया.

टेक्निकल इंस्पेक्टर मनीष कुमार ने बताया कि साइडिंग के भीतर कोयला के पास खड़े एक युवक को जब हटने को कहा गया, तो वह खुद को स्पेशल ब्रांच का स्टाफ बताने लगा और फोन कर अपने साथियों और कुछ ग्रामीणों को बुला लिया. इसके बाद अचानक मारपीट शुरू हो गई. घटना की सूचना तत्काल सीसीएल के जीएम और पीओ को दी गई. मामले की जानकारी मिलते ही मुफस्सिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो ने अवर निरीक्षक संजय कुमार को पुलिस बल के साथ मौके पर भेजा, लेकिन तब तक हमलावर फरार हो चुके थे. पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर पीड़ितों के बयान लिए और हमलावरों के हुलिए की जानकारी जुटाई. सभी पीड़ितों को लिखित आवेदन देने को कहा गया है. घटना को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो ने हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए 2 टीमों का गठन किया है. पुलिस की टीम विभिन्न संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है. थाना प्रभारी ने कहा कि जो भी इस घटना में शामिल हैं, उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा. सीसीएल के साइडिंग में दिनदहाड़े चोरों का घुसना और कर्मियों के साथ मारपीट होना सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है. लगातार हो रही कोयला चोरी की घटनाओं के बावजूद न तो पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात हैं और न ही चोरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो रही है.

ब्रीफ न्यूज

गुमला में व्यवसायी की हत्या, सनसनी

गुमला। गुमला शहरी क्षेत्र में सिसई रोड स्थित किराना व्यवसायी विनोद जाजोदिया को रविवार की देर शाम अज्ञात अपराधियों ने रड से मारकर हत्या कर दी. जानकारी के अनुसार विनोद जाजोदिया सामने की दुकान से कुछ खरीद कर आ रहे थे, तभी अज्ञात अपराधियों ने रड से वार कर उन्हें गंभीर रूप से जख्मी कर दिया. स्थानीय लोगों ने जख्मी विनोद जाजोदिया को तुरंत सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां डाक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. घटना की सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी महेंद्र कुमार करमाली ने घटनास्थल का मुआयना किया. आस पास के सीसीटीवी फुटेज चेक किए गए. सीसीटीवी फुटेज में लोग अपराधियों के हाथ में तलवार भी देखने की बात कर रहे हैं, जबकि थाना प्रभारी रड से वार करने की पुष्टि कर रहे हैं. व्यवसायी की हत्या को लेकर शहर में सनसनी फैल गई है. पुलिस शहर में नाकेबंदी करके अपराधियों की तलाश शुरू कर दी है.

ससुराल में मजदूर ने फंदे से लटक कर की खुदकुशी

जमशेदपुर। बिष्टुपुर थाना क्षेत्र के धतकीडीह गोदाम इलाके में शनिवार देर रात एक मजदूर ने फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली।मृतक की पहचान 37 वर्षीय इमाम हुसैन के रूप में हुई है, जो आज़ादबस्ती के रहने वाले थे और पिछले कुछ वर्षों से अपनी ससुराल धतकीडीह में ही रह रहे थे. बताया जाता है कि शनिवार की रात घर के अन्य सदस्य एक पारिवारिक कार्यक्रम में गए हुए थे. लौटने पर उन्होंने देखा कि इमाम का कमरा अंदर से बंद है. दरवाजा खटखटाने और आवाज देने पर भी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, तो दरवाजा तोड़ा गया. अंदर इमाम हुसैन को गमछे से पंखे के सहारे लटका पाया गया. परिजन तुरंत उन्हें टाटा मेन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. घटना के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है. तीन बेटियों के पिता इमाम हुसैन शांत और मेहनती स्वभाव के व्यक्ति माने जाते थे. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा कमरे से मिले दस्तावेज और मोबाइल फोन जब्त कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है.

देवघर में किया गया अलर्ट, श्रावणी महोत्सव में कुछ बड़ा होने की आशंका

स्पेशल ब्रांच ने गृह सचिव और डीजीपी को सौंपी रिपोर्ट

शुभम संदेश। रांची

देवघर और बासुकीनाथ में 11 जुलाई से शुरू होने वाला श्रावणी महोत्सव, जो 9 अगस्त तक चलेगा, इस वर्ष सुरक्षा के लिहाज से अत्यंत संवेदनशील है. स्पेशल ब्रांच के आइजी ने गृह सचिव और डीजीपी को एक रिपोर्ट सौंपी है, जिसमें विशेष अलर्ट जारी किया गया है. रिपोर्ट में इस बात की ओर इशारा किया गया है कि कांवरियों के वेश में आतंकी या उग्रवादी ताकतें माहौल का फायदा उठा सकती हैं और अप्रिय घटनाओं को अंजाम दे सकती हैं.

स्पेशल ब्रांच के आइजी ने अपनी रिपोर्ट में दिया है. इस रिपोर्ट में श्रावणी मेले के दौरान हुए पूर्व घटनाओं के बार में भी बताया गया है. रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के कई धार्मिक स्थलों पर पर इस तरह की कार्रवाई की जा चुकी है. और इसी को ध्यान में रखते हुए देवघर और बासुकीनाथ मंदिर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं. रिपोर्ट में कहा है गया है कि यदि किसी को संदिग्ध वस्तु देखती है तो उसे तत्काल हटाया जाए. बता दें कि इस महोत्सव में देश के कई हिस्सों से श्रद्धालु पूजा करने के उद्देश्य से आते हैं. सुरक्षा की मजबूत व्यवस्था : इस बार सुरक्षा व्यवस्था को और भी अधिक सख्त किया गया है, ताकि श्रद्धालु निश्चिंत होकर पूजा-अर्चना कर सकें और कोई अप्रिय घटना न हो. पुलिस को निर्देश दिया गया है कि वे लगातार गश्त करें और शिथिलता पर निगरानी रखें.

रिपोर्ट में शामिल सुरक्षा उपाय

1. कांवरिया पथ और श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त पुलिस और गश्ती व्यवस्था की जाएगी.
2. सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वाले असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी.
3. कांवरिया पथ के आसपास के गांवों में असामाजिक गतिविधियों पर कड़ी निगरानी की जाएगी.
4. वांटेड और फरार अपराधियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी.
5. भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, जैसे मंदिर, रेलवे स्टेशन, और बस स्टैंड पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जाएगी.
6. श्रद्धालुओं के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ या ठगी की घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे.
7. सुनसान और अंधेरे क्षेत्रों में बेहतर प्रकाश व्यवस्था की जाएगी.
8. महिलाओं के साथ छेड़छाड़, छिनतई और अन्य अपराधों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

कांवरिया पथ पर सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान

साथ ही, कांवरिया पथ पर श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस बल और सुरक्षा अधिकारियों को स्टैंडबाय पर रखा जाएगा. साथ ही, इन स्थानों पर सीसीटीवी कैमरा सिस्टम से निगरानी भी बढ़ाई जाएगी. श्रावणी महोत्सव की यह सुरक्षा योजना राज्य की प्रशासनिक मशीनरी की ओर से एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे धार्मिक आयोजन के दौरान शांति और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके.

धनबाद से चाईबासा ले जा रहे अवैध लॉटरी टिकट को पुलिस ने पकड़ा, दो गिरफ्तार

शुभम संदेश। जमशेदपुर

जमशेदपुर के सीतारामडेरा पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है. सीतारामडेरा थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर करीब एक लाख अवैध लॉटरी टिकट को जब्त किया है. साथ ही इस मामले में दो लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है. बताया जा रहा है कि इन अवैध लॉटरी टिकट को धनबाद से दो बड़े कार्टून में बंगाल के रास्ते जमशेदपुर लाया गया था. यहां से इसे चाईबासा भेजने की तैयार थी. जिससे करीब पांच करोड़ की अवैध लॉटरी का कारोबार संचालित किया जाना था. दरअसल, सीतारामडेरा थाना प्रभाती निरंजन कुमार को गुप्त सूचना मिली कि धनबाद से करीब एक लाख अवैध लॉटरी टिकट को दो बड़े कार्टून में जमशेदपुर बस स्टैंड लाया जा है. यहां से अवैध लॉटरी टिकट को एक व्यक्ति के हाथों चाईबासा भेजा जाएगा.

सूचना मिलते ही सीतारामडेरा थाना के प्रभारी ने तत्परता दिखायी और तत्काल छापेमारी टीम का गठन किया. इस टीम ने जमशेदपुर के मानगो बस स्टैंड में छापेमारी की. इस छापेमारी के दौरान टीम ने धनबाद से सिक्सर बस से जमशेदपुर लाये गये अवैध लॉटरी टिकट के साथ दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है. बताया जा रहा है कि गिरफ्तार व्यक्तियों में धनबाद से लॉटरी टिकट लाने वाले सिक्सर बस कंडक्टर फॉरेस्ट महतो और उसे चाईबासा ले जाने वाले चाईबासा निवासी मुखिया तीयू शामिल है. फिलहाल पुलिस गिरफ्तार दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है.

बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, मौत

शुभम संदेश। चाईबासा

चालुनिया पंचायत के जयनगर गांव स्थित कन्हाईश्वर पहाड़ की पूजा कर लौट रहे दो युवकों की बाइक को शनिवार देर रात एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी. इस हादसे में गालूडीह निवासी नीलू सदन(27) की मौत हो गई, जबकि पाटमहुलिया निवासी शिवम मंडल(30) गंभीर रूप से घायल हो गए.

पुलिस के अनुसार नीलू सदन (गालूडीह) और शिवम मंडल (पाटमहुलिया) बाइक (जेएच 05 डीके 3004) से पूजा कर अपने घर लौट रहे थे। तभी चाकुलिया-शीशाखून मुख्य सड़क पर जोड़ाम गांव के पास एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी और फरार हो गया. दुर्घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई. सूचना पाकर पुलिस पहुंची और दोनों को अपनी बोलेरो से चाकुलिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया. यहां चिकित्सकों ने नीलू सदन को मृत घोषित कर दिया, जबकि शिवम मंडल की हालत गंभीर होने पर उसे बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया. थाना प्रभारी ने रविवार को बताया कि अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है. पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है.

सिमडेगा में कंस्ट्रक्शन कंपनी से लेवी मांगने वाले दो अपराधी गिरफ्तार

शुभम संदेश। सिमडेगा

कोलेबिरा थाना क्षेत्र में पुलिस ने लेवी मांगने के आरोप में 2 अपराधियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार अपराधियों में फूल सिंह और राजेश साहू उर्फ चुठु शामिल हैं. मामले की जानकारी देते हुए एसपी सिमडेगा एम अर्शी ने बताया कि अनिश शाद नामक व्यक्ति की कंस्ट्रक्शन कंपनी कोलेबिरा थाना क्षेत्र के लरबा में नहर बनाने का कार्य कर रही थी. इसी दौरान उनको अपराधियों का फोन आया और अपराधियों ने उनसे काम के कुल लगत की 5 प्रतिशत राशि लेवी के रूप में मांगी. साथ ही अपराधियों ने लेवी नहीं देने पर जान से मारने की धमकी भी दी थी. अपराधियों द्वारा लवी की मांग किए जाने के बाद कंस्ट्रक्शन कंपनी के मलिक अनीश शाद ने कोलेबिरा थाना में अपराधियों के विरोध मामला दर्ज करवाया. जिसके बाद पुलिस इस मामले की जांच करना शुरू की. साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने फूल सिंह और राजेश साहू उर्फ चुठु को गिरफ्तार किया. गिरफ्तार अपराधियों के पास से पुलिस ने 2 मोबाइल फोन बरामद किए हैं.

एसपी ने बताया कि गिरफ्तार अपराधी राजेश साहू उर्फ चुठु का आपराधिक इतिहास रहा है और वह पहले भी कई मामलों में जेल जा चुका है. फूल सिंह का भी आपराधिक इतिहास रहा है और वह पहले भी कई मामलों में शामिल रहा है. एसपी ने बताया कि गिरफ्तार अपराधी लेवी मांगने के लिए धमकी देते थे और नहीं देने पर जान से मारने और संपति को नुकसान पहुंचाने की धमकी देते थे. पुलिस रविवार को दोनों अपराधियों को जेल भेज दिया.

सिमडेगा में वाहन जांच के दौरान चोरी की बुलेट के साथ बाइक चोर गिरफ्तार

सिमडेगा। पाकरटांड़ पुलिस ने वाहन जांच के दौरान एक व्यक्ति को चोरी की बुलेट मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया है. एसपी एम अर्शी ने जानकारी देते हुए बताया कि पाकरटांड़ पुलिस भेलवाडीह स्कूल के पास वाहन चेकिंग कर रहे थी. तभी एक व्यक्ति को रोका गया, जिसने अपना नाम प्रहलाद सिंह बताया. उसके पास से एक बुलेट मोटरसाइकिल बरामद किया गया, जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर जेएच01ईक्यू-7008 था. जब उससे मोटरसाइकिल के कागजात की मांग की गई, तो वह नहीं दिखा पाया। पूछताछ में प्रहलाद सिंह ने बताया कि यह मोटरसाइकिल चोरी का है और उसने इसे तुपुदाना निवासी दिना सिंह नामक व्यक्ति से लिया है. प्रहलाद सिंह के निशानदेही पर एक और चोरी की बुलेट मोटरसाइकिल बरामद की गयी. पुलिस ने बताया कि यह मोटरसाइकिल रांची लोअर बाजार से चोरी किया गया था, जिसके संबंध में लोअर बाजार थाना में मामला दर्ज किया गया था.

लातेहार: अपराधियों ने हाइवा में लगाई आग

शुभम संदेश। लातेहार

जिले के बरियातू थाना क्षेत्र अंतर्गत फुलबसिया रेलवे कोयला साइडिंग के पास खड़ी हाइवा में अपराधियों ने आग लगा दी. इस दौरान अपराधियों ने गोलीबारी भी की और पर्चा फेक कर घटना की जिम्मेदारी भी ली है. घटना शनिवार की देर रात की है. घटना स्थल पर पर्चा राहुल दुबे के नाम पर छोड़ा गया है. पर्चा में कोयला के कारोबार से जुड़े लोगों को रंगदारी देने के लिए धमकी दी गई है. मिली जानकारी के अनुसार शनिवार की रात कुछ अपराधी रेलवे साइडिंग के पास पहुंचे और वहां पास में खड़े एक गाड़ी में आग लगा दी. अपराधियों ने इस दौरान फायरिंग भी की और पर्चा छोड़ कर वहां से फरार हो गए. इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद बरियातू थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम तत्काल घटना स्थल पर पहुंची. पुलिस पूरे मामले की छानबीन करते हुए अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की. परंतु तब तक अपराधी वहां से फरार हो गए थे। थाना प्रभारी ने कहा कि पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है. उल्लेखनीय है कि लातेहार जिले में कोयला कारोबारी से रंगदारी वसूलने के लिए अपराधियों की ओर से इस प्रकार की घटना को अंजाम देकर दहशत फैलाने का प्रयास किया जाता है. संभावना जताई जा रही है कि रंगदारी के लिए ही अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया है. अपराधियों की ओर से छोड़े गए पर्चा में भी साफ लिखा हुआ है कि बिना गैंग को मैनेज किया काम करने पर अंजाम बुरा होगा.

गृह रक्षक भर्ती परीक्षा की तिथि घोषित 20 जुलाई से होगी शुरुआत

शुभम संदेश। चाईबासा

जिले में गृह रक्षक नव नामांकन की प्रक्रिया ने रफ्तार पकड़ ली है. रविवार को जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त सह अध्यक्ष, गृह रक्षक नामांकन समिति चंदन कुमार के निर्देश पर शारीरिक जांच एवं लिखित परीक्षा का आयोजन 20 जुलाई से 2 अगस्त तक किया जाएगा. परीक्षा का आयोजन जिला स्कूल मैदान, चाईबासा (रेलवे स्टेशन के निकट) में हर दिन सुबह 6 बजे से होगा. इस परीक्षा के लिए प्रखंडवार तिथि निर्धारित की गई है। 20 जुलाई को तांतनगर, 21 जुलाई को खुंटपानी, 22 जुलाई को नोआमुंडी एवं झींकपानी, 23 जुलाई को कुमारडुंगी एवं मंझारी, 24 जुलाई को गोईलकेरा एवं गुदड़ी, 25 व 26 जुलाई को चक्रधरपुर, 27 जुलाई को बंदगांव, 28 जुलाई को आनंदपुर एवं हाटगम्हरिया, 29 जुलाई को जगन्नाथपुर एवं मंझगांव, 30 जुलाई को सोनुआ, 31 जुलाई और एकअगस्त को मनोहरपुर एवं सदर ग्रामीण चाईबासा तथा दो अगस्त को टोंटो एवं शहरी (तकनीकी व गैर-तकनीकी) के अभ्यर्थियों की परीक्षा होगी.

जिला प्रशासन ने सभी महिला एवं पुरुष अभ्यर्थियों से निर्धारित तिथि पर समय से पहुंचकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित रहने की अपील की है. अभ्यर्थी अपना एडमिट कार्ड, पात्रता सूची व अन्य दिशा-निर्देश जिले की आधिकारिक वेबसाइट डब्लू डब्लू डब्लू डॉट चाईबासा डॉट एनआईसी पर देख सकते हैं. प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि चयन प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी और निष्पक्ष होगी.

आस्था आज से चार माह तक नहीं होंगे मांगलिक कार्य

देवोत्थान एकादशी तक सृष्टि का कार्यभार शिव के हाथ में

शुभम संदेश डेस्क

आषाढ़ शुक्ल पक्ष एकादशी पर भगवान विष्णु चार मास के शयन पर चले जाएंगे. इसके साथ ही चातुर्मास की शुरुआत हो जाएगी और चार महीने तक विवाह, संस्कार और गृहप्रवेश जैसे मांगलिक कार्यों पर विराम लग जाएगा. पुराणों के अनुसार, इन चार महीनों में सृष्टि का संचालन भगवान शंकर करते हैं. चातुर्मास की यह अवधि दो नवंबर को कार्तिक शुक्लपक्ष एकादशी यानी देव प्रबोधिनी एकादशी को श्रीहरि के योग निद्रा से जागने पर समाप्त होगी.

काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के पूर्व सदस्य पं. दीपक मालवीय के अनुसार हिंदू धर्म में एकादशी का व्रत महत्वपूर्ण स्थान रखता है. इस बार देवशयनी एकादशी साध्य और शुभ योग में मनाई जाएगी. आषाढ़ शुक्ल पक्ष की एकादशी छह जुलाई को रात्रि 9:16 बजे तक रहेगी. प्रत्येक वर्ष चौबीस एकादशी का पुराणों में वर्णन आता है. इस दिन से भगवान विष्णु विश्राम करते हैं और पूरी सृष्टि का कार्यभार भगवान शिव को सौंप देते हैं. इसी वजह से चातुर्मास के दौरान भगवान शिव की पूजा का विशेष महत्व है.

हरिशयन को कहा गया है योगनिद्रा : चातुर्मास में यज्ञोपवीत संस्कार, विवाह, दीक्षाग्रहण, यज्ञ, गृहप्रवेश, गोदान, प्रतिष्ठा एवं जितने भी शुभ कर्म हैं, वे सभी त्याज्य होते हैं. भविष्य पुराण, पद्म पुराण तथा श्रीमद्भागवत पुराण के अनुसार हरिशयन को योगनिद्रा कहा गया है. सूर्य के मिथुन राशि में आने पर यह एकादशी आती है और इसी दिन से चातुर्मास का आरंभ माना जाता है. इस दिन से भगवान श्रीहरि विष्णु क्षीरसागर में शयन करते हैं और फिर लगभग चार माह बाद तुला राशि में सूर्य के जाने पर उन्हें उठाया जाता है. उस दिन को देवोत्थानी एकादशी कहा जाता है. इस बीच के अंतराल को ही चातुर्मास कहा गया है.

उपवास करने से पापों से मिलती है मुक्ति : देवशयनी एकादशी को सौभाग्य की एकादशी के नाम से भी जाना जाता है. पद्म पुराण के अनुसार इस दिन उपवास करने से जानबूझकर या अनजाने में किए गए पापों से मुक्ति मिलती है. ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार देवशयनी एकादशी का व्रत करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं. शास्त्रों के अनुसार चातुर्मास में संस्कारों का आदेश नहीं है. इस अवधि में पूजा, अनुष्ठान, घर या कार्यालय की मरम्मत, गृह प्रवेश, ऑटोमोबाइल खरीद और आभूषण की खरीद की जा सकती है.

ऐसे करें पूजन व व्रत

- सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और पीले कपड़े पहनें.
- भगवान विष्णु को पीले वस्त्र, पीले फूल, फल, मिठाई, धूप, दीप और तुलसी दल आदि अर्पित करें.
- ऊं नमो भगवते वासुदेवाय... मंत्र का 108 बार जाप करें.
- देवशयनी एकादशी व्रत कथा का पाठ करें या सुनें.
- व्रत का संकल्प लें और श्रद्धा अनुसार व्रत का पारण करें.
- ब्राह्मणों और जरूरतमंदों को दान-दक्षिणा दें.
- तामसिक चीजों से परहेज करें.
- इस दिन भूलकर भी चावल का सेवन न करें.

बरतें सावधानी

चातुर्मास की अवधि में अपने परिवार के अतिरिक्त कुछ भी ग्रहण करने से बचना चाहिए। इस अवधि में गुड़, तेल, शहद, मूली, परवल, बैंगन व साग-पात नहीं ग्रहण करने चाहिए.

झारखंड के कई जिलों में भारी बारिश के आसार, गिर सकती है बिजली

ऑरेंज अलर्ट जारी, लोगों से घर में रहने की अपील

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में एक बार फिर तेज बारिश का दौर शुरू होने वाला है. मौसम विभाग ने राज्य के कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है. दक्षिण-पश्चिमी जिलों खूंटी, गुमला, सिमडेगा और पश्चिम सिंहभूम में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जबकि रांची, रामगढ़, हजारीबाग, पलामू और लोहरदगा जैसे उत्तर-पश्चिमी और आसपास के जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है. मौसम विज्ञान केंद्र, रांची के निदेशक अभिषेक आनंद ने बताया कि अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवातीय सिस्टम के कारण 5 जुलाई की रात से 7 जुलाई की सुबह तक राज्य के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है. 7 जुलाई को भी दक्षिण-पश्चिमी जिलों में जोरदार बारिश होने की संभावना है. अधिकारियों ने लोगों को चेतावनी दी है कि बारिश के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है और बिजली गिरने का भी खतरा बना रहेगा. ऐसे में लोग सुरक्षित स्थानों पर रहें और पेड़ों या रेलवे पुलों के नीचे खड़े न हों. निचले इलाकों में रहने वाले लोग सतर्क रहें. किसानों को बागानों में जल निकासी की व्यवस्था करने की सलाह दी गई है. इधर, रांची और आसपास के इलाकों में रविवार को सुबह से बारिश होती रही. रविवार को रांची में अधिकतम तापमान 27.7, जमशेदपुर में 31.5, बोकारो में 31.1 ओर चाईबासा में तापमान 29.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया.

कहां कितनी बारिश

बंदगांव में	60 .8 मिमी
पालकोट में	56 .8 मिमी
फतेहपुर में	55 मिमी
खरसेमा में	52 .6 मिमी
बहरागोड़ा में	44 .6 मिमी
धालभूमगढ़ में	42 .4 मिमी
गुड़ाबांधा में	39 .4 मिमी
चाईबासा में	38 मिमी
रनिया में	34 .6 मिमी
चैनपुर में	33 मिमी
तोरपा में	30 मिमी

रांची की मस्जिद जाफरिया से निकाला गया आशूरा का जुलूस

कर्बला सच्चाई का प्रतीक है: मौलाना तहजीबुल हसन

शुभम संदेश। रांची

10वीं मुहर्रम के मौके पर पूरी दुनिया में इमाम हुसैन की कुर्बानी को याद किया जाता है. इमाम हुसैन अपने 72 साथियों के साथ कर्बला के मैदान में तीन दिन के भूखे प्यासे शहीद कर दिए गए थे. उसी शहादत की याद में पूरी दुनिया के मुसलमान और मानवतावादी इमाम हुसैन को याद करते हैं.

उक्त बातें झारखंड वक्फ बोर्ड के सदस्य और रांची मस्जिद जाफरिया के इमाम हजरत मौलाना हाजी सैयद तहजीबुल हसन रिजवी ने कहीं. वे रविवार को मस्जिद जाफरिया में 10वीं मुहर्रम की मजलिस को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि अगर आज कर्बला नहीं होता, तो लोगों में सच्चाई के रास्ते पर शहादत का जज्बा नहीं पाया जाता. कर्बला लोगों में सच्चाई और ईमानदारी पैदा करने का नाम है. कर्बला में इंसानियत को जगाया और यह संदेश दिया गया कि सच्चाई के लिए शहादत लेना कायरता नहीं बल्कि बहादुरी है. कर्बला के मैदान के एक तरफ मुआविया के बेटे यजीद था, तो दूसरी तरफ अली के बेटे इमाम हुसैन थे.

उन्होंने कहा कि अली के बेटे हुसैन ने सच्चाई और इंसानियत की रक्षा के लिए तीन दिनों तक भूखे-प्यासे रहकर अपनी जान कुर्बान कर दी और मुआविया के बेटे यजीद को यह बता दिया कि सच्चाई और इंसाफ पर जान देने वालों की कभी हार नहीं होती. आज यह जुलूस हुसैन की जीत का प्रतीक है. अंजुमन जाफरिया की ओर से मस्जिद जाफरिया से निकाला गया यह जुलूस विक्रांत चौक, चूना मंदिर, चर्च रोड, टैक्सी स्टैंड, डेली मार्केट थाना, उर्दू लाइब्रेरी, अंजुमन प्लाजा, डॉ फतहउल्लाह रोड होते हुए कर्बला पहुंचा. जुलूस में सभी धर्मों और संप्रदायों के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया.

इस मौके पर नोहा खानी कासिम अली, अबुजर अली, गुलाम हुसैन, गुलाम, अमीर गोपाल पुरी, असगर इमाम रिजवी ने पढ़ी. इस मौके पर सागर कुमार, जय सिंह यादव, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, सेंट्रल मुहर्रम कमेटी के महासचिव अकील-उर-रहमान उनकी पूरी टीम, मो इस्लाम, इमाम बख्श अखाड़ा खलीफा मो महजूद, धौताल अखाड़ा खलीफा पप्पू गद्दी, लीलू अली अखाड़ा खलीफा सज्जाद, भाजपा नेता तारिक, सुहेल सईद, सैयद निहाल अहमद सहित अन्य शामिल थे.

बारिश के बीच रांची के मेन रोड में निकला मुहर्रम का मातमी जुलूस, पुलिस भी दिखी मुस्तैद

शुभम संदेश। रांची

रांची में रविवार को मुहर्रम के मौके पर ऐतिहासिक मातमी जुलूस निकाला गया. मेन रोड पर जब जुलूस बढ़ रहा था, उसी दौरान झमाझम बारिश भी शुरू हो गई. लेकिन बारिश ने ना तो श्रद्धालुओं के जोश में कोई कमी की और ना ही मातम की परंपरा को रोका. लोग भीगते हुए इमाम हुसैन की शहादत को याद करते नजर आए. जगह-जगह से पहुंचे ताजिए, निशान और अखाड़ों का स्थानीय लोगों ने स्वागत किया.

जुलूस में 'या हुसैन' की सदाएं गूंजती रहीं. मेन रोड समेत शहर के कई इलाकों से मुस्लिम समाज के लोग बाजे-गाजे के साथ सीनाजनी करते और जंजीरी मातम में शरीक होते दिखे. कई जगहों पर पुलिस-प्रशासन मुस्तैद रहा. भीड़ को नियंत्रित करने के लिए ट्रैफिक की दिशा बदली गई थी और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे.

कर्बला की याद में बहा खून, गूंजे या हुसैन के नारे : पैगंबर मोहम्मद के नवासे इमाम हुसैन की याद में मनाया जाने वाला मुहर्रम मुस्लिम समुदाय के लिए गम और सब्र का महीना होता है. इस्लामी इतिहास के अनुसार दस मुहर्रम को कर्बला की ज़मीन पर यजीद की फौज से लड़ते हुए इमाम हुसैन शहीद हुए थे. इसीलिए इस दिन को शहादत के दिन के तौर पर याद किया जाता है.

अंजुमन इस्लामिया से जुड़े शाहीन अहमद ने बताया कि माविया की मौत के बाद यजीद सत्ता पर बैठा और उसने इमाम हुसैन से अपनी बैत लेने की मांग की. लेकिन इमाम हुसैन ने यजीद को खलीफा-ए-रसूल मानने से इंकार कर दिया. इसके बाद उन पर जुल्म की एक लंबी दास्तान शुरू हुई.

मुहर्रम जुलूस में दिखी ऑपरेशन सिंदूर की झलक, डोरंडा से निकाला गया अनोखा ताजिया

शुभम संदेश। रांची

मोहर्रम के अवसर पर राजधानी रांची के डोरंडा बाजार से निकाले गए जुलूस में इस बार कुछ अलग ही नजारा देखने को मिला. ताजिया और मातम की परंपरा के साथ इस बार जुलूस में 'ऑपरेशन सिन्दूर' की झलक दिखाई दी. सामाजिक सौहार्द और एकता का संदेश देते हुए जुलूस में हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई समुदायों के प्रतीक चिन्हों के साथ मात्र 1 और 2 रुपये के सिक्कों से बनी झांकी को शामिल किया गया, जिसने लोगों का ध्यान खींचा.

युवाओं का जोश देखने लायक : इस झांकी के जरिए भाईचारे और इंसानियत का संदेश दिया गया. या अली और देश भागती जैसे गीतों की गूंज के बीच ताशा और ढोल की थाप पर युवाओं का जोश भी देखने लायक था. जुलूस में शामिल लोगों ने बारिश की परवाह किए बिना मातम किया और इमाम हुसैन की कुर्बानी को याद करते हुए सीनाजनी की.

जिला प्रशासन और पुलिस पूरी तरह मुस्तैद : सुरक्षा के मद्देनज़र जिला प्रशासन और पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रही. सिटी एसपी के नेतृत्व में फ्लैग मार्च किया गया था. खासतौर पर डोरंडा से लेकर मेन रोड तक हर प्रमुख चौक-चौराहे पर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी. जुलूस के रूट पर सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद रही ताकि किसी प्रकार की अफरा-तफरी न हो.

ड्रोन कैमरों की मदद से की जा रही जुलूस की निगरानी : ड्रोन कैमरों की मदद से भी जुलूस की निगरानी की गई, जबकि सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर भी विशेष नजर रखी जा रही है.

हजरत ज़ैनब ने संभाली जंग के बाद की कमान

इमाम हुसैन जब मदीना से निकले, तब उनके साथ महिलाएं और बच्चे भी थे. सफर के दौरान उन्हें मुसलिम बिन अक़ील और उनके बेटों की शहादत की खबर मिली. फिर कर्बला के मैदान में उन्हें यजीद की फौज ने रोक लिया. सातवीं मुहर्रम से उन्हें और उनके परिवार को पानी भी नहीं दिया गया. दसवीं मुहर्रम को युद्ध हुआ जिसमें इमाम हुसैन शहीद हो गए. हुसैन की शहादत के बाद भी कर्बला का संघर्ष खत्म नहीं हुआ. हजरत ज़ैनब और अन्य महिलाओं ने इस जुल्म के खिलाफ आवाज़ उठाई और कर्बला की दास्तान को आने वाली नस्लों तक पहुंचाया. वाकिया-ए-कर्बला आज भी इस बात की मिसाल है कि सच्चाई और इंसाफ के रास्ते पर चलना कितना कठिन लेकिन ज़रूरी होता है.

पासवा ने 1 लाख वृक्ष लगा कर शुरू किया अभियान

ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह एवं पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे की पहल

शुभम संदेश। रांची

पर्यावरण दिवस के मौके पर ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह एवं पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे के दिशा निर्देश पर राजधानी रांची सहित झारखंड के विभिन्न विभिन्न जिलों में शिक्षाविदों एवं स्कूली बच्चों द्वारा एक लाख से अधिक वृक्ष लगाकर पासवा का वृक्षारोपण अभियान प्रारंभ किया गया. इस अवसर पर झारखंड की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने पर्यावरण अभियान एवं पर्यावरण जागरूकता हेतु पासवा का पोस्टर लांच करते हुए कहा कि संपूर्ण झारखंड में पर्यावरण की रक्षा के लिए शुरू किया गया पासवा का अभियान निश्चित रूप से सराहनीय है. उन्होंने बताया कि पासवा द्वारा झारखंड में स्कूली विद्यार्थियों के माध्यम से 50 लाख से अधिक वृक्ष लगाने का लक्ष्य रखा गया है जिसके लिए वे झारखंड के प्रत्येक जिले के वन विभाग एवं वन पदाधिकारी से बात कर पासवा जिला अध्यक्ष एवं प्रत्येक विद्यालय को पौधा उपलब्ध करवाएंगे. उन्होंने कहा कि स्कूली बच्चों और उनके अभिभावक को इस अभियान में जोड़ने से झारखंड में लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी. पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के खिलाफ पासवा ने जंग प्रारंभ कर दिया है झारखंड में 47 हजार से अधिक निजी विद्यालय हैं और पासवा का यह संकल्प है कि इस अभियान में इतनी बड़ी संख्या में निजी विद्यालयों के बच्चे 50 लाख से अधिक वृक्ष लगा कर पर्यावरण को संरक्षण एवं संवर्धन प्रदान करेंगे. पासवा के प्रदेश महासचिव नीरज सहाय ने कहा कि इस अभियान के तहत झारखंड के छोटे निजी विद्यालयों को प्रति विद्यालय 500 से 1000 वृक्ष, मध्यम श्रेणी के विद्यालय को प्रति विद्यालय 2000 से 3000 वृक्ष तथा बड़े संस्थानों को 5000 से अधिक वृक्ष लगाने का लक्ष्य दिया गया है. इन विद्यालयों के बच्चे विद्यालय से प्राप्त इन वृक्षों को अपने अपने घरों में अभिभावक के माध्यम से एक-एक पौधे लगाकर पासवा के उद्देश्य को पूरा करेंगे. मौके पर मंत्री दीपिका पांडे सिंह पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे, प्रदेश महासचिव नीरज कुमार मौजूद थे.

कैंसर से जूझ रहे 6 वर्षीय मयंक को मिला जीवनदान

रांची डीसी की पहल से बना आयुष्मान कार्ड

शुभम संदेश। रांची

रांची जिले के तमाड़ प्रखंड के हरामलोहार गांव निवासी छह वर्षीय मयंक, जो इस समय मुंबई के टाटा मेमोरियल अस्पताल में कैंसर से जूझ रहा है, अब आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज पा सकेगा. यह संभव हो सका है रांची उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री की त्वरित पहल और मानवीय हस्तक्षेप से. मयंक के पिता गम्हरिया में कैब चलाकर किसी तरह घर चला रहे हैं. बेटे के इलाज का खर्च उनके लिए संभालना मुश्किल हो गया था. साथ ही मयंक का नाम परिवार के राशन कार्ड में दर्ज न होने के कारण आयुष्मान भारत योजना का लाभ भी नहीं मिल पा रहा था.

इस मामले की जानकारी एक ट्वीट के माध्यम से डीसी रांची को दी गई. ट्वीट में मयंक की बीमारी और उसके पिता की आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए राशन कार्ड और आयुष्मान योजना से सहायता की अपील की गई थी. डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने तत्काल कार्रवाई करते हुए जिला आपूर्ति पदाधिकारी को निर्देश दिया कि बच्चे का नाम राशन कार्ड में तुरंत जोड़ा जाए. मयंक का नाम राशन कार्ड में तरंत शामिल किया गया और फिर उसका आयुष्मान कार्ड भी बनवाया गया. अब इलाज आयुष्मान योजना के तहत हो सकेगा. दिखाता है कि यदि प्रशासन संवेदनशील हो तो जरूरतमंदों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंच सकता है.

एक नजर

स्वदेशी जागरण मंच का प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल से मिला

रांची। स्वदेशी जागरण मंच के प्रतिनिधि मण्डल अखिल भारतीय सह पर्यावरण प्रमुख बन्दे शंकर सिंह जी, स्वावलम्बी झारखण्ड माइक्रोवेलफेयर डेवलपमेंट सेंटर के निदेशक अशोक गोयल जी, मंच के प्रान्त प्रचार प्रमुख अमित मिश्रा जी और प्रान्त के युवा प्रमुख पंकज सिंह झारखण्ड के राज्यपाल संतोष गंगवार से भेंट की और उन्हें जमशेदपुर मे होने वाली एस जेएमडीसी के 12वीं वार्षिक सम्मलेन मे बतौर मुख्य अतिथि के रूप मे आने को आमंत्रित किया. राज्यपाल ने प्रतिनिधिमण्डल को बताया की उन्हें पहले से ही स्वदेशी जागरण मंच के द्वारा किये जा रहे सामाजिक कार्यों एवं जान जागरण आंदोलनो के बारे मे जानकारी है. वे मंच के द्वारा महिला सशक्तिकरण हेतु बहुत ही कम ब्याज दरों मे महिलाओं को ऋण उपलब्ध कराने की सराहना की. उन्होंने कहा की मंच के इस प्रयास से ना केवल महिलाएं आत्मनिर्भर बनेंगी बल्कि समाज से सूद के व्यापार का खात्मा भी होगा. राजयपाल ने कार्यक्रम मे आने का विश्वास दिलाया साथ ही प्रतिनिधि मण्डल के द्वारा दिए गए स्वदेशी एवं विदेशी वस्तुओं की सूची मिलने पर प्रसन्नता जाहिर की.

अग्रवाल सभा ने गाय को खिलाया हरी सब्जी, रोटी और गुड़

रांची। अग्रवाल युवा सभा की ओर से हुटुप गौशाला में रविवार को एक विशेष गौ सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया. सेवा भाव से प्रेरित इस पहल में सभा के सदस्यों ने बिना दूध देने वाली निर्बल एवं असहाय गायों को 800 किलोग्राम हरी सब्जी, घास, रोटी और गुड़ खिलाकर सेवा का संदेश दिया. कार्यक्रम में सदस्यों ने न केवल गौमाताओं की सेवा की, बल्कि समाज में गौ संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का भी संदेश दिया. सभा के प्रवक्ता अरुण पोद्दार और मीडिया प्रभारी सुमित महलका ने बताया कि गौ माता के दूध से ही हम बचपन से बड़े हुए है. ऐसे में उनकी सेवा करना हमारा नैतिक कर्तव्य है. इस सफल आयोजन में विजय कुमार जैन एवं उनके परिवार का महत्वपूर्ण योगदान रहा.

आमिर रिजवी के याद में सबील का आयोजन किया गया

रांची। धार्मिक मान्यता के अनुसार कर्बला की लड़ाई में शहादत पाने वाले इमामे हुसैन और उनके साथ जंग लड़ने वालों को पानी तक नसीब नहीं हुआ था. बड़े तो बड़े छोटे-छोटे बच्चों को भी अधर्मी यजीदियों ने पानी से मोहताज बनाकर प्यासे रखा. जंग में बच्चे-बच्चे तक शहीद हो गए थे. कर्बला चौक स्थित आरआर प्लाजा के बाहर इस साल भी सैयद जसीम रिज़वी, सैयद नदीम रिजवी ने अपने पिता स्व. सैयद अमीर हुसैन रिज़वी की याद में शिविर लगाया. शिविर में पानी, शरबत, कोलड्रिंक, खजूर बांटे. शिविर में मुफ्त हेल्थ चेकअप कैंप का भी आयोजन किया गया. लोग मन्नत मागते हैं और मोहर्रम की जुलूस में शामिल लोगों को शरबत पिलाते है.

राधा-कृष्ण सेवा धाम मंदिर में 215वां अन्नपूर्णा भंडारे का आयोजन

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित पुंदाग मे श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम मे देवशयनी एकादशी बहुत श्रद्धा पूर्वक मनाई गई. इस अवसर पर 215वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा महाप्रसाद का आयोजन किया गया. महाप्रसाद में 101 किलो ग्राम की केसरिया मेवा युक्त खीर का भोग भगवान श्री राज श्याम जी को विधिवत भोग पुजारी अरविंद पांडे द्वारा लगाया गया। तथा पूरे विधि विधान से पूजा-अर्चना एवं आरती की गई. मंदिर परिसर में उपस्थित 2000 से भी अधिक श्रद्धालुओं के बीच अन्नापूर्णा महाप्रसाद भोग का वितरण किया गया. इस अवसर पर-ट्रस्ट के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष निर्मल जालान, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, पूरणमल सर्राफ , चिरंजी लाल खंडेलवाल,सज्जन पाड़िया, संजय सर्राफ, सुरेश भगत, सुरेश अग्रवाल, अरविंद अग्रवाल, विष्णु सोनी, मनीष सोनी, प्रेम प्रकाश,विधा देवी अग्रवाल, अरविंद पांडे, चन्द्रदीप साहु,हरीश कुमार, परमेश्वर साहु,धीरज कुमार गुप्ता, अशोक ठाकुर सुधीर कुमार सत्यम कुमार सहित महिलाएं, पुरुष उपस्थित थे.

गुरुजी के स्वास्थ्य लाभ के लिए दुआ करें : आदिल

रांची। झारखंड राज्य कर्मचारी महासंघ ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के स्वास्थ्य लाभ के लिए समस्त राज्यकर्मियों और पदाधिकारी से दुआ और प्रार्थना करने की अपील की है. झारखंड राज्य कर्मचारी महासंघ के राज्य अध्यक्ष आदिल ज़हीर एवं महासचिव साहेब राम भोक्ता ने कहा के उनके स्वास्थ्य के लिए समूचे झारखंड में चिंता है. हम सब दुआ करते हैं कि आदरणीय दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी का स्वास्थ्य बेहतर और दीर्घायु होने के साथ ही साथ जल्द से जल्द स्वस्थ एवं सेहतमंद होकर हम सबके बीच अपना आशीर्वाद देने के लिए आए और उनका आशीर्वाद सभी झारखंड वासियों को मिलता रहे.

संगीत मल्हार में संस्कार भारती के ध्येय गीत से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया

जेपी सिंह ने राग मेघ मल्हार में खयाल प्रस्तुत किया

शुभम संदेश। रांची

झरती बूंदों की रूमानी फुहारें और सुरों की बहती धारा के इस अनुपम संगम को सजीव करने के लिए बीती शाम संस्कार भारती और नाद ब्रह्म कला संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में चिरंजीवी किड्स प्ले स्कूल होंबई, रांची में शास्त्रीय संगीत पर आधारित कार्यक्रम मल्हार आयोजित किया गया. संस्कार भारती के ध्येय गीत से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ. मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त सहायक आयुक्त नवोदय विद्यालय समिति एपी वर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया.

कार्यक्रम में जेपी सिंह ने राग मेघ मल्हार में खयाल और राग पीलू में कजरी प्रस्तुत किया. अमरेंद्र कुमार यादव ने राग अभोगी में ख्याल और ठुमरी जिया मोरा माने ना प्रस्तुत किया. केंद्रीय विद्यालय की संगीत शिक्षिका वीणा कुमार ने कजरी प्रस्तुत की. अवनींद्र सिंह ने राग मेघ मल्हार में एक ताल में निबद्ध ख्याल और कजरी बदरा बरसन लगे ना प्रस्तुत किया. कल्याण चक्रवर्ती ने मल्हार, सपन पाल और जेपी मंडल ने भजन गाकर लोगों को आनंदित किया. सभी कलाकारों के साथ तबले पर सपन पाल एवं नाल पर जेपी मंडल ने संगति दी. बाल कलाकार आरुष कुमार ने राग देश, अध्या ने बागेश्वरी और अन्नी ने राग भोपाली गाकर सभी मंत्रमुग्ध कर दिया. कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्कार भारती के प्रांतीय अध्यक्ष सुशील अंकन ने किया. अंकन ने इस बेहतरीन कार्यक्रम के आयोजन के लिए आयोजक को धन्यवाद दिया. इस अवसर पर रांची महानगर के अध्यक्ष रामानुज पाठक, उपाध्यक्ष आशुतोष प्रसाद, कार्यकारिणी सदस्य कुमकुम गौड के साथ साथ रेणु कुमारी सिन्हा और कई गणमान्य व्यक्ति और कलाकार अतिथि उपस्थित थे.

सेंट माइकल्स पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मना मैंगो डे

शुभम संदेश। रांची

अरगोड़ा-कटहल मोड़ रोड स्थित सेंट माइकल्स पब्लिक स्कूल, न्यू अशोक नगर, रांची में रंगारंग कार्यक्रमों के साथ मैंगो डे का भव्य आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम के उपरांत विद्यालय प्रांगण में आम की खुशबू, रंग और आम के रचनात्मकता से सराबोर हो गया. ऐसे में छोटे-छोटे बच्चों ने आम की आकृति वाले पोशाकों में भाग लेकर कार्यक्रम को जीवंत बना दिया. हरे-पीले रंग के आकर्षक मैंगो कॉस्ट्यूम्स में बच्चों ने अपनी मासूम अदाओं से सभी का मन मोह लिया. इस अवसर पर मैंगो थीम पर आधारित नृत्य, राइम्स, कॉस्ट्यूम शो, बेस्ट मैंगो कॉस्ट्यूम आदि प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने मंच पर आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुति दी और आम के महत्व को सुंदर ढंग से समझाने का काम किया. मैंगो कॉस्ट्यूम प्रतियोगिता में (वर्ग प्री-नर्सरी) से श्रेयांश उरांव, भाविक उरांव, ऋषु राज सोनी.

मैंगो कॉस्ट्यूम प्रतियोगिता (वर्ग नर्सरी) से आहान रियाज़, जैरा इरफान, रियांश आर्यन तथा मैंगो कॉस्ट्यूम + राइम्स प्रतियोगिता (वर्ग एल.के.जी) से ए. वी. कमल अद्विक, शहनवाज़, अर्णव एवं मैंगो कॉस्ट्यूम + राइम्स प्रतियोगिता (वर्ग यू.के.जी) से उमा कुमारी, रेन्या रोज़, सोनाली कुमारी पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया.

इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या श्रवणी पांडे ने कहा कि- आम न सिर्फ स्वादिष्ट होता है, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है. बच्चों को आम जैसे प्राकृतिक फलों को अपनाना चाहिए. विद्यालय के निदेशक डॉ. दीपक कुमार सिन्हा ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि आम एक संपूर्ण फल है, जिसमें आवश्यक विटामिन्स व मिनरल्स पाए जाते हैं. यह बच्चों के संपूर्ण विकास में सहायक है. कार्यक्रम का सफल संचालन प्री-प्राइमरी विभाग की शिक्षिका- निधि कुमारी, प्रकृति कुमारी, ज्योति, आस्था, सुरभि आदि के सहयोग से संपन्न हुआ.

ब्रीफ न्यूज

आज रांची में धरना देंगे बर्खास्त 251 अनुसेवक

मेदिनीनगर। जिले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सेवा से बर्खास्त किए गए 251अनुसेवक 8 जुलाई को रांची स्थित जाकिर हुसैन पार्क के समीप धरना देंगे. बर्खास्त अनुसेवक संघ के सदस्यों ने बताया कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत जाकिर हुसैन पार्क के समीप सभी बर्खास्त 251 अनुसेवक समायोजन व दैनिक वेतनभोगियों को अधिमानता देने की मांग को लेकर धरना में शामिल होंगे. धरना दिन के 11 बजे दिन से शाम 4 बजे तक आयोजित है. इसके बाद एक प्रतिनिधि मंडल मुख्यमंत्री से मिलकर उन्हें एक मांग पत्र सौंपेगा. संघ के विवेका कुमार शुक्ला, राकेश कुमार ठाकुर, सुधाकर दुबे, रामाकांत सिंह, कृष्णा पासवान, प्रकाश सिंह, राकेश कुमार, अजय कुमार सिंह, धर्मेंद्र कुमार सिंह, सुरेन्द्र सिंह (सचिव) ने सभी सदस्यों से 7 जुलाई की रात्रि 8 बजे ट्रेन से रांची चलने की अपील की है.

नकल उपलब्ध नहीं कराने का आरोप

लातेहार। जिला मुख्यालय के प्रदीप प्रसाद, थाना चौक, लातेहार ने उपायुक्त, लातेहार को एक ज्ञापन सौंपा है. उन्होने अपने ज्ञापन में बताया है कि निबंधन विभाग के द्वारा उन्हें केवाला का नकल नहीं दिया जा रहा है. उन्होने उपायुक्त को सौंपे गये आवेदन में आगे कहा है कि उन्हें अति आवश्यक कार्य हेतु चार केवाला का नकल चाहिए, लेकिन निबंधन विभाग के द्वारा उन्हें केवाला का नकल देने में आनाकानी की जा रही है. उन्होने कहा कि केवाला के नकल के अभाव में वे आगे की कानूनी कार्रवाई नहीं कर पा रहे हैं. प्रदीप प्रसाद ने उन्हें केवाला का नकल उपलब्ध कराने का आग्रह उपायुक्त से किया है.

भाजपा ने मनाया श्यामा प्रसाद की जयंती

गढ़वा। भाजपा कार्यकर्ताओं ने जनसंघ संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जयंती जिला कार्यालय में मनाया.कार्यक्रम के दौरान जनसंघ संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया गया.कार्यक्रम के दौरान पौधरोपण कार्यक्रम किया गया जिसमें जामुन नीम सहित अन्य कई फलदार वृक्ष लगाए गए.कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा जिलाध्यक्ष ठाकुर प्रसाद महतो ने किया.मौके पर कार्यक्रम प्रभारी प्रेम सिंह ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देशहित में अपना पुरा जीवन राष्ट्र को समर्पित कर दिया था.उन्होंने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा था कि देश में दो निशान दो विधान दो प्रधान नहीं चलेगा. जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है उन्होंने जम्मू कश्मीर को भारत से जोड़े रखने में अहम भूमिका निभाई थी. .कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा गढ़वा जिला प्रभारी बिपिन बिहारी सिंह लातेहार प्रभारी मुकेश निरंजन सिन्हा भाजपा नेता बिनय चौबे विधायक प्रतिनिधि विवेकानंद तिवारी जिला उपाध्यक्ष संजय ठाकुर जिला मिडिया प्रभारी रितेश चौबे टिंकू गुप्ता धनंजय गौड़ ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष मनीष गुप्ता अनशाद बाबु अशोक विश्वकर्मा सहित अन्य कई कार्यकर्ता मौजूद थे.

हुसैनाबाद में इमाम हुसैन की शहादत को श्रद्धा और सादगी से किया गया याद

गमगीन माहौल में निकला मुहर्रम का जुलूस, मनाया मातम

पवन सिंह । हुसैनाबाद

हजरत इमाम हुसैन व उनके 72 साथियों की शहादत का पर्व मोहर्रम जिले भर में मनाया गया. मुसलमानों ने ताजिया के साथ मातमी जलूस निकाला. अलम और ताजिया के जुलूस में बच्चों और युवाओं ने चाकू, छूरी और जंजीर के करतब दिखाए. बाद में गमगीन माहौल में कर्बला में ताजिया दफन किया गया.

इस्लामी कैलेंडर के पहले महीने मुहर्रम की 10वीं तारीख को मनाया जाने वाला आशूरा हुसैनाबाद में अकीदत, एहतराम और गमगीन माहौल में संपन्न हुआ. यह दिन कर्बला की जंग में हज़रत इमाम हुसैन (अ.स) और उनके परिजनों की शहादत की याद में शिया समुदाय द्वारा मनाया जाता है.मुख्य कार्यक्रम वक़्फ़ वासिला बेगम सदर इमाम बारगाह में आयोजित किया गया, जहां नमाज़ अदा करने के बाद जुलूस निकाला गया. इससे पहले सभी घरों से अलम लाकर सदर इमाम बारगाह में जमा किए गए. इसके बाद लोग एकत्रित होकर शहर के प्रमुख गांधी चौक से होते हुए कर्बला की ओर रवाना हुए.यहां का सदर ताजिया काफी पुराना और विशेष महत्व रखता है, जिसे मुतवल्ली सैय्यद तकी हुसैन रिजवी ने कंधे पर उठाया. इसके बाद लोगों ने अपने-अपने अलम, सिपर और ताजिया के साथ नौहों और मातम करते हुए जुलूस में हिस्सा लिया.

कार्यक्रम में विशेष मर्सिया ख्वानी का आयोजन हुआ जिसमें सैय्यद तनवीर हुसैन, सैय्यद मुबारक हुसैन, सैय्यद तनवीर जैदी, मोहम्मद रज़ा, मिर्ज़ा अमीन, सैय्यद रज़ा ईमाम, बाकर हुसैन, नैय्यर रज़ा, और सैय्यद मुसर्रत हुसैन ने अपने मर्सियों से माहौल को ग़मगीन कर दिया.

गांधी चौक पर खूनी मातम : जुलूस जब गांधी चौक पहुंचा तो वहां खूनी मातम का दृश्य देखने को मिला. लोगों ने कमा, जंजीर और ब्लेड से मातम कर अपने आप को लहूलुहान किया. यह दृश्य देखने के लिए भारी संख्या में लोग एकत्रित थे.गांधी चौक पर मौलाना सैयद इब्ने अब्बास साहब ने तक़रीर फरमाई और इमाम हुसैन (अ.स) की शहादत और कर्बला की घटनाओं का विस्तार से बयान किया. इसके बाद जुलूस करबला पहुंच कर संपन्न हुआ.जुलूस में सैय्यद हसनैन जैदी, ग़ज़फ़र हुसैन, सैय्यद इक़बाल हुसैन, गौहर मिर्ज़ा, नेहाल मिर्ज़ा, अमीन मिर्ज़ा आदि शामिल थे.

लातेहार में आपसी सौहार्द के साथ मनाया गया मुहर्रम

हिंदु-मुस्लिम एकता बनी मिसाल

शुभम संदेश । लातेहार

सदर थाना क्षेत्र के सासंग पंचायत के पतरातू ग्राम में मुहर्रम का पर्व बड़े ही श्रद्धा और सोहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया गया. सुबह नौ बजे मुस्लिम समुदाय के लोगों के द्वारा अल्लाह-ओ-अकबर" के नारों के साथ ताजिया निकाला गया. दोपहर लगभग तीन बजे बाद गाजे-बाजे के साथ भव्य जुलूस निकाला गया.

जिसमें युवाओं ने धार्मिक नारों के साथ पूरे उत्साह से भाग लिया. यह जुलूस पतरातू मस्जिद से प्रारंभ होकर सासंग पहुँचा. सासंग और पतरातू के जुलूस का संगम हुआ. इसके उपरांत जुलूस करबला पहुंचा. यहां परंपरागत अखाड़ा प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने अपने-अपने करतब दिखाए. बच्चों में खासा उत्साह देखा गया. मुहर्रम के त्यौहार में विशेष रूप से इस वर्ष आपसी सौहार्द का अनूठा उदाहरण देखने को मिला. वर्षों से विवादों के लिए चर्चित इस क्षेत्र में इस बार हिन्दू समुदाय ने भाईचारे की मिसाल पेश करते हुए पतरातू चौक पर जुलूस में शामिल लोगों के लिए शरबत वितरण की व्यवस्था की. हिन्दू समाज की इस पहल को मुस्लिम समुदाय ने खुले दिल से सराहा और कहा कि यदि हम इसी तरह एक-दूसरे के पर्व में सहयोग करेंगे तो अगली पीढ़ी को भी आपसी भाईचारा और सौहार्द का संदेश मिलेगा. मुस्लिम समुदाय की ओर से भी हिंदू समुदाय के कुछ सदस्यों को मस्जिद के पास आमंत्रित कर पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया. यह पहल पूरे क्षेत्र में आपसी एकता और मेलजोल की मिसाल बन गई है. मुखिया प्रतिनिधि मंगलदेव उरांव ने कहा कि धर्म कोई भी हो उसका उद्देश्य समाज में प्रेम और एकता फैलाना होना चाहिए. जिला प्रशासन की ओर से पर्व के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए थे. थाना प्रभारी सुरेंद्र कुमार महतो खुद मोर्चा संभाल रखा था. मौके पर रवि पांडेय, पवन, संजय साव, चंदन साव, सुहैल खान, सदन खान, अखबार खान, उस्मान खान, सलमान खान, रामानंद नायक व चौकीदार, सूरज कुमार मौजूद थे. सदर थाना क्षेत्र के तरवाडीह और डुरूआ में भी रविवार को ताजिया व जुलूस निकाला गया.

महुआडांड़ में निकला मुहर्रम का जूलूस

महुआडांड़ (लातेहार)। प्रखंड में मोहर्रम का त्योहार शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण से मनाया जा रहा है. रविवार को महुआडांड़ प्रखण्ड मुख्यालय समेत प्रखंड के ग्राम लुरगुमी, शाहपुर,परहाहाटोली ,ओरसा, कापू , हामी, मायापूर समेत अन्य गांव के इमाम बाड़ा से मुहर्रम के पहलाम का जुलूस निकला गया. जो निर्धारित मार्ग पर होते हुए अपने अपने इमाम बाड़ा के पास जुलूस पहुंच कर समाप्त हुआ. जूलूस में या अली,या हुसैन समेत अन्य नारा लगाए जा रहे थे. जूलूस के दौरान जगह जगह पर खिलाड़ियों के द्वारा लाठी डंडा समेत तलवार समेत अन्य करतब दिखाने वाले सामग्रियों से एक से बढ़कर एक करतब दिखाए जा रहे थे. जूलूस में भारी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल थे. महुआडांड़ मुख्यालय में सुबह आठ बजे से मोहर्रम के पहलाम का जूलूस निकाला गया.जो सुबह जरहाटोली से प्रारंभ होकर गुरगुटोली,अम्बांटोली, महुआडांड़,डिपाटोली बिरसा चौक फुलवार बगीचा, रामपूर और पूणः डिपाटोली होते हुए अपने अपने इमाम बाड़ा के पास पहुंच कर जुलूस समाप्त किया गया.जिसमें मुख्य रूप से सदर इमरान खान,खलीफा तनवीर उप मो रिंकू, मजहर खान, सहाबुद्दीन खान,मो इस्तेखार अहमद, मो आजाद, पूर्व सदर मो फहिम खान, मो रानु खान, ,नुरूल हसन, बसारत अली शेरु समेत भारी संख्या में मुस्लिम धर्मावलंबी मौजूद थे. वहीं जूलुस में महुआडांड़ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शिवपूजन बहेलिया मांझी,थाना प्रभारी मनोज कुमार पुलिस प्रशासन के लोगों के द्वारा शान्ति पूर्ण तरीके से मोहर्रम का त्यौहार शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने के लिए जुलूस में शामिल रहें.

उंटारी रोड व पांडु में निकला ताजिया जुलूस

उंटारी रोड (पलामू). जिले भर में रविवार को मोहर्रम का पर्व शांति और सौहार्द के माहौल में मनाया गया.ईमाम हुसैन की शहादत की याद में निकाले गए ताजिया जुलूसों ने माहौल को श्रद्धा और आस्था से भर दिया।उंटारी रोड और पांडु क्षेत्र में धर्मप्रेमियों ने पारंपरिक ताजिया जुलूस निकाला, जो निर्धारित मार्गों से गुजरते हुए करबला पहुंचकर संपन्न हुआ.जुलूस में शामिल लोगों ने लाठी और तलवार से करतब दिखाकर श्रद्धालुओं को आकर्षित किया.विभिन्न अखाड़ा समितियों की ओर से प्रस्तुत किए गए इन करतबों को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उमड़े।पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन सतर्क रहा. अंचलाधिकारी बासुदेव राय, प्रखंड विकास पदाधिकारी श्रवण कुमार भगत, और थाना प्रभारी प्रदीप कुमार दूबे की अगुवाई में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी।इस मौके पर बीस सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, सचिव अनुज कुमार पासवान, जनप्रतिनिधि और कई समाजसेवी भी मौजूद रहे.जुलूस शांतिपूर्ण और अनुशासित वातावरण में सम्पन्न हुआ, जिससे क्षेत्र में भाईचारे का संदेश गया।

एक नजर

सरस्वती विद्या मंदिर परिसर में हुआ पौधरोपण

लातेहार। विद्या भारती द्वारा संचालित सरस्वती विद्या मंदिर, लातेहार के द्वारा सेठ बिहारी लाल महलका सरस्वती विद्या मंदिर, माको लातेहार परिसर में विद्यालय प्रबंध समिति एवं सरस्वती विद्या मंदिर लातेहार के आचार्य - दीदी के माध्यम से पौधरोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ.उक्त कार्यक्रम के तहत आम के विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया.इस कार्यक्रम में जिला संघ चालक अनिल कुमार ठाकुर, विद्यालय प्रबंध कारणी समिति के अध्यक्ष राजीव रंजन पांडे,उपाध्यक्ष प्रीति भारती,सचिव नरेंद्र कुमार पांडे,सहसचिव सुधांशु दुबे, जमीनदाता दिनेश कुमार महलका, समिति सदस्य मनीष कुमार सिंह,प्रमोद कुमार,मनीष कुमार, मातृ भारती अध्यक्ष ऋतुरानी एवं मातृ भारती सदस्यों की महत्वपूर्ण सहभागिता रही. इस अवसर पर अध्यक्ष राजीव रंजन पांडेय ने बताया कि पौधरोपण कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है.वही विद्यालय के प्रधानाचार्य उत्तम कुमार मुखर्जी ने पौधरोपण कार्यक्रम में बताया कि हमें हर संभव प्रयास करना चाहिए कि अधिक से अधिक पेड़ लगाए जाएं और उनकी देखभाल की जाए.

हृदयानंद मिश्रा के जन्मदिन पर पौधरोपण अभियान शुरु

उंटारी रोड (पलामू)। झारखंड प्रदेश हिंदू न्यास बोर्ड के सदस्य एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता हृदयानंद मिश्रा के जन्मदिवस के अवसर पर रविवार को उनके आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की गई.इस मौके पर कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड की ओर से उन्हें एक पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया।मिश्रा जी के आशीर्वाद और मार्गदर्शन में पलामू जिले से राज्यव्यापी पौधारोपण अभियान की शुरुआत की गई.यह अभियान झारखंड में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है. इस अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड के अध्यक्ष विक्रमजीत ने बताया कि अभियान के तहत राज्य के प्रत्येक जिले में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और हरित पर्यावरण मिल सके।पलामू जिला अध्यक्ष अरविंद कुमार ने कहा कि कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड सदैव पर्यावरण और समाजसेवा जैसे मुद्दों के प्रति प्रतिबद्ध रही है.उन्होंने इस अभियान को जन-आंदोलन का रूप देने का आह्वान किया.

बाबू जगजीवन राम की मनी 39वीं पुण्य तिथि

मेदिनीनगर. पूर्व उपप्रधानमंत्री और महान समाज सुधारक बाबू जगजीवन राम की 39वीं पुण्यतिथि के अवसर पर रविवार को बेरोजगार संघर्ष मोर्चा के जिला कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई.कार्यक्रम की अध्यक्षता मोर्चा अध्यक्ष उदय राम ने की, जबकि संचालन संजय कुमार ने किया.कार्यक्रम की शुरुआत बाबू जगजीवन राम की तस्वीर पर माल्यार्पण कर हुई.उदय राम ने उन्हें सामाजिक बदलाव का प्रतीक बताते हुए कहा कि उन्होंने दलितों के हक और सम्मान के लिए पूरी जिंदगी संघर्ष किया.उन्होंने हरित क्रांति, श्रम सुधार और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया।मौके पर राजेश रंजन, गणेश चंद्रा, गोपाल चौधरी, अजित कुमार, रामनरेश महतो सहित कई लोग उपस्थित थे.

मोर्चा की समीक्षा बैठक में लिए गए कई अहम निर्णय

मेदिनीनगर। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की प्रमंडलीय समीक्षा बैठक रविवार को आयोजित हुई.बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष दाऊद केरकेट्टा ने की.बैठक में राजा मेदनीराय तीरंदाज एकेडमी द्वारा आयोजित सम्मान समारोह और विभिन्न खेल गतिविधियों की समीक्षा की गई।कार्यक्रम में तीरंदाजी, कराटे, मार्शल आर्ट्स, स्केटिंग और नृत्य-नाटक की प्रस्तुतियों की सराहना की गई.वक्ताओं ने कहा कि 27 राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय विजेताओं को सम्मानित करने से बच्चों में खेल के प्रति रुचि और मनोबल बढ़ा है.राजा मेदनीराय स्पोर्ट्स अवार्ड से बच्चों को सम्मानित करना महापुरुषों के सम्मान के साथ खेल संस्कृति को भी बढ़ावा देता है.मुरारी पांडेय को केंद्रीय सचिव बनाए जाने पर बैठक में बधाई दी गई.सत मरियम स्कूल और ग्रीन वैली इंटरनेशनल स्कूल के योगदान की भी सराहना की गई.बैठक में यह निर्णय लिया गया कि चलानी किला, शाहपुर में जल्द ही महिलाओं और विद्यार्थियों के लिए आत्मरक्षा (शेल्फ डिफेंस) व तीरंदाजी का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा.बैठक में सतीश कुमार, बिजय चौरसिया, नरेश यादव, पुनिया टोपनो, बसंत हेमरम सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे.

जयंती पर भाजपाइयों ने डॉ मुखर्जी श्रद्धांजलि अर्पित की

हुसैनाबाद (पलामू)। जनसंघ के संस्थापक और भारत माता के सच्चे सपूत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर रविवार को हुसैनाबाद स्थित पूर्व विधायक कमलेश कुमार सिंह के आवासीय कार्यालय में भाजपा के कार्यकर्ताओं और नेताओं ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की.इस मौके पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया. भाजपा नेता पवन अग्रवाल ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मुखर्जी ने भारत की एकता, अखंडता और राष्ट्रवाद के लिए अपना बलिदान दिया. उन्होंने जनसंघ की स्थापना कर देश को वैचारिक नेतृत्व प्रदान किया, जो आज भाजपा के रूप में आगे बढ़ रहा है.कार्यक्रम में पवन अग्रवाल, योगेंद्र सिंह उर्फ गुड्डू सिंह, उदय विश्वकर्मा, चंदन सिंह, रंजित पासवान, विजय राजवंशी, विनय पासवान, हंसराज सिंह, रजनीश मिश्रा, दिनेश सिंह, सागर पासवान सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

रामविलास पासवान की 79वीं जयंती मनाई गई

हुसैनाबाद (पलामू)। हुसैनाबाद के गम्हरिया गांव स्थित वीर शिरोमणि बाबा चौहरमल मंदिर परिसर में स्व. रामविलास पासवान की 79वीं जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई. वीर शिरोमणि बाबा चुहरमल पूजा समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर और केक काटकर श्रद्धांजलि दी गई.वक्ताओं ने रामविलास पासवान के सामाजिक और राजनीतिक योगदान को याद किया.मंच संचालन भाजपा के वरिष्ठ नेता अजय गुप्ता ने किया. उन्होंने कहा कि पासवान जी सर्वसमाज के नेता थे और सभी राजनीतिक दलों में उनका सम्मान था. समाजसेवी दिनेश पासवान ने उन्हें राजनीति का मौसम वैज्ञानिक बताया, जबकि सांसद प्रतिनिधि राजनीत पासवान ने उनके जनसेवा के समर्पण की चर्चा की.भाजपा प्रवक्ता योगेंद्र सिंह उर्फ गुड्डू सिंह ने कहा कि पासवान जी ने दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों के साथ आर्थिक रूप से कमजोर सवर्णों के लिए भी काम किया और 10% आरक्षण दिलवाने में अहम भूमिका निभाई.

एसबीआई में दो महीने से शाखा प्रबंधक नहीं, ग्राहक परेशान

शुभम संदेश । बरवाडीह

बरवाडीह स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शाखा पिछले दो महीने से शाखा प्रबंधक के बिना काम कर रही है. इससे बैंकिंग कार्यों में रुकावट आ रही है और उपभोक्ताओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. जानकारी के अनुसार, शाखा प्रबंधक प्रवीण किशोर के खिलाफ ग्राहकों से अभद्र व्यवहार की शिकायत हुई थी.

जांच में आरोपों की पुष्टि होने के बाद वे मेडिकल लीव पर चले गए. लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्हें हाल के दिनों में निजी कामों के लिए बरवाडीह में देखा गया है, जिससे स्थिति को लेकर संदेह बना हुआ है. शाखा प्रबंधक की गैरमौजूदगी में खाता अपडेट, पेंशन सत्यापन, आधार सीडिंग और ऋण नवीनीकरण जैसे जरूरी कामों में देरी हो रही है. ग्राहकों को बार-बार लौटना पड़ रहा है. हालांकि बैंक के एकाउंटेंट सी. टोप्पो और अन्य कर्मचारी ईमानदारी से काम कर रहे हैं, लेकिन शाखा प्रबंधक स्तर के निर्णय न हो पाने से कई जटिल कार्य अटके हैं. ग्रामीणों और खाताधारकों ने मांग की है कि जल्द से जल्द स्थायी प्रबंधक की नियुक्ति की जाए, ताकि बैंकिंग सेवाएं सामान्य हो सकें. लोगों का कहना है कि बरवाडीह एसबीआई क्षेत्र की प्रमुख शाखा है, जिस पर आसपास के कई गांवों की आर्थिक गतिविधियां निर्भर हैं.

कांवरियों के लिए इस वर्ष भी शिविर लगायेगा आलोक मोहन स्मृति सेवा आश्रम

शुभम संदेश । लातेहार

इस वर्ष भी आलोक मोहन स्मृति सेवा आश्रम, लातेहार के द्वारा सावन के महीने में बाबा नगरी देवघर जाने वाले कावरियों की सेवा के लिए शिविर लगायेगा. संस्था के द्वारा यह शिविर पिछले 2014 से कोरोना काल के एक वर्ष को छोड़ कर प्रति वर्ष लगायी जा रही है.

इस वर्ष आठ जुलाई को आश्रम के स्वयंसेवक पूरी व्यवस्था ले कर देवघर के लिए रवाना होगें. स्थानीय सांसद कालीचरण सिंह व विधायक प्रकाश राम स्वयंसेवकों को रवाना करेगें. इस आशय की जानकारी आलोक मोहन स्मृति सेवा आश्रम के संस्थापक रामनाथ अग्रवाल व संयोजक श्याम किशोर अग्रवाल ने दी. उन्होने बताया कि यह शिविर बाबा दरबार से पांच किलोमीट पहले कावरिंया पथ में सरासनी ग्राम में लगाया जायेगा. उन्होने बताया कि शिविर में कावंरियों के लिए कई प्रकार की सुविधायें रहती है. सुबह पांच से बजे से संस्था के स्वयंसेवक इस कार्य में लग जाते है, जो रात के 11 बजे तक चलता है. सुबह पांच बजे से पानी, चाय व अल्पाहार की व्यवस्था की जाती है. नौ बजे से 11 बजे तक रामायण व महाभारत धारावाहिक का सीधा प्रसारण किया जाता है.

11 बजे से दो बजे तक भगवती जागरण व झांकी प्रस्तुत की जाती है. दोपहर 12 बजे से तीन बजे तक लंगर चलता है. इसके अलावा कावरियों के लिए मेडिकल की भी सुविधा रहती है. संस्था के सदस्य संजय तिवारी ने कहा कि आलोक मोहन स्मृति सेवा आश्रम निःस्वार्थ भाव से कांवरियों की सेवा कर रहा है. यह सेवा शिविर न केवल श्रद्धालुओं के लिए सहूलियत प्रदान करता है, बल्कि समाज में सेवा भावना को भी बढ़ावा देता है. उन्होंने भी आम लोगों से इस कार्य में योगदान देने की अपील की. मौके पर निर्मल कुमार महलका, गजेंद्र शौंडिक, मुरली अग्रवाल, संजय अग्रवाल योगेंद्र कुमार, वासुदेव पांडेय, नंदकिशार सिंह, दयमंती देवी, अमित किशोर, रश्मि अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, भोलू, मुन्नू, हन्नी और हन्नू आदि मौजूद थे.

कीटनाशक खाकर आत्महत्या का प्रयास

गढ़वा। नगर ऊंटारी थानांतर्गत पतहरिया कला गांव निवासी अंजलेश कुमार की पत्नी 22 वर्षीया आरती कुमारी रविवार को कीटनाशक खाकर आत्महत्या का प्रयास किया. उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया. प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सको ने बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया. परिजनों ने बताया कि आरती की घरेलू किसी बात को लेकर घर में नोकझोंक हुई थी. उससे आक्रोशित होकर उसने कीटनाशक खा लिया. घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजनों ने उसे नगर ऊंटारी अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया. जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया था.

संगोष्ठी — डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्म दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

डॉ मुखर्जी ने एक देश दो निशान, दो विधान का विरोध किया था

शुभम संदेश । लातेहार

भाजपा के जिला कार्यालय में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्म दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया. इसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष पंकज सिंह ने किया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कार्य समिति सदस्य सह पूर्व विधान पार्षद प्रवीण सिंह उपस्थित थे.

संगोष्ठी का शुभारंभ डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तस्वीर के समक्ष दीप प्रवजलन एवं पुष्पांजलि कर किया गया. मौके पर वरिष्ठ भाजपाई सह जनसंघी राम लगन सिंह श्री सिंह ने अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया.अपने संबोधन में मुख्य अतिथि श्री सिंह ने कहा कि डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी जनसंघ के संस्थापक थे. उन्होंने एक देश में दो निशान दो विधान और दो प्रधान नहीं चलेंगे का एक ऐतिहासिक नारा दिया. भारत की एकता एवं अखंडता के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी, प्रखर राष्ट्रवादी विचारक, महान शिक्षाविद व पथ प्रदर्शक थे. उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन देश की एकता एवं देशवासियों के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया.डॉ मुखर्जी सच्चे अर्थों में मानवता की उपासक और सिद्धांत वादी थे. उन्होंने बहुत से गैर कांग्रेसी हिंदुओं की मदद से कृषक प्रजापति से मिलकर प्रगतिशील गठबंधन का निर्माण किया. इस सरकार में हुए वित्त मंत्री बने. इसी समय में सावरकर के राष्ट्रवाद के प्रति आकर्षित हुए और हिंदू का महासभा में सम्मिलित हुए डॉ मुखर्जी धर्म के प्रबल समर्थक थे. संगोष्ठी के पश्चात मुख्य अतिथि के द्वारा एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत वृक्षारोपण किया गया. कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री बंसी यादव एवं धन्यवाद ज्ञापन जिला के महामंत्री सह सांसद प्रतिनिधि अमलेश सिंह ने किया. इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष लाल कौशल नाथ शाहदेव, राजधानी प्रसाद यादव, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश मंत्री इंद्रजीत यादव, जिला उपाध्यक्ष रेणु देवी, राकेश कुमार दुबे,उ षा देवी, जिला मंत्री आशा देवी, जिला कोषाध्यक्ष विष्णु देव प्रसाद गुप्ता, अधिवक्ता राजीव रंजन पांडेय, रामदेव सिंह, उज्जवल महल, भानू सिन्हा, प्रिया रंजन प्रसाद, सुरेश सोनी, अनिल सिंह, पवन प्रसाद, सुभाष सिंह, मुंन्द्रिका सिंह, सुकन्या देवी, बाल गोविंद प्रसाद, सुरेश उरांव, पिंटू रजक, मंडल अध्यक्ष विवेक चंद्रवंशी,अखिलेश भोगता, गौरव दास, राजू दास, सोनू सिंह, राजबली भुईया व बालेश्वर सिंह आदि मौजूद थे.

ब्रीफ न्यूज

मालगाड़ी की चपेट में आने से युवक की मौत

कोडरमा। कोडरमा रेलवे हाल्ट (हेठ टोला) के समीप रविवार को एक मालगाड़ी की चपेट में आने से लगभग 30 वर्षीय युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई. मृतक की पहचान शंकर दास, पिता बालेश्वर दास, ग्राम कूड़ाई (बददीहा, कोडरमा थाना क्षेत्र) के रूप में की गई है. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा उस समय हुआ जब युवक रेलवे पटरी पार कर रहा था. घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन समाचार लिखे जाने तक मृतक का शव रेल पटरी पर ही पड़ा हुआ था.स्थानीय लोगों ने रेल प्रशासन और पुलिस से जल्द कार्रवाई की मांग की है. वहीं, घटना के कारण क्षेत्र में शोक का माहौल व्याप्त है.

कटिया गांव में वज्रपात से एक व्यक्ति झुलसा

जयनगर (कोडरमा)। थाना क्षेत्र अंतर्गत कटिया गांव में रविवार को हुई तेज बारिश के दौरान शाम को वज्रपात की घटना में एक व्यक्ति झुलस गया जबकि एक बैल की मौके पर ही मौत हो गई. प्राप्त जानकारी के अनुसार, कटिया निवासी जागेश्वर महतो उम्र 65 वर्ष अपने घर के समीप ही बंधी बैल को घर वापस लाने गया था, तभी अचानक आसमान से बिजली गिर पड़ी. इस हादसे में व्यक्ति झुलस गया जबकि बैल की मौके पर ही मौत हो गई. परिजन व ग्रामीण तत्काल घायल व्यक्ति को सदर अस्पताल कोडरमा लेकर पहुंचे जहां उसका इलाज चल रहा है.

तिलैया डैम में मिला रिटायर्ड टीटीई का शव

कोडरमा। तिलैया थाना क्षेत्र के गझंडी निवासी और रिटायर्ड टीटीई रविन्द्र सिंह (61 वर्ष) का शव रविवार सुबह चंदवारा थाना क्षेत्र के जवाहर घाट स्थित तिलैया डैम से बरामद किया गया. वे शनिवार दोपहर से लापता थे और आखिरी बार उन्हें जवाहर घाट पुल के पास देखा गया था.शुरुआती जांच में मानसिक तनाव और अन्य पारिवारिक कारणों से आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है. परिजनों के अनुसार, वे पिछले कुछ समय से काफी परेशान थे. शनिवार को परिजनों को सूचना मिलने पर खोजबीन की गई, जिसके दौरान उनके चप्पल पुल पर मिले. लगातार बारिश के कारण शनिवार को डैम में तलाशी अभियान में दिक्कत हुई, लेकिन रविवार सुबह स्थानीय मछुआरों और नाविकों की मदद से शव बरामद कर लिया गया.चंदवारा थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए कोडरमा सदर अस्पताल भेज दिया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी है.बताते चलें कि रविन्द्र सिंह पिछले वर्ष ही टीटीई पद से सेवानिवृत्त हुए थे.

कान्हाचट्टी में पेड़ से झूलता मिला शव

चतरा (कान्हाचट्टी)। प्रखंड क्षेत्र के जमरी कर्बला मैदान में उस वक्त सनसनी फैल गई जब एक युवक का शव पेड़ से झूलता मिला. शव को सबसे पहले पशु चराने गए ग्रामीणों ने देखा, जिसके बाद पूरे गांव में हड़कंप मच गया।शव की पहचान कान्हाकला निवासी सीताराम सिंह के छोटे पुत्र गोपाल सिंह के रूप में की गई है. घटना की जानकारी मिलते ही राजपुर थाना प्रभारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी.घटना स्थल पर मृतक के परिजन और बड़ी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए.

सीसीएल प्रबंधन के साथ ग्रामीणों की वार्ता में बनी सहमति

मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये का मिलेगा मुआवजा

शुभम संदेश ।रामगढ़

जिले के करमा परियोजना के करमा खुली खदान में अवैध रूप से कोयला खनन करने के दौरान चाल धंसने से 4 ग्रामीणों की मौत हो गई थी. घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीण मुआवजे की मांग को लेकर करमा परियोजना के पीओ कार्यालय के गेट पर शवों के साथ प्रदर्शन कर रहे थे. जानकारी मिलने पर जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन के साथ सीसीएल पदाधिकारी मौके पर पहुंचे थे और ग्रामीणों से वार्ता की थी. लेकिन कई दौर में चली वार्ता विफल रही थी.एक बार फिर रविवार की अहले सुबह प्रशासन और पुलिस पदाधिकारियों की उपस्थिति में सीसीएल प्रबंधन ने ग्रामीणों के साथ बैठक की. जिसमें सीसीएल प्रबंधन ने सभी मृतकों के परिजनों को एक लाख, 710 हजार रुपये मुआवजा और अंचल प्रशासन के द्वारा 30 हजार रुपये मुआवजा के रूप में देने की सहमति बनी. साथ ही यह भी आश्वासन दिया गया कि सभी घायलों का इलाज सीसीएल प्रबंधन द्वारा कराया जाएगा. इसके अलावा मृतकों के परिजन के एक-एक सदस्य को आउटसोर्सिंग में रोजगार देने की भी सहमति बनी है.इसके बाद ग्रामीणों का प्रदर्शन खत्म हुआ और कार्यालय के गेट के सामने से शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया.

मामले की होगी जांच:एसडीओ

पूरे मामले में अनुमंडल पदाधिकारी अनुराग तिवारी ने बताया कि चार लोगों की मौत चाल धंसने के कारण सीसीएल खदान में हो गई थी.

ग्रामीण तीन शवों को रखकर प्रदर्शन कर रहे थे. सीसीएल प्रबंधन और ग्रामीणों के बीच वार्ता हुई है. घटना सीसीएल लीज होल्ड एरिया में हुई है. पूरे मामले में विस्तृत जांच होगी, तब किसकी लापरवाही है वह सामने आएगी.

फिलहाल मुआवजे को लेकर सीसीएल प्रबंधन और पीड़ित परिवारों और ग्रामीणों के बीच सहमति बन गई है.शवों का पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को शव को सौंप दिया जाएगा.

कोयला चोरी मामले में होगी एफआईआर : सीसीएल करमा परियोजना की खुली खदान में चाल धंसने की वारदात के बाद सीसीएल प्रबंधन की सुरक्षा की पोल खुल गई है. सीसीएल के अधिकारी पूरे मामले में कैमरे के सामने कुछ भी बोलने से कतरा रहे हैं. सीसीएल के माइनिंग मैनेजर ने ऑफ कैमरा कहा कि इस तरह कि वारदात लगातार होते रहती है और इससे सीसीएल का कोई लेना-देना नहीं होता है. जिन लोगों की मौत हुई है उनपर और जो कोयला निकालने के लिए आए थे उनपर एफआईआर दर्ज की जाएगी.

सांप्रदायिक सौहार्द के साथ ओरिया में मनाया गया मुहर्रम

शुभम संदेश ।हजारीबाग

सांप्रदायिक सौहार्द व आपसी भाई-चारगी के साथ मुहर्रम का जुलूस सदर प्रखण्ड स्थित ओरिया में दिन रविवार को काफी धूमधाम से निकाला गया. जुलुस के दौरान ढोल-ताशे, ताजिया खेल एवं अस्त्र-शस्त्र का जमकर परिचालन एवं प्रदर्शन हुआ.

जुलूस का संचालन खलीफा अब्दुल रसीद ने बड़े ही संजीदगी से किया. जुलुस में गंगा-जमुना तहजीब भी देखने को मिला. इस दौरान हिंदू भाइयों ने मुस्लमान भाइयों को पगड़ी, माला पहनाकर एवं गले लगाकर मुहर्रम की बधाई व शुभकामनाएं दी तथा एकता का परिचय दिया. हिंदू भाइयों ने स्वागत में कोल ड्रिंक, पानी एवं बिस्कुट देकर जुलुस का अभिनंदन किया. कार्यक्रम का संचालन समाजसेवी अभय शंकर पासवान एवं धन्यवाद ज्ञापन विनय यादव ने किया. यह परंपरा मुहर्रम के मौके पर हिन्दू भाईयों द्वारा लगातार 25 वर्षों से अधिक से चलता आ रहा है. इसकी जानकारी समाजसेवी अभय शंकर पासवान ने दी. मौके पर विशेष रूप से रविचंद्र पासवान, गिरजा राम पासवान, उदय शंकर पासवान, प्रमोद कुमार पासवान, उमेश पासवान, तापेश्वर पासवान, मुन्ना पासवान, विनय यादव, अभय शंकर पासवान, मोहम्मद जलील, मोहम्मद रसीद, मोहम्मद बदरु, मोहम्मद समसुल, मोहम्मद इस्लाम, मोहम्मद नजाम, मोहम्मद आशिफ, मोहम्मद फारूक, मोहम्मद सरफराज, मोहम्मद इकबाल, मोहम्मद महबुब आलम, मोहम्मद नौशाद, प्रदीप पासवान, विशाल कुमार, पवन शितल रजक, राजेश रविदास, दीपक कुमार, बाबुलाल राम, चंद्रकांत शेखर एवं शैलेश पासवान सहित कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे .

छड़वा मुहर्रम मेले में पूर्व प्रत्याशी मुन्ना सिंह हुए शामिल

हजारीबाग। मोहर्रम की दसवीं तिथि पर हजारीबाग की ऐतिहासिक धरती पर आयोजित छड़वा मोहर्रम मेला एक बार फिर गंगा-जमनी तहजीब, सांस्कृतिक साझेदारी और धार्मिक आस्था का प्रतीक बनकर सामने आया.कांग्रेस के पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी और नगर निगम प्रभारी मुन्ना सिंह इस मेले में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए. आयोजन स्थल पहुंचने पर उन्हें आयोजकों ने पारंपरिक अंगवस्त्र और पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया. मुन्ना सिंह ने कहा, "यह मेला सिर्फ धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक जागरूकता, सामाजिक सौहार्द और मानवता का उत्सव है. ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी समझ और भाईचारे की भावना मजबूत होती है."मेले में ताजियों की शोभा यात्रा, मातमी धुन, और अखाड़ों के हैरतअंगेज करतबों ने हजारों श्रद्धालुओं को आकर्षित किया. शहर और आस-पास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए.

बरही में शांतिपूर्ण माहौल में मनाया गया मुहर्रम पर्व

बरही (हजारीबाग)। बरही में रविवार को मोहर्रम पर्व गम, श्रद्धा और भाईचारे के माहौल में शांतिपूर्ण ढंग से मनाया गया। सुबह से ही मुस्लिम बहुल इलाकों में ताजिया जुलूस और झांकियों के कारण माहौल भक्तिमय रहा. कोनरा, रसोईया धमना पंचायत और अन्य क्षेत्रों से ताजिया व अखाड़ा जुलूस बरही चौक पहुंचे, जहां युवाओं ने लाठी, तलवार और भाले से करतब दिखाए.इस दौरान देश की एकता और अखंडता का संदेश देते हुए तिरंगा झंडा लहराया गया, जिसने लोगों का मन मोह लिया. ईमाम मौलाना मुशर्रफ कादरी ने बताया कि मोहर्रम इमाम हुसैन की शहादत की याद में मनाया जाता है, जो आज भी इंसानियत के लिए प्रेरणा है. शाकरी मोहल्ला की राफेल फाइटर जेट झांकी, शादी मोहल्ला की इसरो स्पेस, बेराहिल की मिसाइल, आजाद मोहल्ला की तलवार और चौक मोहल्ला की मकबरा झांकी खास आकर्षण रहीं. लोग झांकियों के साथ सेल्फी लेते नजर आए.सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा.

चौपारण में शांतिपूर्ण माहौल में मनाया गया मुहर्रम पर्व

चौपारण (हजारीबाग)। प्रखंड क्षेत्र में रविवार को मुहर्रम का पर्व शांतिपूर्ण और श्रद्धा भाव के साथ संपन्न हुआ. असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक माने जाने वाले इस दिन विभिन्न मोहल्लों से ताजिया और सिपर जुलूस निकाले गए. स्थानीय युवाओं ने लाठी, तलवार और अन्य माध्यमों से हैरतअंगेज करतब प्रस्तुत कर दर्शकों को रोमांचित कर दिया. ताजिया जुलूसों में तिरंगे निशान शोभा बढ़ा रहे थे और लोगों ने "या हुसैन, या अली" के नारों के साथ कर्बला तक मार्च किया. वहां अकीदतमंदों ने दुआएं मांगीं, शीरनी और फूल चढ़ाकर इमाम हुसैन की शहादत को याद किया.अंचल अधिकारी और थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश पूरे दिन क्षेत्र में गश्त करते रहे. चौपारण थाना की ओर से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी. संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ ड्रोन कैमरों और वीडियोग्राफी के जरिए भी निगरानी की गई. मुहर्रम के अवसर पर लोगों ने बताया कि यह महीना सब्र, कुर्बानी और ईमानदारी की मिसाल है, और इमाम हुसैन की शहादत आज भी इंसानियत के लिए प्रेरणा बनी हुई है.

केरेडारी में साम्प्रदायिक सौहार्द के साथ मुहर्रम जुलूस निकला

शुभम संदेश ।केरेडारी

केरेडारी प्रखण्ड के विभिन्न गांवों में मुस्लिम धर्मावलम्बियों के मुहर्रम के त्यौहार साम्प्रदायिक सौहार्द व आपसी भाई चारगी के साथ सम्पन्न हो गया.

केरेडारी प्रखंड के बेलतु गांव में एसडीपीओ पवन कुमार, सीओ रामरतन वर्णवाल, बीडीओ बिवेक कुमार एवं थाना प्रभारी विवेक कुमार, समाजसेवी निरंजन कुमार की उपस्थिति में शांति पूर्ण तरीके से मुहर्रम त्यौहार सम्पन्न हो गया. केरेडारी में जेएलकेएम नेता बालेश्वर कुमार, बैजनाथ महतो, मो बबलू रिजवी,रहमत अंसारी, इनामुल अंसारी,मो रफीक,हदीश अंसारी, करीम बक्स अली,की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ. साथ ही बेला पेटो गांव में सेक्रेटरी अयूब अंसारी,सदर जावेद अंसारी, शहजाद अंसारी, कुतुब मियां,सुलेमान मियां,अमानत अंसारी के उपस्थिति में शांति पूर्वक मेला सम्पन्न हो गया. सबसे पहले लोगो ने मस्जिद प्रांगण में एकजुट हुए उसके बाद,जुलूस के शक्ल में कर्बला पहुँचे जहां जुलूस मेले में तब्दील हो गया.

संगठन विस्तार को लेकर विहिप की बैठक

बरही। विश्व हिंदू परिषद की बैठक प्रखंड परिसर स्थित शिव मंदिर प्रांगण में हुई. अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष निरंजन केसरी और संचालन जिला सह मंत्री गुरुदेव गुप्ता ने किया. मुख्य अतिथि जनार्दन पांडे ने कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाते हुए दायित्व बोध कराया. विहिप की प्रखंड टोली के साथ-साथ खंड एवं उपखंड की टोली बनाने पर जोर दिया. कहा कि विश्व हिंदू परिषद का लक्ष्य गांव शहर के हर घर तक पहुंचने का है. सनातन समाज की समस्याएं खत्म होने पर ही भारत समृद्धशाली राष्ट्र बनेगा.इसके लिए कार्यकर्ता बढ़-चढ़कर संगठन के विस्तार पर ध्यान दें. कहा कि विश्व हिंदू परिषद का लक्ष्य गांव शहर के हर घर तक पहुंचने का है. बैठक में नंदकिशोर कुमार, सुमंत पांडे, इंद्रदेव गुप्ता, प्रीति कुमारी, प्रदीप चंद्रवंशी, चंदन केशरी आदि शामिल थे.

मनाया गया 90वां तिब्बत मुक्ति दिवस, बोले विधायक प्रदीप

तिब्बत की आज़ादी और संस्कृति की रक्षा जरुरी

शुभम संदेश ।हजारीबाग

जैन भवन, हजारीबाग में भारत-तिब्बत मंत्री मंच द्वारा आयोजित 90वें तिब्बत मुक्ति दिवस कार्यक्रम में हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया. कार्यक्रम का उद्देश्य तिब्बत की स्वतंत्रता की आवाज को राष्ट्रीय और वैश्विक मंच पर फिर से मुखर करना था. कार्यक्रम की अध्यक्षता सुरेश कुमार चंद्रवंशी ने की और संचालन संयोजक डॉ. बी. के. सिंह ने किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह, विभिन्न समाजसेवी, प्रबुद्धजन और युवा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे.विधायक प्रदीप प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा, "तिब्बत की आज़ादी की मांग केवल एक भू-राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि मानवाधिकार, धर्म और संस्कृति की रक्षा का सवाल है. भारत और तिब्बत के बीच आत्मिक और सभ्यतागत रिश्ता है जिसे हमें मजबूत करना होगा."कार्यक्रम के अंत में तिब्बत की स्वतंत्रता के लिए प्रार्थना एवं संकल्प भी लिया गया.

विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कोडरमा। जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र अंतर्गत बेहराडीह गांव में रविवार को एक विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है.मृतका की पहचान नेहा देवी, पति दीपक दास के रूप में हुई .मिली जानकारी के अनुसार मृतका की सास दोपहर को बकरी चराने के पश्चात जब घर आईं और बहू के कमरे में गई तो देखा कि वह कमरे के अंदर पंखे के बने फंदे से झूल रही थी.जिसके पस्चात उसने आस पड़ोस के लोगों को बुलाकर बहु को फंदे से नीचे उतरवाया. लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी. इधर घटना की जानकारी मृतका के मायके वालों को मिली, जिसके पश्चात वे लोग वहां पहुंचे. वहां आने के पश्चात उनलोगों ने इसे हत्या बताते हुए कहा कि यह नेहा की हत्या हुई है. उसके ससुराल वालों ने उसे मारकर इसे आत्महत्या का रूप देने का प्रयास कर रही है.

हत्या

हंटरगंज में मिला 10 वर्षीय मासूम का शव, ग्रामीणों का आरोप

शराबियों ने दिया इस घटना को अंजाम

शुभम संदेश ।हंटरगंज

चतरा जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के सोहाद गांव से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसमें एक 10 वर्षीय मासूम का शव संदिग्ध रूप से एक छोटे गड्ढे (लगभग 2 फीट गहरे) में पाया गया. शनिवार शाम से लापता बच्चे का शव मिलने से इलाके में शोक और आक्रोश दोनों का माहौल व्याप्त हो गया है.सूचना मिलते ही थाना प्रभारी प्रभात कुमार, पुलिस इंस्पेक्टर पप्पू कुमार शर्मा, बीडीओ निखिल गौरव, सीओ अरुण कुमार मुंडा एवं गण्य दलबल के साथ घटनास्थल पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु चतरा सदर अस्पताल भेज दिया. पुलिस आसपास के ग्रामीणों और स्थानीय लोगों से पूछताछ कर रही है.

स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि पत्सुगिया डैम के पास कुछ शराबियों ने ब्लैक स्कॉर्पियो कार से बच्चे को अपहरण कर लिया था. बच्चे की मौत की जानकारी पहले नहीं थियोर, लेकिन रविवार सुबह उसके शव की खोज के दौरान ग्रामीणों ने देखा और पुलिस को अवगत कराया.मृतक की पहचान नागर गांव निवासी सनूप भारती का पुत्र, 10 वर्षीय अजय कुमार के रूप में की गई है. परिजनों का दावा है कि अजय अचानक गायब हो गया था, और बिना कोई सुराग मिलने के कारण वे त्रस्त थे. बच्चे की हत्या की आशंका जताते हुए ग्रामीणों ने पुलिस से त्वरित कार्रवाई की मांग की है.स्थानीय लोगों ने बताया कि शराबियों का अड्डा बन चुका है यह मैदान, जहां बिहार से आने वाले सैकड़ों शराबी रातभर शराब पीते हैं और हुड़दंग मचाते हैं. पुलिस के निस्तेज रवैए को देखते हुए ग्रामीण डर और असुरक्षा की भावना से गुजर रहे हैं. उनका कहना है कि यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगी, तो फिर कोई और बड़ी घटना हो सकती है.उन्होंने यह भी कहा कि ब्लैक स्कॉर्पियो से आए इन शराबियों की गतिविधियां संदिग्ध हैं और इन्हें संदेह के घेरे में रखते हुए उनसे पूछताछ की जाए.पुलिस ने स्पष्ट किया है कि वह पोस्टमार्टम रिपोर्ट की प्रतीक्षा कर रही है, जिससे मौत के कारणों का खुलासा हो सके. आसपास के ग्रामीणों, शराबी समूहों, वाहन व संदिग्ध स्थलों से जानकारी जुटाई जा रही है. थाना प्रभारी ने कहा कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी की जाएगी. इस घटना ने गांव में बच्चों की सुरक्षा और सामाजिक व्यवस्था को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं. ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन को बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने संबंधी प्रयास तत्काल करने चाहिए. साथ ही मौके पर स्थिर व्यवस्था, मानव-सुरक्षा संरक्षा, और शराब नीतियों को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए.इस वीभत्स घटना ने पूरे इलाके में दहशत फैलाई है. समाज, प्रशासन और पुलिस तीनों से इस घटना की गहरी जांच और बच्चों की पुनः सुरक्षित व संरक्षित परिवेश की व्यवस्था की युवाओं से मांग की जा रही है.

एक नजर

जयनगर में ऐश पौंड से बाहर निकाले गए दोनों हाथी

जयनगर (कोडरमा)। जंगल से भटके दो हाथियों को केटीपीएस के ऐश पौंड से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया. ये हाथी करीब 24 घंटे तक ऐश पौंड में फंसे रहे, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा.हाथियों को बचाने के लिए वन विभाग और बांकुड़ा की टीम को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी. देर शाम को रेस्क्यू ऑपरेशन सफल रहा और दोनों हाथियों को बाहर निकालकर जंगल की ओर खदेड़ा गया.हाथियों के निकलने के बाद भी उनकी आवाजाही से ग्रामीणों में दहशत बरकरार है. बाहर निकलने के तुरंत बाद दोनों हाथी सिमंराटांड गांव पहुंचे, जहां एक हाथी ने प्रकाश सिंह के घर का लोहे का गेट तोड़ दिया और आसपास की फसलों को रौंद डाला.देर रात ग्रामीणों ने हाथियों को कुशासन गांव की ओर जाते देखा, जिससे आशंका जताई जा रही है कि वे बराकर नदी के किनारे के जंगल में छिपे हो सकते हैं.ग्रामीणों ने वन विभाग से जल्द से जल्द ठोस कार्रवाई की मांग की है, ताकि हाथियों की दहशत से राहत मिल सके.

मरकच्चो में मुहर्रम शांति व सौहार्द के साथ संपन्न

मरकच्चो (कोडरमा)। मुस्लिम धर्मलंबियों का त्यौहार मुहर्रम मे हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में दस दिनों तक मनाए जाने वाला त्याग व बलिदान का पर्व रविवार को शांति व सौहार्द के साथ संपन्न हो गया. काफी संख्या में लोग कर्बला पहुंचकर ताजिया का दफन करने का रस्म अदा किया. इस मौके पर देवीपुर कर्बला मैदान समेत मरकच्चो में के नावाडीह, ताराटांड़, बिंडोमोह, खरखार, पहाड़पुर, तारातांड में मोहर्रम अखाड़ा कमेटी के द्वारा बनाया गया है. वही आकर्षक ताजिया रंग-बिरंगे लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा. इस मौके पर सभी अखाड़ों में शामिल खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल का नमूना पेश कर लोगों का भरपूर मनोरंजन किया. रविवार को मोहर्रम की दसवीं तारीख को प्रखंड की प्राय सभी मुस्लिम बहुत क्षेत्र मे अलग-अलग रंग बिरंगी ताजियों का जुलूस निकाला गया. जुलूस में शामिल अखाड़ा कमेटियों ने एक से बढ़कर एक हैरत अंग्रेज खेलों का प्रदर्शन करते हुए पहले अपने-अपने इमामबाड़ा पहुंचे.जहां नवमी की रात्रि में स्थापित किया गया ताजियों को विधि विधान के साथ उठाकर गांव का भ्रमण करते हुए कर्बला का मैदान पहुंचे और मीठे व्यंजन की फातिहा खानी किया गया.

या हुसैन-या हुसैन के नारों से गूंज उठा जयनगर

जयनगर (कोडरमा)। प्रखंड क्षेत्र के मुस्लिम बहुल क्षेत्र में इस्लामी कैलेंडर के पहले महीने मुहर्रम की दसवीं तारीख को पूरे इलाके में ग़म, अकीदत और श्रद्धा का अनोखा संगम देखने को मिला. यौमे आशूरा के मौके पर कर्बला की याद में जगह-जगह से जुलूस, ताजिए और अलम निकाले गए. 'या हुसैन! या अली!' के नारों से कस्बे गूंज उठा. सुबह से ही इलाके में गहमा-गहमी का माहौल रहा. एक से एक सजे हुए ताजिया हज़रत इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की शहादत को याद कर लोगों की आंखें नम थीं. प्रखंड के जयनगर, गरचांच, मंडरिया, तेतरौन,खेसकरी, कटहाडीह, बेको, कटिया, सहित सभी इलाकों में हकीकत और मोहब्बत के साथ संपन्न हुआ. यौमे आशूरा को लेकर स्थानीय प्रशासन और पुलिस पूरी तरह सतर्क रहा. इस दौरान डीएसपी मुख्यालय रतीभान सिंह, जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी, बीडीओ गौतम कुमार, थाना प्रभारी बबलू कुमार सिंह सहित सैकड़ो जवान , जगह-जगह बैरिकेडिंग, पुलिस बल की तैनाती और एंबुलेंस की व्यवस्था की गई थी.

चंदवारा में मुहर्रम जुलूस शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुआ

चंदवारा (कोडरमा)। चंदवारा प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में मुस्लिम समुदाय का मुहर्रम त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुआ. विभिन्न क्षेत्रों में अखाड़ा कमिटी की ओर से जुलूस निकाला जुलूस में रंग बिरंगी ताजिया निकाला गया. जुलूस में अखाड़ा कमिटी के लोगो ने जगह जगह पर हैरतअंज कर्तव्य दिखाया.वही पुराना थाना परिसर में खिलाड़ियों ने तलवार, लाठी, भाला का खेल दिखाया,इस दौरान या हुसैन, या हुसैन के नारे लगाए,वही जुलूस कर्बला पहुँचे जहाँ पर फातिहा खानी किया गया.मुहर्रम का त्योहार को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने में चंदवारा थाना प्रभारी धनेश्वर कुमार, बीडीओ सुमीत कुमार मिश्रा एवं पुलिस जवान के लोग का अहम भूमिका रहा.मौके पर सांसद प्रतिनिधि प्रवीण कुमार उर्फ बंटी मोदी,पूर्व मुखिया मो०नसीम,पूर्वी पंचायत मुखिया प्रतिनिधि संजय दास, मो०मुमताज, मो० अनवर, इनामुल, सफीक, मो०इरफानुल आदि लोग मौजूद थे.

कांग्रेस नेता विनोद ने निभाई सामाजिक जिम्मेदारी

हजारीबाग। मोहर्रम के पावन अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महासचिव विनोद कुशवाहा ने सामाजिक समरसता और भाईचारे का परिचय देते हुए लंगर वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया. इस अवसर पर सैकड़ों लोगों ने लंगर ग्रहण कर सेवा भाव में भागीदारी निभाई।कार्यक्रम का उद्देश्य विशेष रूप से मुस्लिम समाज के प्रति सम्मान और साम्प्रदायिक एकता का संदेश देना था. इसमें स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ धर्मप्रेमी, युवा और कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए. विनोद कुशवाहा ने कहा कि मोहर्रम त्याग, बलिदान और इंसानियत की सीख देता है. यह केवल मुस्लिम समुदाय का नहीं, बल्कि पूरे समाज को जोड़ने का पर्व है. उन्होंने कहा कि झारखंड कांग्रेस सदैव धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक सौहार्द और सेवा भावना को प्राथमिकता देती आई है और यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा. लंगर में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने भाग लिया और एक साथ बैठकर भोजन ग्रहण किया.

नट्ठा कहकर बेच दी गई थी कसाई को, अब बनी मां

हजारीबाग। एक साल पहले जिस बीमार देशी गाय को 'नट्ठा' समझकर कसाई को बेच दिया गया था, आज वही गाय हजारीबाग गौशाला में एक स्वस्थ बछड़े की मां बनी है. इस गाय को मुफ्फसिल थाना प्रभारी कुणाल किशोर ने कसाई के चंगुल से छुड़वाकर गौशाला पहुंचाया था और गोद लेकर उसका नाम 'नंदनी' रखा था. आज वही नंदनी एक स्वस्थ बच्चे की मां बनकर सभी को भावविभोर कर रही है. गाय को जब गौशाला लाया गया, तब वह बीमार और दुर्बल अवस्था में थी. माना जा रहा था कि वह कभी मां नहीं बन पाएगी, इसलिए मालिक ने उसे मांस बिक्री के उद्देश्य से बेच दिया था. थाना प्रभारी की पहल और गौशाला परिवार के समर्पण से नंदनी को न केवल जीवन मिला, बल्कि उसने मातृत्व का सुख भी पाया. गौशाला प्रबंधक योगेंद्र मिश्रा ने जब नंदनी के मां बनने की खबर थाना प्रभारी को दी, तो उन्होंने उत्साह में थाना और गौशाला में मिठाइयां बांटी. उन्होंने गाय के लिए प्रसव के बाद की विशेष देखभाल की सामग्री भी भेजी और जल्द ही सपरिवार गौ पूजन कर आशीर्वाद लेने की बात कही.कुणाल किशोर ने इलाज और देखभाल के लिए गौशाला को 10,000 रुपए की आर्थिक सहायता भी दी थी.

ब्रीफ न्यूज

लेस्लीगंज में मुहर्रम का भव्य जुलूस, गूंजे "या अली-या हुसैन" के नारे

नीलांबर पीतांबरपुर। प्रखंड क्षेत्र के लेस्लीगंज में रविवार को इमाम-ए-हुसैन की शहादत की याद में मुहर्रम का जुलूस बड़े धूमधाम से निकाला गया. आसपास के गांवों से दर्जनों मुहर्रम कमेटियां आकर्षक ताजिया व आखाड़ों के साथ लेस्लीगंज पहुंचीं. इस जुलूस में लेस्लीगंज, गोपालगंज, पूर्णाडीह, ढेला, डबरा, कठौंधा और कुराईन पतरा सहित कई गांवों के लोग शामिल हुए. जुलूस का नेतृत्व मुहर्रम इंतेजामिया कमेटी के सदर इकबाल खलीफा, अंजुमन इस्लाहुल मुस्लिमीन के प्रखंड सदर फिरोज असारी, सेक्रेटरी मुन्ना खान और उप मुखिया हेमू खान ने किया. जुलूस मुस्लिम नगर से प्रारंभ होकर इराकिया मुहल्ला, पुराना बाजार इमामबाड़ा, थाना होते हुए गांधी चौक पहुंचा. थाना परिसर में युवाओं ने पारंपरिक अस्त्र-शस्त्रों से हैरतअंगेज करतब दिखाए.

कुडू में शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ मुहर्रम

कुडू। प्रखंड क्षेत्र में रविवार की देर शाम मुहर्रम का पर्व पूरी श्रद्धा, त्याग, और शांति के साथ संपन्न हुआ. पंडरा, लावागाई, जिमा, चंडू, चिरी, जरिओ, छोटकी चाँपि, सुंदरू, ओपा सहित दर्जनों गांवों से मुहर्रम के जुलूस निकाले गए, जो गांवों का भ्रमण करते हुए कुडू ब्लॉक मोड़ पर एकत्रित हुए. या अली, या हुसैन के नारों से पूरा इलाका गूंज उठा. जुलूस के मिलन के बाद सभी अखाड़ों ने इंदिरा गांधी चौक पर पारंपरिक हथियारों और लाठी-डंडों के साथ आकर्षक खेल का प्रदर्शन किया. अतिथियों का पारंपरिक रूप से पगड़ी पोशी कर स्वागत किया गया. पुलिस प्रशासन ने मुहर्रम के शांतिपूर्ण आयोजन में सहयोग के लिए अंजुमन इस्लामिया कुडू को धन्यवाद दिया. इसके बाद जुलूस पंडरा और चंडू कर्बला की ओर रवाना हुआ. इन स्थानों पर मेले का आयोजन भी हुआ, जिसमें सभी आयु वर्ग के लोगों ने भाग लिया.

मुहर्रम का पर्व शांति, सौहार्द्र और भाईचारे के वातावरण में संपन्न हुआ

मुहर्रम न्याय के लिए लड़ने की प्रेरणा: डीआईजी

शुभम संदेश। मेदिनीनगर

जिले में मुहर्रम का पर्व शांति, सौहार्द्र और भाईचारे के वातावरण में संपन्न हुआ. दसवीं मोहर्रम (योगे आशूरा) के अवसर पर विभिन्न कमेटियों द्वारा भव्य ताजिया जुलूस निकाला गया. गोल खेल का भी सुंदर प्रदर्शन किया गया, जिसे लोगों ने सराहा. छहमुहान चौक पर तंजीमुल अंसार कमिटी द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में डीआईजी नौशाद आलम और एसपी रिष्मा रमेशन समेत कई प्रशासनिक और पुलिस पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर डीआईजी नौशाद आलम ने कहा कि मोहर्रम केवल कोई त्योहार नहीं, बल्कि इंसानियत, सत्य और न्याय के लिए लड़ने की प्रेरणा है. उन्होंने कहा कि इमाम हुसैन की कुर्बानी हमें यह सिखाती है कि हालात चाहे जैसे भी हों, हमें झूठ और जुल्म के आगे कभी नहीं झुकना चाहिए. डीआईजी ने लोगों से झारखंड की सुख-शांति और समृद्धि के लिए करबला में दुआ करने का आग्रह किया. उन्होंने कहा कि आशूरा हमें यह सिखाता है कि असली ताकत तलवार में नहीं, बल्कि सब्र, इंसाफ और सच के साथ खड़े रहने में है. आज के दौर में जब समाज में नफरत और विवाद बढ़ रहे हैं, ऐसे समय में मोहर्रम का पैगाम और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है.

समारोह में तंजीम के सदर अशफाक अहमद ने कहा कि इमाम हुसैन की शहादत पूरी इंसानियत के लिए एक मिसाल है. कार्यक्रम में रामनवमी कमेटी के अध्यक्ष युगल किशोर, ट्रैफिक प्रभारी समाल अहमद, थाना प्रभारी ज्योतिलाल रजवार, डॉ. आलोक कुमार गुप्ता, समाजसेवी सुनील तिवारी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे. जुलूस में शामिल लोगों के लिए पेयजल, शिरनी वितरण और आपातकालीन चिकित्सा शिविर की व्यवस्था की गई थी. समारोह का संचालन तंजीम के डायरेक्टर प्रो. अब्दुल हमीद ने किया. मौके पर तंजीम सरपरस्त जेयाउद्दीन अंसारी, हाजी अमीन रहबर, कलाम आजाद, हाजी शफी अहमद, मास्टर जलाल अंसारी, सुलेमान अंसारी, हासीम झाली, इम्तेयाज अहमद, रवायत हुसैन, अब्दुल फतह, मंज़ूर अली समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे. कार्यक्रम पूरे जिले में सौहार्द और भाईचारे का प्रतीक बन गया.

डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना अब हो रहा साकार : विकास प्रीतम

शुभम संदेश । गुमला

भाजपा गुमला द्वारा आज डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म जयंती मनाई गई. स्थानीय पर्यटक भवन में धूमधाम से मनाया गया .

भाजपा नेता विकास प्रीतम ने कहा कि भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारत के उत्थान और भारतीय संस्कृति के संवर्धन के लिए, एक प्रखर राष्ट्रवादी ,विचारक और महान शिक्षाविद के रूप में राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया.

आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में धीरे-धीरे वह सभी सपना साकार होता दिख रहा.वर्तमान बंगाल और पंजाब भारत का हिस्सा है तो यह मुखर्जी का ही देन है वरना तत्कालीन सरकार इन प्रदेशों को पाकिस्तान में शामिल करने की योजना बना चुका था. जन संघ के रूप में स्थापित किया हुआ एक छोटा सा दल आज भाजपा के रूप में पूरे विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है. बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश मंत्री मुनेश्वर साहू ने कहा की उन महापुरुषों के द्वारा बताएं मार्गों पर चलकर और उनके विचारों को आत्मसात कर आगे बढ़ाने की आवश्यकता है. कार्यकर्ताओं को पूर्व विधायक कमलेश उरांव और अनूप चंद्र अधिकारी ने भी संबोधित किया. डॉ श्याम प्रसाद मुखर्जी के जीवन पर गहराई से प्रकाश डालकर सभी कार्यकर्ताओं को महापुरुषों के जीवन से सीख लेकर समाज और राष्ट्रहित में कार्य करते हुए भारत को विश्व गुरु बनाने की संकल्प को पूर्ण करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ाने की आवश्यकता है.कार्यक्रम का संचालन युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष संदीप कुमार और धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम के सह संयोजक संयोजक सुरेश सिंह ने किया. संगोष्ठी में मुख्य रूप से भूपन साहू, सत्य नारायण पटेल, निर्मल गोयल, किरण माला बड़ा सागर उरांव, गायत्री देवी ,शकुंतला उरांव शैल मिश्रा ,सोनामणि देवी संतोष देवघरिया ,कौशलेंद्र जमुवार किसुन बड़ाईक , छोटेलाल उरांव ,गौरी किंडो , ज्योति कुमारी, अमरमणि उरांव, गुड्डी नंदा ,मनमोहन सिंह, संतोष सिंह ,बल्केश्वर सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे.

रायडीह प्रखंड के पहाड़ टुडूरमा गांव में नहीं बनी सड़क

बीमार महिला को बहंगी में ढोकर पहुंचाया अस्पताल

शुभम संदेश । गुमला

रायडीह प्रखंड के ऊपर खटंगा पंचायत के पहाड़ टूडूरमा गांव में आज भी सड़क जैसी बुनियादी सुविधा सुलभ नहीं है। पहाड़ के तराई में बसे होने कारण सड़क नहीं बन सका है. रविवार दिन के दो बजे एक महिला सुभद्रा देवी बीमार हो गई.तब उसे स्वजनों ने गेंडूआ में ढोकर चैनपुर प्रखंड के सोकराहातु पक्की सड़क तक लाए. उसके बाद उसे वाहन से गुमला सदर अस्पताल पहुंचाया गया. सड़क नहीं होने से लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है. खासकर बरसात के दिनों में जंगल व चट्टानों से पार कर मुख्य पथ तक जाना एक चुनौती होती है. क्योंकि सांप बिच्छू व जंगली जानवर का भय बना रहता है. वहीं पैदल पांच किलोमीटर की दूरी तय करने में पसीने छूट जाते हैं. गांव तक पहुंच पथ नहीं होने के कारण गांव का समुचित विकास भी नहीं हो पाया है. गांव में मूलभूत सुविधाओं की घोर कमी है.

तेली समाज जिला समिति का हुआ आंशिक विस्तार नन्दकिशोर साहु बनाए गए कोषाध्यक्ष

लोहरदगा। छोटानागपुरिया तेली उत्थान समाज, लोहरदगा की जिला स्तरीय बैठक जिला अध्यक्ष प्रो. शिवदयाल साहु की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई. बैठक में जिला समिति का आंशिक विस्तार किया गया. पूर्व में आयोजित सम्मेलन में प्रो. शिवदयाल साहु को अध्यक्ष एवं सोहन साहु को महासचिव मनोनीत किया गया था. आज की बैठक में सर्वसम्मति से जिला उपाध्यक्ष पद पर मनोज साहु, मुकेश साहु, सुदामा साहु, प्रदीप साहु एवं विदेशी साहु को मनोनीत किया गया. वहीं सचिव लखपति साहु, सह सचिव सत्यनारायण साहु, संयुक्त सचिव दिलीप साहु, संगठन मंत्री भागवत साहु एवं दीपक साहु बनाए गए. नन्दकिशोर साहु को कोषाध्यक्ष तथा रामबिलास साहु को सह कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया. मीडिया प्रभारी के रूप में विनोद साहु और कार्यकारिणी समिति में श्याम किशोर साहु, बजरंग साहु, दीपक साहु, अरुण साहु, सुरेश साहु, कृष्णा साहु, विंदेश्वर साहु और अजय मधुर को शामिल किया गया. साथ ही, बैठक में सक्रिय सदस्यता और सदस्यता शुल्क निर्धारण पर भी सहमति बनी. बैठक में समाज के कई प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे.

झारखंड की बदहाली के लिए गठबंधन सरकार जिम्मेदार

शुभम संदेश। मेदिनीनगर

रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री रवींद्र राय ने पत्रकारों से बातचीत में झारखंड की वर्तमान सरकार पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि झामुमो, कांग्रेस और राजद की गठबंधन सरकार राज्य को बदहाली की ओर ले जा रही है. झारखंड की स्थिति एक बार फिर 2000 से पहले जैसे हो गई है. विकास के नाम पर केवल विनाश हो रहा है. राय ने कहा कि भाजपा देश में तुष्टिकरण और भारत माता की अस्मिता से खिलवाड़ करने वालों को कतई बर्दाश्त नहीं करेगी. उन्होंने देश के कई राज्यों में परिवारवाद और गिरोहवाद की राजनीति पर भी चिंता जताई और लोगों को इससे सतर्क रहने को कहा. उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन, विचार और सिद्धांत आज भी सार्वजनिक जीवन के लिए प्रेरणा स्रोत हैं. देश और समाज की सेवा में उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता. राज्य सरकार पर हमला बोलते हुए राय ने कहा कि केंद्र की महत्वाकांक्षी आयुष्मान भारत योजना पिछले दो वर्षों से झारखंड में बंद है. सरकारी और निजी अस्पतालों को बकाया भुगतान नहीं मिलने के कारण मरीजों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है. इसके अलावा उन्होंने आरोप लगाया कि फ्री अनाज योजना में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी हो रही है, क्योंकि ट्रकों से अनाज पकड़ा जा रहा है. हर घर नल जल योजना की राशि खर्च नहीं हो रही है और आरईओ की सड़क परियोजनाएं ठप हैं. उन्होंने जनता से अपील की कि अब समय आ गया है जब झारखंड के लोग इस सरकार की विफलताओं पर गंभीरता से विचार करें. इस मौके पर भाजपा के जिला अध्यक्ष अमित तिवारी, महामंत्री ज्योति पांडेय, श्यामनारायण दुबे, दुर्गा जौहरी, किशोर पांडेय, सोमेश सिंह, नगर अध्यक्ष श्रवण गुप्ता और प्रभात कुमार सहित कई अन्य नेता उपस्थित थे.

श्रद्धा और रिमझिम बारिश के बीच संपन्न हुई रथयात्रा

शुभम संदेश। इटकी

रविवार को रिमझिम बारिश के बीच इटकी में पारंपरिक रथयात्रा मेला श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ. भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलराम की रथयात्रा मौसीबाड़ी मंदिर से शुरू होकर मुख्य मंदिर तक निकाली गई. इस दौरान मौसीबाड़ी मैदान में रंग-बिरंगा मेला भी लगा, जिसमें मिठाइयों, खिलौनों, महिला सौंदर्य प्रसाधनों, चाट और फुचका के स्टॉलों पर भीड़ उमड़ी रही. भगवान के दर्शन के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मौसीबाड़ी मंदिर में उमड़ पड़ी थी. जय जगन्नाथ के उद्घोष के बीच भक्तों ने दर्शन कर पुण्य लाभ लिया. शाम होते ही भगवान को लकड़ी के रथ पर विराजमान कराया गया. मंदिर के पुजारी सुंदर श्याम तिवारी और लाल अश्विनी नाथ शाहदेव रथ पर सवार हुए, जबकि रथ के सारथी की भूमिका सचिन महतो ने निभाई. रथ खींचने के लिए श्रद्धालुओं में उत्साह इतना था कि रस्सी पकड़ने की होड़ मच गई. रथ को खींचते हुए भक्त मुख्य मंदिर तक पहुंचे, जहां महाआरती के बाद विग्रहों को गर्भगृह में स्थापित किया गया. रथयात्रा को सफल बनाने में इटकी पुलिस और शांति समिति के सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. इधर, रथयात्रा के दौरान हुई बारिश को किसानों ने शुभ संकेत माना. लोक मान्यता है कि मौसी के घर से विदा लेते समय भगवान रोते हैं, और उनके आंसू ही बारिश के रूप में धरती पर गिरते हैं.

भाई की फटकार से नाराज युवती ने खाया उर्वरक, हालत स्थिर

गुमला। जिले के घाघरा थाना क्षेत्र के खपिया गांव में एक 18 वर्षीय युवती सुशांति कुमारी ने रविवार को घर में रखे डीएपी नामक उर्वरक को खा लिया. घटना उस समय हुई जब घर में किसी बात को लेकर उसके बड़े भाई ने उसे फटकार लगाई. फटकार से नाराज होकर सुशांति ने खेती के लिए उपयोग होने वाले उर्वरक को सेवन कर लिया. हालत बिगड़ने पर परिवार वाले तुरंत उसे घाघरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी स्थिति नाजुक होने पर उसे गुमला सदर अस्पताल रेफर किया गया. अस्पताल में चिकित्सकों द्वारा सुशांति का इलाज जारी है और अब उसकी स्थिति सामान्य बताई जा रही है. यह घटना गांव और आसपास के लोगों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है. परिवार वाले युवती की जल्द स्वस्थ होने की उम्मीद कर रहे हैं और इसे लेकर प्रशासन भी सतर्क है.

रातू में जमीन विवाद को लेकर हमला, कई घायल

रातू: रांची जिले के रातू थाना क्षेत्र अंतर्गत कुम्बाटोली गांव में सोमवार को दोपहर करीब 12:30 बजे जमीन विवाद को लेकर हुए हिंसक हमले में कई लोग घायल हो गए.शिकायतकर्ता बिरेन्द्र उरांव निवासी कुम्बाटोली, ने बताया कि उन्हें शांति देवी के घर तोड़े जाने की सूचना मिली थी.जब वे घटनास्थल पहुंचे, तो देखा कि शांति देवी का घर ढहाया जा रहा था.स्थिति को सामान्य करने के लिए उन्होंने वहां मौजूद लोगों को समझाने की कोशिश की, लेकिन बिशु उरांव और उसके परिजनों शनि उरांव, विश्वकर्मा उरांव, दुर्गा उरांव, छोटी उरांव, अनमनी उरांव, बीना देवी, शांति उराईन और गगी उराईन ने अचानक ईंट-पत्थर से उन पर हमला कर दिया।करीब 15 मिनट बाद बिशु उरांव ने 20–22 अज्ञात भाड़े के हमलावरों के साथ मिलकर तीर-धनुष, टांगी और बसुला जैसे हथियारों से जानलेवा हमला किया.बिरेन्द्र उरांव के अनुसार, इस पूरे हमले का एक वीडियो सबूत के तौर पर उनके मोबाइल में मौजूद है।हमले में बिरेन्द्र उरांव के सिर में अंदरूनी चोट, कान कटने की गंभीर चोटें आईं और वे खून से लथपथ हो गए.वहीं, गांव की दो युवतियां – नेहा कुमारी (18 वर्ष) और अंजु खलखो (18 वर्ष) को सिर में गंभीर चोटें आईं, जिन पर 4-5 टांके लगे हैं.इसके अलावा अनु देवी (22 वर्ष) को भी सिर में गंभीर चोट लगी है.घायलों को रातू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से बिरेन्द्र उरांव को रेफर कर रिम्स, रांची भेजा गया.पीड़ित ने रातू थाना में नामजद और अज्ञात हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की .

आक्रोश

75 साल बाद भी रांची के बुढ़मू प्रखंड का बंदरमुता टोला सड़क से महरूम

बुनियादी सुविधाओं से वंचित गांव,ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

विजय मिश्रा । बुढ़मू

आजादी के 75 साल बाद भी रांची से महज 38 किलोमीटर दूर स्थित बंदरमुता टोला (चैनगढ़ा पंचायत, बुढ़मू प्रखंड) विकास की बुनियादी सुविधाओं से कोसों दूर है. बरसात के मौसम में यह गांव मानो एक टापू बन जाता है. पगडंडियां नालों में तब्दील हो जाती हैं, रास्ते दलदल हो जाते हैं और लोगों का आना-जाना दूभर हो जाता है. बच्चों की स्कूल तक पहुंच और बीमारों का अस्पताल पहुंचना किसी संघर्ष से कम नहीं.गांव में अब तक न तो पक्की सड़क बनी है, न ही कोई पुलिया या जलनिकासी की व्यवस्था की गई है. बरसात में रास्ते बह जाने से कई बार लोगों की जान जोखिम में पड़ चुकी है.

ग्रामीणों की मांग - स्थायी समाधान चाहिए: गांववालों ने प्रशासन से मांग की है कि कम से कम 5 कलवर्ट पाइप या एक स्थायी पुलिया का निर्माण अविलंब किया जाए, जिससे वर्षा के दिनों में आवागमन सुचारू रूप से हो सके. ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा कि यह सिर्फ सड़क या पुल की मांग नहीं है, बल्कि उनकी सुरक्षा, गरिमा और जीवन की मूलभूत आवश्यकता का सवाल है.

प्रशासन की चुप्पी, आंदोलन की चेतावनी: यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो ग्रामीणों ने उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है. गांववालों ने कहा कि हर चुनाव में उन्हें विकास का सपना दिखाया जाता है, लेकिन हर बार सिर्फ वादे मिलते हैं, हकीकत में कुछ नहीं होता. ग्रामीणों ने यह भी पूछा कि क्या अब वर्तमान विधायक उनकी पीड़ा सुनेंगे या बंदरमुता टोला यूं ही उपेक्षित रहेगा?

अमृतकाल में भी अंधेरे में गांव: जब देश अमृतकाल में प्रवेश कर रहा है, तब बंदरमुता टोला जैसी बस्तियों की यह स्थिति शर्मनाक और दुखद है. यह न केवल ग्रामीणों के लिए, बल्कि शासन-प्रशासन के लिए भी एक कटु सच्चाई है कि आज भी हजारों लोग बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं.अब गांववालों का कहना है कि वे और इंतजार नहीं करेंगे. उन्हें केवल वादे नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर ठोस बदलाव चाहिए. बंदरमुता टोला के लोगों की एक ही मांग है – हमें भी जीने का हक दीजिए, सड़क और पुलिया बनाइए.

एक नजर

नागपुरी भाषा का संरक्षण व संवर्धन जरुरी : डॉ शकुंतला

गुमला। नागपुरी साहित्य सांस्कृतिक मंच के संस्थापक और रांची आकाशवाणी के एंकर डॉ शकुंतला मिश्रा ने कहा है कि नागपुरी भाषा का संरक्षण और संवर्धन छोटा नागपुर के युवाओं के रोजगार के लिए सहायक साबित होगा. गुमला के टैंसेरा स्थित एशियाई हेरिटेज फाउंडेशन नागपुरी गीत संगीत नृत्य प्रशिक्षण केंद्र में रविवार को नागपुरी सांस्कृतिक साहित्य मंच के पुनर्गठन को लेकर आयोजित बैठक में डॉ शकुंतला मिश्रा ने उक्त बातें कही. उन्होंने नागपुरी भाषा संस्कृत में डीजे संस्कृति के हो रहे अतिक्रमण से पर चिंता व्यक्त करते हुए युवाओं से नागपुरी भाषा के संरक्षण और संवर्धन की वकालत की. कहा कि यह क्षेत्र नागवंशी राजाओं की कर्मभूमि रहा है और नागपुरी यहां मूल भाषा रहा है. यहां 32 जन जाति हैं और मात्र पांच क्षेत्रीय भाषा की पढ़ाई होती है जिसमें सादरी कहीं नहीं है .सादरी के नाम पर नागपुरी को समाप्त करने की साजिश रची जा रही है. कहा कि सभी जनजाति का भाषा नागपुरी है. भाषा के विकास के लिए नागपुरी के महत्व और विशेषताओं की जानकारी रखने की जरूरत है.

लोहरदगा में डॉ मुखर्जी की जयंती मनाई गई

लोहरदगा। भाजपा की ओर से रविवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिला कार्यालय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता सह मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश नेता प्रेम मित्तल उपस्थित हुए. कार्यक्रम की शुरुआत चित्र पर पुष्प अर्पण कर दीप प्रज्वलित कर किया गया.कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रेम मित्तल ने कहा कि डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी बहुत ही महान व्यक्तित्व थे.उन्होंने अंग्रेजों के जमाने में कई ऐसे कृतिमान स्थापित किये, इसके लिए पूरा देश उन्हें याद करता है.डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी शुरू से अलगाववादियों एवं नितियों के विरुद्ध रहे.आवाज उठाई और कभी भी समझौता नहीं किया.अखंड भारत के सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने अपने प्राणों को बलिदान दे दिया .मौके पर बडी संख्या में लोग मौजूद थे.

बीआरपी-सीआरपी एसएस संघ की बैठक संपन्न

रांची। बीआरपी-सीआरपी एसएस संघ की एक अहम बैठक शिक्षा परिषद रांची में केंद्रीय कमेटी के नेतृत्व में आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न जिलों के अध्यक्ष व केंद्रीय सदस्य शामिल हुए. बैठक का प्रमुख उद्देश्य सेवा शर्त नियमावली में संशोधन, मानदेय में विसंगति को दूर करना और अन्य परियोजना कर्मियों के समान भत्ते—जैसे चिकित्सा, आवास, परियोजना और महंगाई भत्ता—प्राप्त करने को लेकर रणनीति बनाना था. संघ ने यह स्पष्ट किया कि बीआरपी और सीआरपी कर्मी 20 वर्षों से अधिक सेवा देने के बावजूद सरकार और विभाग की उपेक्षा के शिकार हैं. इस कारण सभी सदस्यों ने स्थायीकरण की मांग को लेकर उच्च न्यायालय की शरण में जाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया. इसके लिए दीपक कुमार नायक (सीआरपी, बोकारो) के नेतृत्व में एक उप-समिति का गठन किया गया जिसमें जामताड़ा, सिमडेगा, रांची, लातेहार, धनबाद, दुमका व गोड्डा से सदस्यों को शामिल किया गया है. इसके अतिरिक्त, संघ द्वारा मानसून सत्र के दौरान माननीय विधायकों के माध्यम से मुख्यमंत्री व विधानसभा का ध्यान भी इस ओर आकृष्ट किया जाएगा. सेवा शर्तों में संशोधन हेतु पुनः ज्ञापन सौंपा जाएगा. वहीं, लंबित समस्याओं जैसे दुर्घटना बीमा, चिकित्सा, परियोजना व महंगाई भत्ते को लेकर संघ प्रयासरत रहेगा. बैठक में केंद्रीय अध्यक्ष कृष्ण प्रसाद, महासचिव नितिन कुमार, उपाध्यक्ष अरविंद चौबे सहित कई जिलों के प्रतिनिधि मौजूद थे.

भंडरा में नौ दिवसीय रथ यात्रा मेला संपन्न

भंडरा। 27 जून से नौ दिवसीय ऐतिहासिक रथ यात्रा मेला का भव्य आयोजन शर्मा बंधुओं द्वारा किया गया था. इस वर्ष भी लोहरदगा, गुमला, रांची, लातेहार, चतरा, खूंटी और पलामू के हजारों भक्तों ने महाप्रभु जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन शुभद्रा के दर्शन किए. नौ दिनों तक महाप्रभु अपने मौसी के घर पर प्रवास करने के बाद वापस अपने धाम लौट आए. भक्तों ने विशेष पूजा, महाआरती एवं भंडारे का आयोजन किया. अखिलेश्वर धाम से महाप्रभुओं को रथ पर विराजित कर भंडरा ठाकुरबाड़ी लाया गया, जहां महाआरती के बाद प्रसाद वितरित किया गया. प्रसाद लेने के लिए भक्तों में भारी भीड़ देखने को मिली. मेले में कई प्रकार के खेल-तमाशे जैसे मौत का कुआं, जादू, झूला और मिठाई-श्रृंगार के दुकानें लगीं, जिनमें बच्चों और महिलाओं ने खूब मज़ा लिया. घरेलू सामान और खिलौनों की भी अच्छी खरीदारी हुई. आयोजन समिति के 50 स्वयंसेवक एवं पुलिसकर्मी मेले की सुरक्षा और व्यवस्था में जुटे रहे. भंडरा की यह रथ यात्रा मेला लगभग 200 वर्ष पुराना है और हर वर्ष भक्तों की भारी भीड़ जुटाता है.

सिद्धचक्र पूजन: सबसे प्राचीन और महान पूजन विधि

मेदिनीनगर। श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के तीसरे दिन अनु भैया जी के सान्निध्य में 64 रिद्धि मंत्रों के साथ विधिवत पूजन संपन्न हुआ. इस अवसर पर उन्होंने 64 जोड़ों से क्रमवार अर्घ्य अर्पण करवाया और प्रत्येक मंत्र का सरल भाषा में भावार्थ समझाया. अनु भैया जी ने बताया कि सिद्धचक्र पूजन जैन धर्म का सबसे पुराना और महान पूजन है. इसमें सिद्ध का अर्थ है मुक्त आत्मा, चक्र का अर्थ है कर्म बंधनों से मुक्ति और यंत्र का आशय रहस्यमय आध्यात्मिक आरेख से है. विधान की शुरुआत में 11 विशिष्ट जोड़ों को महोत्सव के गौरवशाली पात्र बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ. इनमें ध्वजारोहण कर्ता शांतिलाल-राजुल बाकलीवाल, सौधर्म इंद्र सुनील-आशा रारा, श्रीपाल मैना सुंदरी महेंद्र-उर्मिला पाटनी, धनपति कुबेर उज्जवल-आयुषी रारा सहित अन्य प्रमुख यज्ञ पात्र शामिल थे. प्रथम आरती करने का सौभाग्य सुभाष, सुनील एवं राजीव कुमार रारा सुप्रिया वालों को प्राप्त हुआ. यह आयोजन आध्यात्मिक ऊर्जा और धार्मिक भक्ति से ओत-प्रोत रहा.

मंथन

अवैध खननः कब थमेगा मौत का यह सिलसिला

रामगढ़ के कुजू ओपी क्षेत्र अंतर्गत महुआ टुंगरी में जो बड़ा हादसा हुआ, वह एक बार फिर यह स्पष्ट करता है कि राज्य में अवैध कोयला खनन केवल पर्यावरण या राजस्व की समस्या नहीं, बल्कि सीधी मानवीय त्रासदी बन चुकी है. सुबह 6 बजे जब ग्रामीण अवैध खनन के लिए उतरे और चाल धंसने से चार लोगों की मौत हो गई, तो यह सिर्फ एक आकस्मिक दुर्घटना नहीं थी-यह सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी और प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम था. स्थानीय लोगों का आक्रोश जायज है. सीसीएल प्रबंधन पर आरोप है कि जिस खदान क्षेत्र में लोग बेरोक-टोक प्रवेश कर रहे थे, वहां न तो बाउंड्री वॉल थी और न ही कोई सुरक्षात्मक घेराबंदी. यह डीजीएमएस के सुरक्षा मानकों का खुला उल्लंघन है, और इसके लिए जवाबदेही तय होनी ही चाहिए. यह विडंबना ही है कि जिस कंपनी को खनन क्षेत्र की निगरानी करनी थी, वही सबसे बड़ी चुप्पी साधे बैठी है. दूसरी ओर, जिला प्रशासन हादसे के बाद हरकत में आता दिख रहा है-मुआवजे पर विचार और जांच की बातें हो रही हैं, लेकिन यह रवैया पीड़ितों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है. सवाल यह है कि जब यह क्षेत्र अवैध खनन के लिए बदनाम है, तो रोकथाम के उपाय पहले क्यों नहीं किए गए? अब समय आ गया है कि प्रशासन और खनन कंपनियां इस संकट को महज 'हादसा' मानने की मानसिकता से बाहर निकलें. यह ज़रूरी है कि दोषियों पर कार्रवाई हो, खदानों की घेराबंदी सुनिश्चित हो और वैकल्पिक आजीविका के लिए ग्रामीणों को योजना से जोड़ा जाए. वरना यह मौत का सिलसिला यूं ही चलता रहेगा.

नजरिया

नेतरहाट विद्यालय की गिरती साख की जवाबदेही तय हो

राज्य के सबसे प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान नेतरहाट आवासीय विद्यालय का शैक्षणिक स्तर हाल के वर्षों में जिस तरह से गिरा है, वह केवल चिंता का विषय नहीं, बल्कि राज्य की शैक्षिक नीति पर सवालिया निशान है. सीबीएसई परीक्षा में इस वर्ष 5 छात्रों का फेल होना और नामांकन में लगातार गिरावट इसका स्पष्ट संकेत है. विद्यालय समिति की बैठक में स्कूली शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन द्वारा जताई गई चिंता उचित है. खासतौर पर यह तथ्य कि 42 स्वीकृत शिक्षकों के पदों में से केवल 18 पद भरे हैं, गंभीर है. यह संस्थान किसी सामान्य स्कूल जैसा नहीं, बल्कि झारखंड की शैक्षणिक पहचान का प्रतीक है. ऐसे में स्टाफ की कमी कार्यक्षमता नहीं, बल्कि शासन पर भी सवाल खड़े करती है. पूर्व छात्रों की सहायता लेने और अध्ययन मूल्यांकन के लिए समिति गठित करने का निर्णय स्वागतयोग्य है, लेकिन ये अस्थायी समाधान है. स्थायी हल के लिए रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति, शिक्षक प्रशिक्षण और छात्रों की शैक्षणिक जरूरतों की समुचित पूर्ति अनिवार्य है. आश्रम व्यवस्था को फिर से सख्ती से लागू करना, डीएमएफटी फंड से आधारभूत सुविधाओं का उन्नयन और शिक्षकों की जवाबदेही तय करना जरूरी कदम हैं. नेतरहाट जैसे संस्थानों को सिर्फ नतीजों के आंकड़ों से नहीं, बल्कि उसकी शिक्षा की गुणवत्ता और अनुशासन से आंका जाना चाहिए. सरकार को इसे मिशन के रूप में लेना होगा-वरना यह गौरवशाली संस्था केवल अतीत की बात बनकर रह जाएगी.

विदेश नीति को संभालने की जरूरत है!

निशिकांत ठाकुर

यह बात बिल्कुल सच है कि किसी भी जीव के ईश्वर प्रदत्त मूल स्वरूप को बदला नहीं जा सकता, लेकिन आज के चिकित्सकीय संसार में अब यह असंभव नहीं रहा. पर, कुछ जीव ऐसे होते हैं जिसके मूल स्वरूप को चाहे हम जितना भी ठीक कर लें, लेकिन इसमें परिवर्तन नहीं आता. अक्षरशः यही हाल पाकिस्तान का है चाहे आजादी के बाद हो या पहले -पता नहीं उसके मन में कितना बैर भारत के प्रति था कि उसने अखंड भारत को खंड खंड में बांट ही दिया. षडयंत्र रचकर परेशान करता ही रहेगा. जो खबर छनकर आ रही है उसके अनुसार आज भी किसी न किसी तरह षडयंत्र रचकर हम भारतीयों को डराने की योजना बना रहा है. भारतीय सीमा के पार पाक अधिकृत गुलाम कश्मीर में फिर आतंकी ठिकाना बना रहा है. जहां वह अपने आतंकी संगठनों के रंगरूटों को प्रशिक्षित करेगा और कहीं न कहीं किसी न किसी प्रकार भारत की सीमा में घुसकर आतंकी हमला करेगा, फिर चूहों की तरह बिलों में घुस जाएगा. पिछले दिनों भारत द्वारा उसके अरमानों को ध्वस्त करने का प्रयास किया गया,लेकिन ऐसे जीवों की पूंछ कहां सीधी होती है!

पाकिस्तान ही नहीं सभी पड़ोसी देशों से हमारे रिश्ते बेहद नाजुक स्थिति में हैं.

भारतीय सुरक्षा बल घात लगाकर सीमा में घुसने के प्रयास को विफल करते आ रहे हैं. अब तो यह बात भी सामने आ रही है कि आतंकी संगठन में भर्ती किए जाने को लेकर पाकिस्तान के कई शहरों में रैलियां निकाली जा रही हैं और लोगों को भारतीय सैनिकों द्वारा नष्ट किए गए आतंकी ठिकानों के साथ साथ उन आतंकियों की तस्वीरें दिखाई जा रही हैं जिन्हें मौत के घाट उतार दिया गया है. सुरक्षा बल से जब इस पर बात की गई तो उनका कहना था कि उनकी करतूतों का पता सबको है और उन्हें विफल करने के लिए हम पूरी तरह सक्षम और तैयार हैं. इस स्तंभकार ने अपनी जम्मू -कश्मीर की अनेक यात्राओं में वहां के लोगों से बात की तो उन्होंने कहा, पाकिस्तान तो खुद कंगला है. उन्हें तो हिन्दुस्तानी नेताओं द्वारा ही धन मुहैया कराया जाता है ताकि यहां आकर आतंक फैलाएं और उनकी राजनीति फलती-फूलती रहे.

यह बात तो प्रत्येक भारतीय की समझ में आती है कि पाकिस्तान का जन्म ही भारत के विरोध में हुआ है, इसलिए तरह- तरह से समय -समय पर अपनी भड़ास भारत पर निकालता रहता है, लेकिन पिछले कुछ सालों में जिस तरह से हमारे पड़ोसियों से हमारे संबंध बिगड़े हैं, वह किसलिए? कहीं न कहीं हमारी विदेश नीति में कोई न कोई कमी रही है जिससे हमारे संबंध पड़ोसी देशों सहित विश्व के कई ताकतवर देशों से खराब हुए है. जिस बांग्लादेश का निर्माण ही भारतीय हस्तक्षेप से हुआ वह भी हमें आंखें दिखाने लगता है, ऐसा क्यों! बात केवल बांग्ला देश की ही नहीं है .श्रीलंका जिससे हमारा संबंध आध्यात्मिक रहा है वह भी भारत से दूरी बनाकर चीन की ओर आकर्षित है और अपना बंदरगाह जो भारत के सबसे करीब है उसे चीन के हवाले कर दिया. अब रही बात हमारे सबसे करीबी पड़ोसी देश नेपाल की, जिससे हमारा संबंध आध्यात्मिक और बेटी-रोटी का रहा है वह भी चीन की ओर आकर्षित होकर हमसे दूरी बना चुका है. आखिर क्या कारण है कि हमारी विदेश नीति में कुछ कमी आई है? इसपर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है .

यह तो रही हमारे पड़ोसी देशों के साथ समस्या की बात. जिसके कारणों को सरकार के उच्च पद पर बैठे राजनेताओं ने भी समझ लिया है, इसीलिए देश में यह कानाफूसी शुरू हो गई है कि भारत की विदेश नीति में निश्चित रूप से कोई कमी है जिसे हमारे विदेश मंत्री संभाल नहीं पा रहे हैं इसलिए इसमें बदलाव की जरूरत है. अब तो यहां तक चर्चा है कि कांग्रेसी नेता सांसद शशि थरूर को विदेश मंत्री के रूप में भाजपा में शामिल कराने का मन बना लिया है. कांग्रेस आजादी के दीवानों की पार्टी रही जिसे मिटाने की कोशिश वर्षों अंग्रेजों ने भी की थी, लेकिन वे सफल नहीं हो सके. ऐसा इसलिए कि मुख्यधारा से अपने को अवसरवादी लोग ही अलग करते हैं और फिर कुछ दिनों बाद समाज की सोच से बाहर भी हो जाते हैं . सरकार ने यही सोचकर एस जयशंकर को विदेश मंत्री बनाया था कि उन्होंने विदेश मंत्रालय में रहकर भारत के लिए काम किया है, लिहाजा वे सफल विदेशमंत्री रहेंगे. पर, अब हर तरफ से निराशा हाथ लगने के बाद केंद्र सरकार ने अपनी सोच को बदला है, अतः निकट भविष्य में कुछ न कुछ तो बदलाव अवश्य होगा .

वैसे इस बात को कोई स्वीकार करे या न करे, लेकिन सरकार ने देशहित में कुछ न कुछ ठोस कदम उठाने का फैसला कर ही लिया होगा. जिसकी परिणिति स्वरूप विदेश नीतियों में परिवर्तन और उधार पर सरकार और देश को चलाना छोड़ना पड़ेगा.

अब आप अमेरिकी संबंधों के बारे में जान ही चुके होंगे कि भारत के साथ- साथ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किस प्रकार नतमस्तक होने के लिए मजबूर किया. उसके बाद तो अब अति हो गई जब अमेरिका में उच्च पढ़ाई के लिए गए छात्रों के साथ किया जा रहा है. वहां अध्ययन के लिए गए भारतीय छात्रों को अब अपना पासपोर्ट लेकर बाजार और क्लास में जाना पड़ता है. अमेरिका का कहर इस तरह से बढ़ गया है कि जो छात्र अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम में स्वदेश आते हैं उन्हें पुनः वापस अमेरिका आने से वर्जित कर देता है. यहां तक कि सोशल मीडिया साइलेंस का पालन किया जाता है. राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का राज भारतीय छात्रों पर भारी पड़ रहा है. छात्रों के वीसा में सख्ती और डिपोर्ट किए जाने का खतरा बढ़ गया है.

ज्ञात हो कि अब पहले जैसी स्थिति नहीं रही. भारतीय छात्रों का अमेरिकन स्वप्न अधर में लटक गया है. अपने पड़ोसी सहित विश्व से दुश्मनी लेकर आखिर क्या हासिल होने वाला है? इस मुद्दे के हर पहलू पर जल्द से जल्द निर्णय लेना ही पड़ेगा अन्यथा विश्व से कट कर भारत अलग -थलग होकर क्या करेगा. वैसे इस बात को कोई स्वीकार करे या न करे, लेकिन सरकार ने अपने सहित देशहित में कुछ न कुछ ठोस कदम उठाने का फैसला कर ही लिया होगा. जिसकी परिणति स्वरूप विदेश नीतियों में परिवर्तन और उधार पर सरकार और देश को चलाना छोड़ना पड़ेगा, तभी हालात बदलेंगे. क्योंकि यह बदलाव का समय है और यह जरूरी भी है.

(लेखक वरिष्ट पत्रकार और स्तंभकार हैं)

आज का इतिहास

1456: जॉन ऑफ आर्क को उनकी मृत्यु के 25 साल बाद दोषमुक्त करार दिया गया.
1656: सिखों के आठवें गुरु हर किशन का जन्म.
1758: त्रावणकोर के निर्माता मार्तंड वर्मा का निधन.
1912: अमेरिकी खिलाड़ी जिम थोर्पे ने स्टॉकहोम ओलपिंक में 4 स्वर्ण जीता.
1928: स्लाइस्ड ब्रेड की पहली बार बिक्री हुई. ये मशीन से काट कर तैयार की गई.
1930: ब्रिटिश लेखक आर्थर कॉनन का निधन.
1948: बहुउद्देश्यीय परियोजना के लिए दामोदर घाटी निगम की स्थापना.
1978: सोलोमन द्वीप ने यूनाइटेड किंगडम से अपनी आजादी का ऐलान किया.
1985: महज 17 साल की उम्र में बोरिस बेकर ने विम्बलडन जीता.
1981: क्रिकेट के सफलतम खिलाड़ियों में शुमार महेंद्र सिंह धौनी का जन्म.
1999: परमवीर चक्र विजेता कैप्टन विक्रम बत्रा देश की रक्षा करते हुए शहीद हो गए.

चिंतन

कटु अनुभवों को पीछे छोड़ कर आगे बढ़ना ही श्रेयस्कर

एक कालेज स्टूडेंट था रवि. वह चुपचाप रहता था. किसी से ज्यादा बात नहीं करता था इसलिए उसका कोई दोस्त भी नहीं था. वह हमेशा परेशान सा रहता. पर लोग उस पर ध्यान नहीं देते. एक दिन वह क्लास में था. उसे गुमसुम देख कर सर उसके पास आए और क्लास के बाद मिलने को कहा. क्लास खत्म होते ही रवि सर के रूम में पहुंचा. रवि मैं देखता हूं कि तुम बड़े गुमसुम रहते हो, न किसी से बात करते हो और न ही किसी चीज में रुचि दिखाते हो! इसका क्या कारण है? सर ने पुछा.

रवि बोला, सर, मेरा पास्ट बहुत ही खराब रहा है, मेरी लाइफ में बड़ी दुखदायी घटनाएं हुई हैं, मैं उन्ही को सोच कर परेशान रहता हूं. सर ने ध्यान से रवि की बातें सुनी और उसे संडे को घर पे बुलाया. रवि नियत समय पर सर के घर पहुंच गया. रवि क्या तुम शिकंजी पीना पसंद करोगे? सर ने पूछा.जी, रवि ने कहा. सर ने शिकंजी बनाते वक्त जानबूझ कर नमक अधिक डाल दिया और चीनी की मात्रा कम ही रखी. शिकंजी का घूंट पीते ही रवि ने अजीब सा मुंह बना लिया. सर ने पूछा, क्या हुआ तुम्हे ये पसंद नहीं क्या? जी, वो इसमें नमक अधिक है. रवि ने कहा, तो सर ने कहा, ओह मैं इसे फेंक देता हूं, अब ये किसी काम की नहीं. सर गिलास उठा ही रहे थे कि रवि ने रोकते हुए कहा, सर नमक ज्यादा हो गया है तो क्या, हम इसमें थोड़ी और चीनी मिला दें तो ये बिलकुल ठीक हो जाएगा. बिलकुल ठीक, रवि यही तो मैं तुमसे सुनना चाहता था. अब इसको तुम अपनी लाइफ से कम्पेयर करो, शिकंजी में नमक ज्यादा होना लाइफ में हमारे साथ हुए बुरे अनुभव की तरह है. अब इसको समझो, शिकंजी का स्वाद ठीक करने के लिए हम नमक नहीं निकाल सकते, इसी तरह हम अपने साथ हो चुकी घटनाओं को जीवन से अलग नहीं कर सकते, पर जैसे हम चीनी डाल कर शिकंजी का स्वाद ठीक कर सकते हैं,उसी तरह पुरानी कड़वाहट मिटाने के लिए लाइफ में भी अच्छे अनुभवों की मिठास घोलनी पड़ती है. यदि तुम अपने भूत का ही रोना रोते रहोगे तो न तुम्हारा वर्तमान सही होगा और न ही भविष्य. सर ने बात पूरी की. रवि को अब अपनी गलती का एहसास हो चुका था, उसने मन ही मन एक बार फिर अपने जीवन को सही दिशा देने का प्रण लिया.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. श्यामा प्रसाद मुखर्जी
2.#KFIcriminalDarshan
3. भारतीय जनसंघ
4. #TollywoodUnderDBossFoot
5. #4thFoundationDayMinOfCoop
6. #DalaiLama90
7. #BenefitsOfMeditation
8. SANATANI PUSHKAR SINGH DHAMI
9. बाबू जगजीवन राम
10.Vrat Mahima

बहुरंग

सितारे ज़मीन पर का बॉक्स ऑफिस पर दबदबा कायम

आमिर खान की फिल्म 'सितारे जमीन पर' को रिलीज़ हुए 15 दिन पूरे हो चुके हैं. 20 जून को सिनेमाघरों में आई इस फिल्म ने पहले दिन से ही दर्शकों का दिल जीत लिया और बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है. काजोल की फिल्म 'मां' के सिनेमाघरों में दस्तक देने के बावजूद 'सितारे जमीन पर' अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है.

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, आमिर खान की फिल्म 'सितारे जमीन पर' ने अपनी रिलीज के 15वें दिन, यानी दूसरे शुक्रवार को 2.50 करोड़ रुपये की कमाई की. इसके साथ ही भारत में इस फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 137.90 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. 90 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म ने विदेशों में भी शानदार प्रदर्शन किया है. दुनियाभर में इसकी कुल कमाई अब तक 214.5 करोड़ रुपये हो चुकी है, जिससे यह साफ है कि फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है.

'सितारे जमीन पर' में पहली बार आमिर खान और जेनेलिया डिसूजा की जोड़ी सिल्वर स्क्रीन पर नजर आई है. फिल्म में जेनेलिया ने आमिर की पत्नी सुनीता की भूमिका निभाई है, जबकि आमिर एक बदनाम बास्केट बॉल कोच गुलशन के किरदार में दिखाई दे रहे हैं. इस फिल्म की कहानी डाउन सिंड्रोम पर आधारित है और इसे आरएस प्रसन्ना ने निर्देशित किया है. आमिर खान ने इस प्रोजेक्ट को अपनी पूर्व पत्नी किरण राव के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है.

अनुराग बसु ने तोड़ी चुप्पी, कार्तिक और श्रीलीला की जोड़ी पर कर दिया खुलासा

मशहूर फिल्ममेकर अनुराग बसु इन दिनों अपनी हालिया रिलीज़ फिल्म 'मेट्रो... इन दिनों' को लेकर चर्चा में हैं, जो 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई थी. इस फिल्म को लेकर दर्शकों और समीक्षकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है. अब अनुराग बसु अपनी अगली फिल्म की तैयारी में जुट चुके हैं. इस नई फिल्म में लीड रोल निभा रहे हैं कार्तिक आर्यन, जिनकी जोड़ी इस बार साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस श्रीलीला के साथ बनी है. श्रीलीला हाल ही में 'पुष्पा 2' के गाने 'किसिक' में नजर आई थीं और उन्होंने अपने डांस और अंदाज से सभी का दिल जीत लिया था. फिल्म को लेकर अनुराग बसु ने हाल ही में एक बड़ा अपडेट शेयर किया है, जिससे फैंस के बीच उत्साह और भी बढ़ गया है.

एक खास बातचीत में निर्देशक अनुराग बसु ने अपनी आगामी फिल्म को लेकर अहम जानकारी शेयर की. उन्होंने बताया कि वह बहुत जल्द कार्तिक आर्यन और श्रीलीला के साथ दोबारा शूटिंग शुरू करने वाले हैं. अनुराग ने कहा, फिल्म का आधा हिस्सा पहले ही शूट किया जा चुका है और बाकी का काम जल्द पूरा किया जाएगा. हम आने वाले दिनों में शूटिंग फिर से शुरू करेंगे और उम्मीद है कि एक महीने के भीतर फिल्म की शूटिंग पूरी हो जाएगी. अभी मेरा पूरा फोकस इस प्रोजेक्ट को बेहतरीन तरीके से पूरा करने पर है. बहुत जल्द हम फिल्म का टाइटल और रिलीज डेट भी अनाउंस करेंगे. यह फिल्म एक म्यूजिकल लव स्टोरी होगी, जिसका म्यूजिक मशहूर संगीतकार प्रीतम ने तैयार किया है. फिल्म को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं कि यह लोकप्रिय फ्रेंचाइजी 'आशिकी' का तीसरा भाग यानी 'आशिकी 3' हो सकती है. हालांकि, फिलहाल निर्माताओं की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. इस रोमांटिक फिल्म में पहली बार कार्तिक आर्यन और श्रीलीला की जोड़ी बड़े पर्दे पर नजर आएगी. खास बात यह है कि इसी फिल्म के जरिए श्रीलीला बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर रही हैं. फिल्म इस साल दिवाली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी.

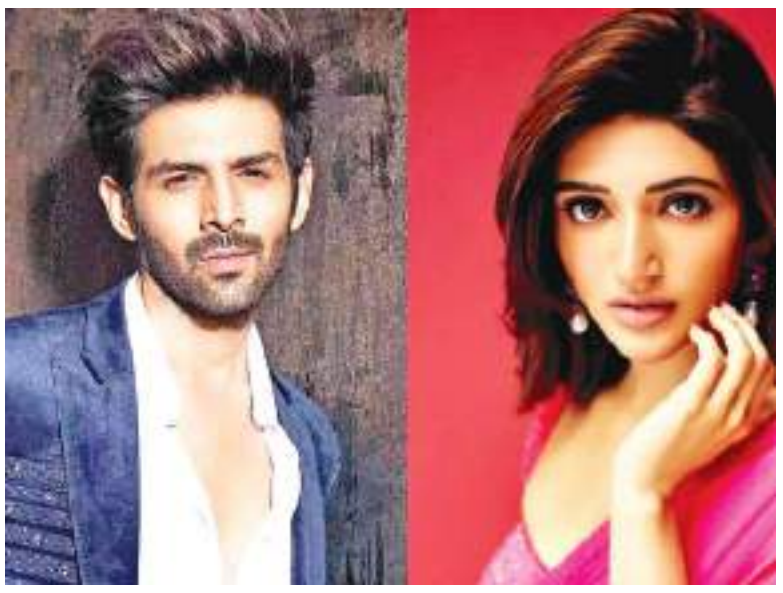

हॉलीवुड अभिनेता जूलियन मैकमोहन का निधन

हॉलीवुड से बेहद दुखद खबर सामने आई है. मशहूर अभिनेता जूलियन मैकमोहन का 56 साल की उम्र में निधन हो गया है. उन्हें फैंटास्टिक फोर जैसी लोकप्रिय फिल्मों में शानदार अभिनय के लिए जाना जाता था. जूलियन पिछले कुछ समय से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे.

उनके निधन की खबर से फिल्म इंडस्ट्री और उनके चाहने वालों में शोक की लहर दौड़ गई है. जूलियन मैकमोहन की पत्नी कैली मैकमोहन ने उनके निधन की खबर की पुष्टि की है. उन्होंने कहा, ₹कैंसर के खिलाफ एक बहादुर और लंबी लड़ाई के बाद जूलियन ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया. वह अपने जीवन, अपने काम, अपने प्रशंसकों और सबसे बढ़कर अपने परिवार से बेहद प्यार करते थे. हम इस कठिन समय में आपसे हमारी निजता का सम्मान करने की विनती करते हैं. जूलियन को चाहने वाले सभी लोगों से हमारा आग्रह है कि वे जीवन में उसी तरह खुश रहें, जैसे जूलियन हमेशा जिया करते थे.₹ इस बयान ने उनके प्रशंसकों और साथियों की आंखें नम कर दी हैं. जूलियन की यादें और उनका जिंदादिल स्वभाव हमेशा लोगों के दिलों में ज़िंदा रहेगा.मैकमोहन न सिर्फ बेहतरीन अभिनेता थे बल्कि प्रभावशाली विरासत से भी जुड़े थे. वह ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री विलियम मैकमोहन के बेटे थे. अपने करियर की शुरुआत उन्होंने मॉडलिंग से की और जल्द ही टीवी की ओर रुख किया. जूलियन की पहली फिल्म 'वेड एंड वाइल्ड समर' थी, जिसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा. उन्होंने अदर वर्ल्ड, चार्म्ड, एनअदर डे, प्रिजनर, फायर विद फायर जैसी कई यादगार फिल्मों और सीरीज़ में काम किया. लेकिन उन्हें असली वैश्विक पहचान साल 2005 में फिल्म 'फैंटास्टिक फोर' से मिली, जिसमें उन्होंने मशहूर किरदार विक्टर वॉन डूम की भूमिका निभाई थी.

बॉक्स ऑफिस रिव्यू

मेट्रो... इन दिनों की कमाई आई सामने

सारा अली खान और आदित्य रॉय कपूर स्टारर फिल्म मेट्रो... इन दिनों' शुक्रवार को रिलीज हो गई. अनुराग बसु द्वारा निर्देशित इस मल्टी-स्टारर फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं. हालांकि फिल्म में फातिमा सना शेख, अली फज़ल, नीना गुप्ता, कोंकणा सेन शर्मा, पंकज त्रिपाठी और अनुपम खेर जैसे दमदार कलाकार हैं, लेकिन पहले दिन के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन से साफ है कि फिल्म को ओपनिंग में खास फायदा नहीं मिला. रोमांस और इमोशंस से भरपूर यह म्यूज़िकल ड्रामा एक साथ कई कहानियों को पर्दे पर बुनने की कोशिश करता है, मगर बड़े नामों के बावजूद, शुरुआती आंकड़े उम्मीद से कम नजर आ रहे हैं. 'मेट्रो... इन दिनों' की पहले दिन की कमाईबॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के अनुसार, 'मेट्रो... इन दिनों' ने रिलीज़ के पहले दिन यानी शुक्रवार को करीब 3.35 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. फिल्म का अनुमानित बजट 85 करोड़ रुपये बताया जा रहा है, ऐसे में पहले दिन की कमाई को औसत ही माना जा रहा है. कई सितारों से सजी और अनुराग बसु जैसे अनुभवी निर्देशक की यह रोमांटिक म्यूज़िकल फिल्म दर्शकों से भावनात्मक जुड़ाव बनाने की कोशिश करती है, लेकिन ओपनिंग कलेक्शन उम्मीद से कुछ कम रहा. अब सभी की नजरें वीकेंड पर टिकी हैं, अगर वर्ड ऑफ माउथ पॉजिटिव रहा, तो फिल्म को उछाल मिल सकता है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे. सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी. आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी. यात्रा शुभ रहेगी. माता पक्ष से विशेष लाभ. कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी. चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी. शुभांक-2-4-5

वृष : विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा. लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं. मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा. समय पक्ष का बना रहेगा. कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी. लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे. शुभांक-2-3-7

मिथुन : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी. अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे. अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें. व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी. आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी. शुभांक-2-3-5

कर्क : अपने काम को प्राथमिकता से करें. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे. कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं. कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे. पुराने मित्र से मिलन होगा. स्वविवेक से कार्य करें. आत्मविश्वास बढ़ेगा. शुभांक-3-4-6

सिंह : धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी. निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है. कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी. अपने काम पर ध्यान दीजिए. शुभांक-1-3-4

कन्या : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा. समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है. कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा. जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा. इच्छित कार्य सफल होंगे. शुभांक-2-5-7

तुला : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे. महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. पुराने मित्र मिलेगें. शुभांक-3-6-8

वृश्चिक : शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे. भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. मेलजोल से काम बनाने की कोशिश सफल होगी. शुभांक-3-6-7

धनु : कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें. किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है. धार्मिक कार्यों में समय और धन व्यय होगा. कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है. इच्छित कार्य सफल होंगे. शुभांक-2-4-6

मकर : यात्रा शुभ रहेगी. अपने काम पर पैनी नजर रखिए. विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. अपने काम को प्राथमिकता से करें. आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी. अपने काम पर ध्यान दीजिए. शुभांक-4-5-6

कुंभ : शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी. लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी. इच्छित कार्य सफल होंगें. शुभांक-3-6-7

मीन : मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी. महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें, उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा. भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. इच्छित कार्य सफल होंगे. आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी. शुभांक-1-3-5

हॉस्पिटल मैनेजमेंट का कोर्स कर कॅरियर को दें नई उड़ान

हॉस्पिटल मैनेजमेंट को हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन और हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन के तौर पर भी जाना जाता है। इसका काम हॉस्पिटल में सभी व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से चलवाना है। इस कोर्स को करने के लिए स्टूडेंट का 12वीं कक्षा साइंस स्ट्रीम के साथ पास होना जरूरी है।

कोरोना महामारी के बाद हेल्थ सेक्टर में कई बड़े बदलाव हुए है। साथ ही कॅरियर के तौर पर भी कई ऑप्शन सामने आए हैं। बता दें कि पहले नर्सिंग और एमबीबीएस कर मेडिकल सेक्टर में कॅरियर बनाया जा सकता था। लेकिन अब इस सेक्टर में मेडिकल की डिग्री के बिना भी आप अपना कॅरियर बना सकते हैं। इन्हीं में से एक कॅरियर ऑप्शन हॉस्पिटल मैनेजमेंट का है। हॉस्पिटल मैनेजमेंट को हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन और हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन के तौर पर भी जाना जाता है। इस सेक्टर से जुड़े लोगों के अनुसार, स्वास्थ्य संबंधित सेवाओं के विस्तार के अलावा हॉस्पिटल मैनेजमेंट के क्षेत्र में भी काम बढ़ रहा है। आइए जानते हैं आप कैसे इस सेक्टर में अपना कॅरियर शुरू कर सकते हैं।

जानिए क्या है हॉस्पिटल मैनेजमेंट

हॉस्पिटल मैनेजमेंट हेल्थ केयर एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट के क्षेत्र में आता है। इसका काम हॉस्पिटल में सभी व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से चलवाना है। इसके अलावा इसका काम यह सुनिश्चित करना है कि हॉस्पिटल आने वाले मरीजों और वहां काम करने वाले कर्मचारियों को किसी तरह की कोई समस्या ना हो। हॉस्पिटल मैनेजमेंट टीम इन व्यवस्थाओं को सुनियोजित करने का काम भी करती है।

अहम है यह फील्ड

हॉस्पिटल मैनेजमेंट के तहत हॉस्पिटल में चलने वाली कैंटीन से लेकर लिफ्ट लॉक का कार्यभार ही आता है। किसी भी संचालन में कमी और अस्पताल में होने वाले हादसों की जिम्मेदारी भी हॉस्पिटल मैनेजमेंट की होती है। एक सर्वे के मुताबिक भारत में साल 2025 तक 10 लाख से ज्यादा हॉस्पिटल मैनेजर्स की जरूरत होगी।

हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स

कई संस्थान हॉस्पिटल मैनेजमेंट में बैचलर की डिग्री देते हैं। यह कोर्स 3 साल का होता है। इसके अलावा आप इसमें प्रोफेशनल कोर्स में मास्टर्स डिग्री भी प्राप्त कर सकते हैं। वर्तमान समय में हॉस्पिटल मैनेजमेंट के कोर्स में एमबीए वालों को प्राथमिकता दी जा रही है। वहीं प्राइवेट संस्थान हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स डिप्लोमा सर्टिफिकेट भी देते हैं।

क्वालिफिकेशन

हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स करने के लिए स्टूडेंट का 12वीं कक्षा साइंस स्ट्रीम के साथ पास होना आवश्यक होता है। यह कोर्स करने के लिए छात्र के 12वीं में बायोलॉजी में न्यूनतम 50% अंक होने जरूरी है। कुछ शैक्षणिक संस्थान इंटरव्यू और टेस्ट के आधार पर भी इस कोर्स में दाखिला देते हैं।

सैलरी

हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स करने के बाद उम्मीदवार 40 से 50 हजार रुपये प्रतिमाह कमाने का मौका मिलता है। इसके अलावा सरकारी संस्थान में एक से डेढ़ लाख रूपए महीने की सैलरी उठा सकते हैं। समय और अनुभव बढ़ने के साथ ही सैलरी में भी बढ़ोतरी होती जाएगी।

क्या आप ओलंपियाड में सफलता चाहते हैं

किसी योजना के बिना लक्ष्य केवल इच्छा मात्र है। जैसा कि हम सभी जानते हैं, ओलंपियाड, जैसे साइंस ओलंपियाड, मैथेमेटिकल ओलंपियाड या अस्ट्रोनोमी ओलंपियाड, छात्रों के लिए भारत और विदेशों में होने वाली चुनौतीपूर्ण प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए खुद को तैयार करने के लिए सीखने के बहुत ही बेहतरीन अवसर हैं। ये परीक्षाएं न केवल छात्र के आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद करती हैं, बल्कि उन्हें अपनी खुद की क्षमता को चुनौती देने और आत्म-मूल्यांकन करने और परिपक्व होने में भी मदद करती है। लगभग हर छात्र अपने स्कूल में कम से कम एक ओलंपियाड में हिस्सा अवश्य लेता है लेकिन ओलंपियाड में हिस्सा लेना अंधेरे में तीर चलाने की तरह नहीं होना चाहिए। कोई भी प्रतिस्पर्धी / शैक्षिक परीक्षा में सफल होने के लिए आपको सही रणनीति, विचित दृष्टिकोण, समर्पण और लक्ष्य अपनाना चाहिए। यहां उन बिंदुओं की सूची दी गई है जो आपको ओलंपियाड के लिए अच्छी तरह से तैयार करने में मदद करेंगे और आप अपने इस रास्ते में किसी भी बड़ी बाधा का सामना किए बिना आपके निर्धारित लक्ष्य को हासिल करके विजेता के रूप में उभरेंगे।

तैयारी की शुरूआत जल्द करें

किसी कार्य की शुरूआत करने का कोई खास दिन नहीं होता है। आज से आप शुरूआत कर सकते हैं–जैसे ही आप अपने लक्ष्य निर्धारित कर लेते हैं, आप अपने लक्ष्य को पार करने के प्रति अपने को अनुकूल बनाने लगते हैं। आप केवल अपनी तैयारी थोड़ा पहले शुरू करें। जल्द तैयारी शुरू करना केवल ओलंपियाड में सफल होने की कुंजी नहीं है, बल्कि हर प्रतिस्पर्धी/शैक्षिक परीक्षा में उत्कृष्टता हासिल करने की कुंजी है। अगर आप जल्द तैयारी शुरू करते हैं तो आप सही समय पर अपनी तैयारी पूरी कर लेंगे और आप समय से पहले नहीं थकेंगे। आप अपने को भरपूर समय दें, अपनी प्रगति को देखें तथा अपने लक्ष्य पर नजर रखें। याद रखें कि दुनिया भर में लाखों छात्र ओलंपियाड देते हैं। यह इस बात का संकेत है कि आप जिन सवालों को लेकर अभ्यस्त हैं उनसे कहीं कठिन सवाल इसमें पूछे जाने वाले हैं। इसलिए आपको हर कंसेप्ट को पूरी तरह से समझने के लिए समय चाहिए।

सही दृष्टिकोण अपनाएं

अपने जीवन में अपनी सबसे बड़ी क्षमता प्राप्त करने की दिशा में आप जो सबसे महत्वपूर्ण कदम उठा सकते हैं उनमें से एक है सकारात्मक दृष्टिकोण हासिल करने के बारे में सीखना। सकारात्मक दृष्टिकोण का असर आपके प्रदर्शन और आपके आसपास की हर चीज पर पड़ता है। इसलिए आप इससे पहले की अकादमिक उत्कृष्टता की ओर बढ़ें, आपके लिए दृष्टिकोण को सही तरीके से प्राप्त करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। लक्ष्य की ओर एक आशावादी दृष्टिकोण अपनाने से आपको सही उत्साह और जुनून के साथ मार्ग में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

सुनहरे कल की ओर बढ़ने के लिए आपके लिए यह जरूरी है कि आज आप अपने को सुव्यवस्थित करें। पढ़ाई के प्रति गंभीर हर छात्र अपनी अकादमिक सफलता का सपना देखता है और इस सपने को साकार करने के लिए यह जानना जरूरी है कि सफलता के मार्ग पर कैसे बढ़ें और कैसे एक सफल रणनीति बनाएं। यदि आप ओलंपियाड में महत्वाकांक्षी सफलता चाहते हैं, आपके लिए रणनीतिक योजना बनाना जरूरी हो जाता है।

अपने पाठ्यक्रम को जानें

आप अपने क्लास नोट्स तथा एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों को पूरी तरह से पढ़ें। आप अपने बेसिक को मजबूत करें। यदि आप कंसेप्ट्स को अच्छी तरह से जानते हैं, तो आप किसी भी प्रश्न का उत्तर दे सकते हैं, यहां तक कि घुमाकर पूछे जाने वाले मुश्किल सवाल का जवाब भी बता सकते हैं। विज्ञान और गणित जैसे विषयों में आपको अपनी नींव मजबूत बनानी चाहिए। तैयारी करने की युक्तियों को तर्कसंगत बनाने के लिए, परीक्षा के पाठ्यक्रम और पैटर्न को अच्छी तरह से जानना जरूरी है। सुनिश्चित करें कि आप जिस कठिनाई के स्तर वाली सामग्रियों / विषयों से अवगत हुए हैं वे वास्तविक परीक्षा के साथ भी जुड़े हैं।

ओलंपियाड के लिए सही अध्ययन सामग्रियां खोजने के लिए कुछ महत्वपूर्ण बातें

पाठ्यक्रम और सैम्पल पेपर डाउनलोड करें

इंटरनेट पर कई विश्वसनीय वेबसाइट या ऑनलाइन रिसोर्स हैं जहां से आप परीक्षा के विभिन्न सैम्पल पेपर डाउनलोड कर सकते हैं जो आपको अपनी तैयारी को मापने और परीक्षा का सही रुझान हासिल करने में मदद करेंगे।

मॉक टेस्ट लें

अगर आप मॉक टेस्ट लेते हैं तो इससे आपको कमजोर विषयों का पता लगाने तथा उन विषयों में और तैयारी करने में मदद मिलेगी। यह आपको ओलंपियाड तैयारी के लिए आवश्यक समय निर्धारित करने में मदद करेगा।

गाइड करने वाले सही सलाहकार खोजें

आज के गलाकाट प्रतिस्पर्धी माहौल में, आपके पास एक सही सलाहकार होना आवश्यक है जो आपका मार्गदर्शन कर सके और आपको अंतिम सफलता की ओर अग्रसर करते हुए आपकी पढ़ाई पर भी नजर रख सके। एक अच्छा सलाहकार आपको विशिष्ट कौशल और ज्ञान सीखने और विकसित करने में मदद करेगा। तो, आप एक ऐसा शिक्षक ढूंढें जो अच्छा हो और जो आपके वर्तमान स्तर और वांछित स्तर के बीच के अंतर को जान सके और आपको अपने सपनों के लक्ष्य की ओर बढ़ता देख सके।

अपने शेड्यूल का पालन करें और अपनी तैयारी रणनीति की निगरानी करें

यह वह समय है जब आपने अपने लिए एक रणनीति या शेड्यूल तैयार किया होता है। आप उस शेड्यूल का पालन करें और इससे दूर होने से बचें। सफलता के लिए आपके दृढ़ संकल्प की जरूरत होती है। दृढ़ रहें और अपने शेड्यूल का पालन करते हुए परीक्षा के दिन अधिक से अधिक बेहतर प्रदर्शन करें। एक बार जब आप तैयारी पथ पर चलना शुरू कर देते हैं, तो अपनी प्रगति की निगरानी करना न भूलें। यह सुनिश्चित करने के लिए कि आप सही दिशा में जा रहे हैं इसके लिए आप आपने कौशल एवं ज्ञान का नियमित तौर पर परीक्षण करें।

अपने स्वास्थ्य पर नजर रखें

काम ही काम, न कोई मौज न आराम, फिर कैसे चमके चिप्पू राम। यह एक पुरानी कहावत हो सकती है लेकिन आज भी यह कहावत काम लायक है। उत्कृष्टता हासिल करने के प्रयास में, आपको अपने स्वास्थ्य की अनदेखी नहीं करनी चाहिए। आप ऐसा कठोर शेड्यूल नहीं बनाए कि आपका स्वास्थ्य ही प्रभावित होने लगे। रोजाना समुचित व्यायाम करें, स्वास्थवर्द्धक आहार लें और छोटा ब्रेक लें।

ओलंपियाड के लिए त्वरित टिप्स और ट्रिक्स

सीखने के लिए सबसे बढ़िया दृष्टिकोण अपनाएं। निर्धारित पुस्तकों को पढ़े तथा चरणबद्ध तरीके से सभी क्षेत्रों में अच्छी तरह से महारत हासिल करें। ओलंपियाड पर ऑनलाइन मंच / वैट पर बहुत अधिक समय व्यतीत करने से बचें, क्योंकि वे कभी-कभी अप्रासंगिक हो सकते हैं। ओलंपियाड प्रैक्टिस पेपर और ओलंपियाड सैम्पल पेपर के महत्व को कभी भी कम करके नहीं आंके। ये ओलंपियाड तैयारी के लिए अंतिम गाइडपोस्ट हैं। इनका नियमित तौर पर प्रैक्टिस करें तथा हर बार अपने स्कोर में सुधार करने की कोशिश करें। प्रतिशत स्कोर आपको यह पता लगाने में मदद करता है कि आप फोरम में दूसरों की तुलना में कहां खड़े हैं, इसलिए, उन्हें गंभीरता से लें और धीरे-धीरे अपना रास्ता तैयार करें लेकिन निश्चित रूप से सफलता की दिशा में।

परीक्षा पैटर्न – सही परिप्रेक्ष्य में इसे जानें

ओलंपियाड अलग-अलग के बजाय निर्धारित पैटर्न का पालन करता है और इसमें निश्चित संख्या में सवाल होते हैं जैसा कि पहले ही प्रासंगिक वेब साइट / वीडियो सर्कुलर के जरिए घोषित किया जा चुका है। प्रथम स्तर की परीक्षा में आपके प्रदर्शन के आधार पर, आपको रैंक दिया जाता है। यह रैंक निर्धारित करता है कि आप दूसरी स्तर की परीक्षा के लिए अर्हता प्राप्त करते हैं या नहीं। प्रथम स्तर की परीक्षा में भाग लेने वाले छात्रों के कक्षा वार प्रथम पूर्व निर्धारित प्रतिशत तथा राज्य वार शीर्ष निर्धारित निर्दिष्ट रैंक धारकों को अगले स्तर के लिए अर्हता प्राप्त होती है। परीक्षा पैटर्न के बारे में ज्ञान रखने से आपको सही स्वभाव में मदद मिलेगी। आप सफलता हासिल करेंगे या नहीं, सब कुछ आप पर निर्भर है। इसलिए आप धैर्य रखें और आत्मविश्वास रखें। आप आसानी से सफलता हासिल कर सकेंगे। जब ओलंपियाड में सफलता की बात आती है, तो यह आपको सीखने और अभ्यास के प्रति केंद्रित दृष्टिकोण के साथ अभ्यास और स्मार्ट तरीके से काम करना जरूरी है। जब आप ओलंपियाड के लिए तैयारी कर रहे होते हैं तो खुद को ओवरस्ट्रेस न करें। बस अपने प्रयासों को सही दिशा में रखें और आप सफल होने के लिए निश्चित रहेंगे।

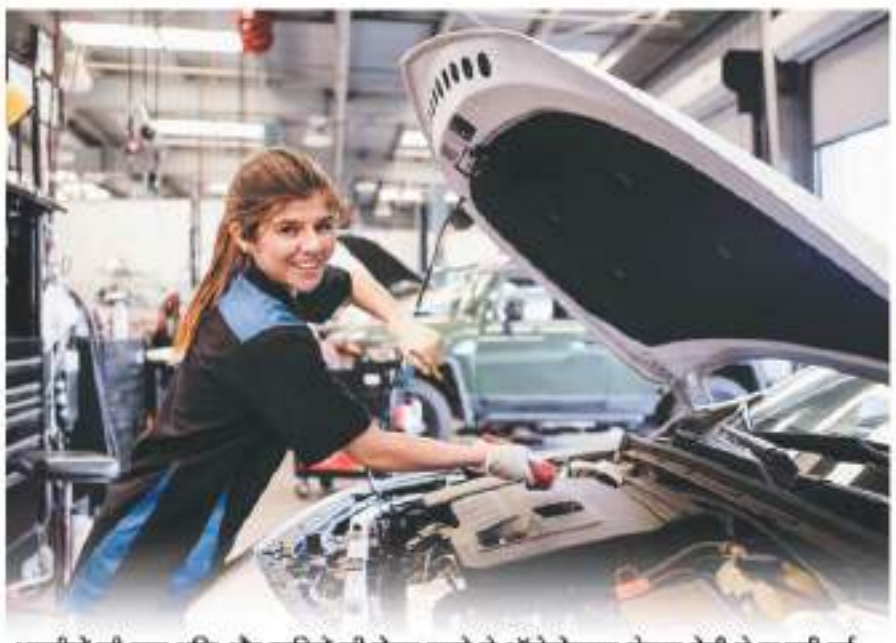

ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग करियर को दें रफ्तार

भारतीयों की क्रय शक्ति और गाड़ियों की सेल्स बढ़ने से ऑटोमोबाइल सेक्टर तेजी से उभरती हुई इंडस्ट्री बन गया है। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर ऑटो सेक्टर सबसे ज्यादा लोगों को रोजगार देता है। कहते हैं कि किसी भी ऑटो कंपनी में एक जॉब क्रिएट होने का मतलब है, तीन से पांच इनडायरेक्ट जॉब ऑपर्चुनिटी का खुलना। जिस तरह से मार्केट में देशी-विदेशी कंपनियों की नई इनोवेटिव कारें लॉन्च हो रही है, उसे देखते हुए ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। अगर आपको भी कार का पैशन है। मैकेनिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और मैथमेटिक्स में दिलचस्पी है, तो ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग के साथ करियर को रफ्तार दे सकते हैं।

अगर आप इनोवेटिव और क्रिएटिव माइंडेड है, तो ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग का करियर अपना सकते हैं। इस फील्ड में शानदार पे-पैकेज के अलावा, जॉब की भरपूर संभावनाएं हैं।

एक ऑटोमोबाइल इंजीनियर पर कई प्रकार की जिम्मेदारियां होती हैं। उन्हें कम लागत में बेहतरीन ऑटोमोबाइल डिजाइन करना होता है। इसलिए इंजीनियरों को सिस्टम और मशीनों से संबंधित रिसर्च और डिजाइनिंग में काफी समय देना पड़ता है। पहले ड्रॉइंग और ब्लूप्रिंट तैयार किया जाता है। इसके बाद इंजीनियर्स उनमें फिजिकल और मैथमेटिकल प्रिंसिपल्स अप्लाई कर उसे डेवलप करते हैं। इस तरह ऑटोमोबाइल इंजीनियरों प्लानिंग, रिसर्च वर्क के बाद एक फाइनल प्रोडक्ट तैयार करते हैं, जिसे मैन्युफैक्चरिंग के लिए भेजा जाता है। वहां भी उन्हें पूरी निगरानी रखनी होती है। व्हीकल बनने के बाद उसकी टेस्टिंग करना इनकी ही जवाबदेही होती है, जिससे कि मार्केट से कोई शिकायत न आए।

स्पेशलाइजेशन फायदेमंद

अगर कोई ऑटोमोबाइल इंजीनियर किसी खास एरिया में स्पेशलाइजेशन करता है, तो इससे उन्हें काफी फायदा होता है। मार्केट में उनकी एक अलग पहचान बनती है, जैसे–ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स एग्जॉस्ट सिस्टम, इंजन और स्ट्रक्चरल डिजाइन में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं।

बेसिक स्किल्स

ऑटोमोबाइल इंजीनियर बनने के लिए आपके पास टेक्निकल के साथ-साथ फाइनेंशियल नॉलेज होना भी जरूरी है। आपको जॉब के कानूनी पहलुओं से अपडेट रहना होगा। इसके अलावा, इनोवेटिव सोच और स्ट्रॉन्ग कम्युनिकेशन स्किल आगे बढ़ने में मदद करेगी। इस फील्ड में डयूटी ऑवर्स काफी लंबे होते हैं। इसलिए आपको प्रेशर और डेडलाइंस के तहत काम करना आना चाहिए।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन

केमिस्ट्री, मैथ्स, फिजिक्स में दिलचस्पी रखने वाले युवा ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में करियर बना सकते हैं। इसके लिए 10वीं के बाद डिप्लोमा भी किया जा सकता है या फिर आप ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग के कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं। हां, बीई या बीटेक करने के लिए आपका मैथ्स, फिजिक्स, केमिस्ट्री, कंप्यूटर साइंस जैसे सब्जेक्ट्स के साथ 12वीं होना जरूरी है। आप ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में स्नातक के बाद ऑटोमोटिव्स या ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग में एमई या एमटेक भी कर सकते हैं। अगर विशेषज्ञता हासिल करनी हो, तो पीएचडी भी की जा सकती है। बीई या बीटेक में एंट्री के लिए आईआईटी, जेइइ, एआईईईई, बिटसेट आदि अखिल भारतीय या राज्य स्तर की प्रवेश परीक्षाएं देनी होती हैं।

नौकरी की संभावनाएं

ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में विभिन्न प्रकार की संभावनाएं मौजूद हैं। कार बनाने वाली कंपनी से लेकर सर्विस स्टेशन, इंश्योरेंस कंपनीज, ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन में ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स के लिए काफी मौके हैं। इसके अलावा, जिस तरह से सड़कों पर गाड़ियों की संख्या बढ़ रही है, उनकी मेंटिनेंस और सर्विसिंग करने वाले प्रोफेशनल्स की मांग में भी बढ़ोतरी हो रही है। आप ऑटोमोबाइल टेक्निशियन, कार या बाइक मैकेनिक्स, डीजल मैकेनिक्स के रूप में काम कर सकते हैं। आप किसी ऑटो कंपनी में सेल्स मैनेजर, ऑटोमोबाइल डिजाइंस पेन्ट स्पेशलिस्ट भी बन सकते हैं।

सैलरी पैकेज

एक ग्रेजुएट ऑटोमोबाइल इंजीनियर ट्रेनिंग के समय से ही कमाना शुरू कर देता है। कहने का मतलब यह कि ट्रेनिंग के दौरान कंपनियां उन्हें 15 से 30 हजार रुपये तक का स्टाइपेंड आसानी से दे देती है। अगर नौकरी कंफर्म हो गई, तो सैलरी खुद-ब-खुद बढ़ जाती है। वैसे, इंडिया में एक ऑटोमोबाइल इंजीनियर को सालाना 3 से 8 लाख रुपये मिल जाते हैं। सबसे ज्यादा सैलरी व्हीकल मैन्युफैक्चरर देते हैं। इसके बाद प्रोडक्ट डेवलपमेंट और इंजीनियरिंग फर्म्स भी उन्हें अच्छा पे-पैकेज ऑफर करती है।

रिकॉर्डतोड़ शतक के बाद वैभव सूर्यवंशी का अगला लक्ष्य

अगले मैच में दोहरा शतक मारने की करूंगा कोशिश

एजेंसी। नई दिल्ली

इंग्लैंड अंडर 19 टीम के खिलाफ चौथे यूथ वनडे मैच में 143 रन की रिकॉर्डतोड़ पारी खेलने वाले वैभव सूर्यवंशी ने अपने अगले लक्ष्य को लेकर खुलासा किया है. उन्होंने कहा है कि वह अगले मैच में 200 रन मारने की कोशिश करेंगे. भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने शनिवार को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की यूथ वनडे सीरीज के चौथे मुकाबले में सबसे तेज शतक जड़कर नया कीर्तिमान बनाया.

सूर्यवंशी ने महज 52 गेंदों में शतक पूरा किया और पाकिस्तान के

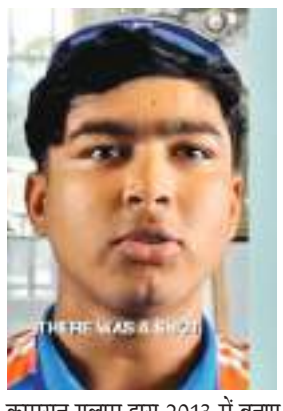

कामरान गुलाम द्वारा 2013 में बनाए गए 53 गेंदों के पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया. युवा बल्लेबाज ने मैच में 78 गेंदों पर 143 रन की धमाकेदार पारी खेली, जिसमें 13 चौके और 10 छक्के शामिल थे.अपने रिकॉर्डतोड़ शतक को लेकर बात करते हुए वैभव बताया है कि उनका अगला लक्ष्य दोहरा शतक लगाना है. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर शेयर किए गए वीडियो में वैभव ने कहा कि मुझे पता नहीं था कि 100 बनाने के बाद मैंने रिकॉर्ड बनाया है, हमारे टीम मैनेजर अंकित सर ने मुझे बताया.भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल से वैभव सूर्यवंशी को काफी इंस्पिरेशन मिली है. गिल ने जब इंग्लैड के खिलाफ एजबेस्टन टेस्ट में दोहरा शतक लगाया तो वैभव वहां मौजूद थे. वैभव ने कहा, ₹काफी इंस्पिरेशन मिला उनसे, मैने गेम देखा, 100 और 200 बनाने के बाद भी उन्होंने गेम छोड़ा नहीं और टीम को आगे ले गए.143 रन पर आउट होने को लेकर वैभव ने कहा, मैं और लंबा कर सकता था क्योंकि काफी टाइम था मेरे पास, 20 ओवर बचे थे. अपनी पारी को लंबा कर सकता था. एक शॉट था जो मैं 100 प्रतिशत नहीं दे पाया जिसकी वजह से मैं आउट हो गया.वैभव सूर्यवंशी ने अपने अगले लक्ष्य को लेकर कहा, अगले मैच में ट्राई करूंगा कि 200 करूं और पूरे 50 ओवर खेलूं. जितने मैं रन करूं उतना टीम को फायदा होगा तो अगले मैच में मैं कोशिश करूंगा पूरा मैच खेलूं, यही मेरा फोकस रहेगा.

सीरीज में शानदार प्रदर्शन

इंग्लैंड के खिलाफ जारी पांच मैचों की यूथ वनडे सीरीज में वैभव सूर्यवंशी बेहतरीन फॉर्म में हैं. चौथे वनडे से पहले युवा बल्लेबाज ने 48, 45 और 86 रन बनाए थे. चौथे मैच में 143 रन की पारी खेलने के साथ वह सीरीज में अबतक कुल 322 रन बना चुके हैं.बात करें इस सीरीज की तो पांच मैचों की इस सीरीज में भारतीय टीम ने चौथे मैच में जीत के साथ 3-1 से अजेय बढ़त हासिल कर ली है.

यूरोप में अनिमेष कुजूर-मोहम्मद अफसल का कमाल

अलग-अलग स्पर्धाओं में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़े

एजेंसी। नई दिल्ली

स्टार धावक अनिमेष कुजूर ने शनिवार को यूनान में ड्रोमिया इंटरनेशनल स्प्रिंट एंड रिलेज मीटिंग प्रतियोगिता में 10.18 सेकेंड के शानदार समय के साथ 100 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया. 22 वर्षीय कुजूर ने यूनान की राजधानी एथेंस में गुरिंदरवीर सिंह के 100 मीटर के पहले के राष्ट्रीय रिकॉर्ड 10.20 सेकेंड को बेहतर बनाया.यूनान के सोटिरियोस गारगागनिस (10.23 सेकेंड) और सैमुली सैमुएलसन (10.28 सेकेंड) विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर सिल्वर लेबल मीट में क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे. कुजूर के नाम अब 100 मीटर और 200 मीटर दोनों राष्ट्रीय रिकॉर्ड हैं. उन्होंने मई में दक्षिण कोरिया में एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के पुरुषों की 200 मीटर फ़ाइनल में 20.32 सेकेंड का समय निकाल पिछला राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था.इससे पहले एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता मोहम्मद अफसल ने अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया और पोलैंड के पोजनान में मेमोरियल चेस्लावा साइबुलस्कीगो में पुरुषों की 800 मीटर दौड़ में 1:45 मिनट के अंदर का समय निकालने वाले पहले भारतीय बन गए. अफसल ने हांग्झोउ में 2022 एशियाई खेलों में रजत पदक जीता था. उन्होंने 1:44.96 मिनट का समय निकाला और टूर्नामेंट की हीट ए 1 में छठे स्थान पर रहे.

भारत का टूर्नामेंट में सफर समाप्त

सेमीफाइनल में जापान के निशिमोटो से हारे श्रीकांत

एजेंसी। कैलगरी

भारत के किदांबी श्रीकांत शनिवार को कनाडा ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जापान के केंटा निशिमोटो से 21-19, 14-21, 18-21 से हार गए. उनकी हार के साथ ही कनाडा ओपन में भारत की चुनौती समाप्त हो गई.श्रीकांत ने पहला गेम 21-19 से जीतकर मुकाबले की मजबूत शुरुआत की थी, लेकिन उनके जापानी प्रतिद्वंद्वी ने अगले दो गेम में कड़ी टक्कर दी और एक घंटे 18 मिनट तक चले गेम को जीत लिया. एक वक्त निर्णायक गेम में स्कोर 18-18 से बराबर हो गया था. हालांकि, इसके बाद निशिमोटो ने कमजोर रिटर्न पर अटैक किया और फिर श्रीकांत ने दो बार शॉट वाइड मारकर मैच जापानी खिलाड़ी के झोली में डाल दिया. इससे पहले, पूर्व विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता, जो इस साल मई में मलयेशिया मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे थे, ने शुक्रवार को 43 मिनट के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में दुनिया के छठे नंबर के खिलाड़ी चोउ टिएन-चेन को 21-18, 21-9 से हराया था.2022 विश्व जूनियर चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यन ने 79 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल में निशिमोटो से 15-21, 21-5, 17-21 से हारने से पहले शानदार टक्कर दी थी.

महिला एकल में, श्रेयांशी वलीशेट्टी का प्रभावशाली प्रदर्शन डेनमार्क की अमाली शुल्ज से हारने के बाद समाप्त हो गया.

विंबलडन में जोकोविच की खास उपलब्धि

100 जीत दर्ज करने वाले में दुनिया के तीसरे खिलाड़ी बने

एजेंसी ।लंदन

नोवाक जोकोविच विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के इतिहास में 100 जीत दर्ज करने वाले दुनिया के तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं. उन्होंने तीसरे दौर में सर्बिया के हम वतन खिलाड़ी मिओमिर केकमानोविच पर 6-3, 6-0, 6-4 से जीत के साथ यह उपलब्धि हासिल की. उनसे पहले मार्टिना नवरातिलोवा और रोजर फेडरर इस मुकाम पर पहुंचे थे.जोकोविच ने अपने 24 ग्रैंड स्लैम खिताबों में से सात ऑल इंग्लैंड क्लब में जीते हैं. उन्होंने शनिवार को केकमानोविच के खिलाफ सेंटर कोर्ट पर पहले सेट में 3-3 के स्कोर से लगातार नौ गेम जीतकर आसानी से अगले दौर में प्रवेश किया. जोकोविच ने कोर्ट पर दिए साक्षात्कार में कहा, 'मैं अपने पसंदीदा टूर्नामेंट में जो भी इतिहास बनाऊंगा, उसके लिए मैं आभारी हूं.'अपना 20वां विंबलडन टूर्नामेंट खेल रहे 38 वर्षीय जोकोविच का अगला मुकाबला 11वें नंबर के एलेक्स डी मिनाउर से होगा. महिला वर्ग में नौ बार विंबलडन एकल चैंपियन रहीं नवरातिलोवा ने 120 एकल जबकि पुरुष वर्ग में आठ बार के चैंपियन फेडरर ने 105 एकल मैच में जीत दर्ज कीं.वहीं, युकी भांबरी विंबलडन में बचे रहने वाले एकमात्र भारतीय हैं. उन्होंने शनिवार को अपने अमेरिकी जोड़ीदार रॉबर्ट गैलोवे के साथ पुरुष युगल के तीसरे दौर में प्रवेश किया. 16वीं वरीयता प्राप्त भांबरी-गैलोवे की जोड़ी ने पुर्तगाल के नूनो बोर्गेस और मार्कोस गिरोन को डेढ़ घंटे में 6-3, 7-6 (8-6) से हराया. अब उनका सामना प्री क्वार्टर फाइनल में स्पेन के मार्सेलो ग्रैनोलर्स और अर्जेंटीना के होरासियो जेबेलोस से होगा.हालांकि, अन्य परिणाम भारत के पक्ष में नहीं गए क्योंकि एन श्रीराम बालाजी और ऋत्विक बोलिपल्ली अपने-अपने जोड़ीदारों के साथ बाहर हो गए. बालाजी और उनके मैक्सिकन जोड़ीदार मिगुएल रेयेस-वरेला ने पहले कोर्ट पर कदम रखा और चौथी वरीयता प्राप्त मार्सेल ग्रैनोलर्स और होरासियो जेबालोस के खिलाफ कड़ी टक्कर दी, लेकिन दूसरे दौर में स्पेनिश-अर्जेंटीना की जोड़ी से एक घंटे और 20 मिनट में 4-6, 4-6 से हार गए.बोलीपल्ली और उनके कोलंबियाई जोड़ीदार निकोलस बैरिएंटोस ने भी छठी वरीयता प्राप्त ब्रिटिश जोड़ी जो सैलिसबरी और नील स्कूप्स्की के खिलाफ़ कड़ी टक्कर दी, लेकिन दूसरे दौर में एक घंटे और 47 मिनट में 4-6, 6-7 (9) से हार गए. रोहन बोपन्ना पहले दौर में हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गए थे. इस बीच, लड़कों के एकल में, कृष त्यागी चेक गणराज्य के जान कुमस्टैट के खिलाफ 3-6, 3-6 से हारकर पहले दौर से बाहर हो गए.

बालाजी और बोलिपल्ली को झटका

अपनी-अपनी जोड़ियों के साथ विंबलडन से बाहर

एजेंसी ।लंदन

- भारत और कोलंबिया के खिलाड़ियों की जोड़ी को हालांकि एक घंटे 47 मिनट के मुकाबले में 4-6, 6-7 से हार का सामना करना पड़ा.

भारत के एन श्रीराम बालाजी और रित्विक बोलिपल्ली विम्बलडन पुरुष युगल के दूसरे दौर में शनिवार को यहां अपनी-अपनी जोड़ियों के साथ हार कर टूर्नामेंट से बाहर हो गये. बालाजी और मैक्सिको के उनके जोड़ीदार मिगुएल रेयेस-वारेला ने चौथी वरीयता प्राप्त मार्सेल ग्रैनोलर्स और होरासियो जेबालोस की जोड़ी को कड़ी टक्कर दी लेकिन सीधे सेटों में हार गए. स्पेन-अर्जेंटीना की जोड़ी ने गैर वरीयता प्राप्त बालाजी और रेयेस-वारेला को एक घंटे 20 मिनट तक चले मुकाबले में 6-4, 6-4 से हराया. बोल्लिपल्ली और उनके कोलंबिया के उनके जोड़ीदार निकोलस बैरिएंटोस ने भी छठी वरीयता प्राप्त सैलिसबरी और नील स्कूपस्की की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी को कड़ी टक्कर दी. भारत और कोलंबिया के खिलाड़ियों की जोड़ी को हालांकि एक घंटे 47 मिनट के मुकाबले में 4-6, 6-7 से हार का सामना करना पड़ा. रोहन बोपन्ना पहले दौर में हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गए थे. इस ग्रास कोर्ट मेजर में हालांकि भारतीय चुनौती अभी बरकरार है जिसमें युकी भांबरी दूसरे दौर का मुकाबला खेलेंगे. इस बीच पुरुषों के एकल में कृष त्यागी चेक गणराज्य के जान कुमस्टैट के खिलाफ 3-6, 3-6 से हारकर पहले दौर से बाहर हो गए.

विश्व मुक्केबाजी कप में भारत का शानदार प्रदर्शन जारी

पांच मुक्केबाज फाइनल में पहुंचे

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय मुक्केबाजों ने विश्व मुक्केबाजी कप में शानदार प्रदर्शन जारी रखा. मीनाक्षी, साक्षी, पूजा रानी, हितेश गुलिया और जुगनू ने शनिवार को शानदार जीत दर्ज करते हुए विश्व मुक्केबाजी कप में अपने भार वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया. कजाखस्तान में भारतीय मुक्केबाजी दल ने अब 11 पोडियम स्थान सुनिश्चित कर लिए हैं, जिसमें रविवार को छह स्वर्ण पदक मुकाबले शामिल हैं.अभिनाश जामवाल (पुरुष 65 किग्रा) आज ही सेमीफाइनल खेलेंगे जिससे भारत एक और स्वर्ण पदक की दौड़ में होगा. मीनाक्षी ने 48 किग्रा सेमीफाइनल में तुर्की की नर्सलेन यालगेटकिन को 5-0 से हराकर भारत की जीत की शुरुआत की. इसके बाद साक्षी ने उज्बेकिस्तान की फेरुजा काजाकोवा पर दबदबा बनाया और समान अंतर की जीत से 54 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में पहुंची. ओलंपियन पूजा रानी ने 80 किग्रा वर्ग में तुर्की की एलिफ गुनेरी को पीछे छोड़ते हुए 3-2 के फैसले के साथ फाइनल में प्रवेश किया.नूपुर ने शुक्रवार को 80 किग्रा से अधिक वर्ग में अपना फाइनल स्थान पक्का कर लिया था जिससे चार भारतीय महिला मुक्केबाज फाइनल में पहुंच गई. संजू (60 किग्रा) ने कजाखस्तान की विक्टोरिया ग्राफेयेवा से 0-5 से हारने से पहले कड़ी टक्कर दी और अब उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना होगा. भारत ने इस साल की शुरुआत में ब्राजील में विश्व मुक्केबाजी कप के पहले चरण में कुल छह पदक जीते थे जिसमें केवल पुरुष मुक्केबाजों ने भाग लिया था.यह पहली बार है कि महिला मुक्केबाज विश्व मुक्केबाजी कप में भाग ले रही हैं. ब्राजील चरण के स्वर्ण पदक विजेता हितेश गुलिया पुरुषों के 70 किग्रा वर्ग में फ्रांस के माकन ट्रोरे के खिलाफ पहले दौर के बाद मुश्किल में दिखे. लेकिन 20 वर्षीय मुक्केबाज ने दूसरे राउंड में काफी जोरदार मुक्के मारे और अंतर कम किया. तीसरे और अंतिम राउंड में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई. इसके बाद जुगनू (पुरुष 85 किग्रा) ने इंग्लैंड के टीगन स्कॉट को 5-0 से हरा दिया.

दीपिका पॉलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के लिए नामांकित

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड दीपिका को पॉलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के लिए नामांकित किया गया है. उन्हें यह उपलब्धि 2024-25 एफआईएच हॉकी प्रो लीग सीजन के दौरान विश्व नंबर एक नीदरलैंड के खिलाफ अपने अविश्वसनीय एकल फील्ड गोल के लिए मिली है.हॉकी इंडिया के अनुसार 2024-25 एफआईएच हॉकी प्रो लीग सीजन के लिए पॉलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के लिए नामांकन शुक्रवार को जारी किए गए और वोट करने की अंतिम तिथि 14 जुलाई को सुबह 3:29 बजे (भारतीय समयानुसार) है. वोटिंग समाप्त होने के बाद विजेता की घोषणा की जाएगी. पॉलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के विजेता का फैसला दुनिया भर के हॉकी प्रशंसकों द्वारा इस आधार पर किया जाता है कि उन्हें लगता है कि सीजन के दौरान सबसे अच्छा पल और गोल किसने किया.दीपिका का प्रतिष्ठित क्षण फरवरी 2025 में एफआईएच हॉकी प्रो लीग के भुवनेश्वर चरण के दौरान हुआ, जब भारतीय टीम ने कलिंगा स्टेडियम में 2-2 से ड्रॉ के बाद शूटआउट में नीदरलैंड को हराया. मैच में भारतीय टीम दो गोल से पीछे चल रही थी, लेकिन35वें मिनट में दीपिका ने एक शानदार फील्ड गोल किया था, जिससे टीम ने वापसी की और निर्धारित समय के बाद स्कोर 2-2 की बराबर था. इसके बाद शूटऑउट में भारतीय टीम ने नीदरलैंड को 2-1 से हरा दिया था.21 वर्षीय इस बेहतरीन खिलाड़ी ने कहा, ₹नीदरलैंड के खिलाफ किया गया वह गोल मेरे करियर के सबसे खास पलों में से एक है. सब कुछ ठीक रहा और इससे हमें बराबरी करने और शूटआउट में गेम जीतने में मदद मिली.

ग्रेनेडा टेस्ट: तीसरे दिन का खेल खत्म

ऑस्ट्रेलिया की बढ़त 254 रन की हुई

एजेंसी। ग्रेनेडा

वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म हो गया है. ऑस्ट्रेलियाई टीम ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दूसरी पारी में सात विकेट खोकर 221 रन बना लिए हैं. एलेक्स केरी 26 और कप्तान पैट कमिंस 4 बना कर क्रीज पर हैं. टीम की बढ़त 254 रन की हो गई है.दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने 2 विकेट पर 12 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया. दिन की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया को नाथन लियोन के रूप में पहला छटका लगा.

लियोन 8 रन बनाकर आउट हुए. इसके बाद टीम के लिए कैमरून ग्रीन और स्टीव स्मिथ ने अर्धशतकीय पारी खेली. कैमरून ग्रीन ने 123 गेंद पर 5 चौकों की मदद से 52 रन बनाए, वहीं स्मिथ ने 119 गेंदों में 7 चौके और एक छक्के की मदद से 71 रन जड़े. इसके अलावा ट्रेविस हेड ने 60 गेंद पर 39 रन बनाए. ब्यू वेबस्टर मात्र 2 रन बना पाए.वेस्टइंडीज के लिए दूसरी पारी में अब तक जायडेन सील्स, शमर जोसेफ, जस्टिन ग्रीव्स ने 2-2 विकेट और अल्जारी जोसेफ ने एक विकेट चटकाया.इससे पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 286 रन बनाए थे. वेस्टइंडीज की पहली पारी 253 रन प सिमट गई थी. इस तरह दूसरी पारी की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया को 33 रन की लीड मिली थी. अब दूसरी पारी में 7 विकेट खोकर 221 रन बनाने के साथ टीम की कुल बढ़त 254 रन हो गई है.उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलिया ने पहले टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज को 159 रनों से हराया था. इससे ऑस्ट्रेलिया की टीम सीरीज में 1-0 से आगे है.

फुटबॉल | क्लब विश्व कप फुटबॉल : बायर्न के जमाल मुसियाला को लगी गंभीर चोट

पीएसजी जीत के साथ सेफा में, मैड्रिड से होगा सामना

एजेंसी। ईस्ट रदरफोर्ड

यूरोप के दो चोटी के क्लब रियल मैड्रिड और पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे. रियल मैड्रिड ने शनिवार की रात को खेले गए मैच में किलियन एमबाप्पे के दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में बाइसिकल किक से किए गए शानदार गोल की मदद से बोरूसिया डॉर्टमंड को 3-2 से हराया. वहीं, एक अन्य क्वार्टर फाइनल मैच में पीएसजी ने बायर्न म्यूनिख को 2-0 से हराया.पीएसजी की तरफ से डिजायर डोउ और ओसमाने डेम्बले ने गोल किए. हालांकि, इस मैच में बायर्न के जमाल मुसियाला गंभीर रूप से चोटिल हो गए. पीएसजी के गोलकीपर डोनुरुम्मा से टकराने के बाद उनका टखना मुड़ गया. वह दर्द से कराहते दिखे और उन्हें स्ट्रेचर से बाहर ले जाना पड़ा.

प्रतियोगिता के एक अन्य सेमीफाइनल में यूरोप के क्लब चेल्सी का ब्राजील के क्लब फ्लूमिनेंस से मुकाबला होगा.गोंजालो गार्सिया और फ्रान गार्सिया ने पहले 20 मिनट में गोल करके मैड्रिड को 2-0 की बढ़त दिला दी. इससे मैड्रिड की जीत सुनिश्चित लग रही थी लेकिन दूसरे हाफ का इंजरी टाइम घटना प्रधान रहा जिसमें तीन गोल हुए.

डॉर्टमंड के मैक्सिमिलियन बेयर ने इंजरी टाइम के तीसरे मिनट में गोल किया, लेकिन एमबाप्पे ने एक मिनट बाद बाइसिकल किक से खूबसूरत गोल किया जिससे मैड्रिड ने फिर से दो गोल की बढ़त हासिल कर ली. सेरहो गुइरासी ने इंजरी टाइम के आठवें मिनट में पेनल्टी किक को गोल में बदल दिया. डॉर्टमंड को डीन हुइजसेन के फाउल करने के कारण यह पेनल्टी मिली थी. रियल मैड्रिड के खिलाड़ी को रेड कार्ड मिला और वह सेमीफाइनल में नहीं खेल पाएंगे.

भारतीय महिला क्रिकेट टीम का लंदन के इंडिया हाउस में हुआ भव्य स्वागत

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम इन दिनों पांच मैचों की टी20 और तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए इंग्लैंड में हैं. दोनों टीमों के बीच पहले टी20 सीरीज खेली जा रही है, जिसमें भारतीय टीम 2-1 से आगे चल रही है. दोनों टीम के बीच चौथा टी20 मैच 9 जुलाई को खेला जाएगा. इस बीच हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम का लंदन के इंडिया हाउस में एक समारोह में भव्य स्वागत किया गया.मुख्य कोच अमोल मजूमदार के नेतृत्व में भारतीय टीम और सहयोगी स्टाफ शनिवार शाम को भारतीय उच्चायोग के प्रांगण में आयोजित समारोह में शामिल हुए. यूनाइटेड किंगडम में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी ने उनका स्वागत किया.

हाई कमीशन ऑफ इंडिया इन लंदन ने रविवार ने 'एक्स' पर बताया कि कल (शनिवार) इंडिया हाउस में भारतीय महिला क्रिकेट टीम का गर्मजोशी से स्वागत किया. भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी ने टीम का स्वागत किया और महिला क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने तथा युवा लड़कियों को प्रेरित करने में उनके योगदान पर प्रकाश डाला. ईसीबी क्रिकेट की प्रतिनिधि शिवानी ओबेरॉय, यूके की मंत्री सीमा मल्होत्रा और कोच अमोल मजूमदार ने भी इस अवसर पर बात रखी. कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण उप उच्चायुक्त सुजीत जॉय घोष द्वारा संचालित एक हल्की-फुल्की बातचीत थी, जिसमें टीम के खिलाड़ी स्नेह राणा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, शैफाली वर्मा और कोच अमोल मुजुमदार शामिल थे.

बीसीसीआई ने शेयर किया वीडियो :भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) वुमेन ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर वीडियो शेयर किया है. बीसीसीआई वुमेन ने लिखा कि टीम इंडिया के लिए एक यादगार शाम रही, जब लंदन में भारतीय उच्चायोग ने टीम को रात्रि भोज के लिए आमंत्रित किया.

ब्रीफ न्यूज

साइबर ठगों ने दो लोगों से ठग लिये लाखों रुपये

मुजफ्फरपुर। सकरा थाना क्षेत्र की गंज गौरिहार निवासी सुरैया परवीन को साइबर अपराधियों ने शेयर बाजार और बिटकॉइन में निवेश के नाम पर 1.37 लाख रुपये की चपत लगा दी. सुरैया को 6 जून को व्हाट्सएप पर एक लिंक मिला, जिसमें एक ट्रेडिंग ऐप से जुड़ने पर तीन गुना मुनाफे का दावा किया गया था. शुरुआत में उन्होंने 3000 रुपये निवेश किए. इसके बाद ₹स्लॉट फुल₹ होने का हवाला देकर उनसे 8000 और फिर 5000 रुपये मांगे गए. इसी तरह मुनाफे का झांसा देकर कुल 17 बार में 1.37 लाख रुपये वसूले गए. जब उन्हें ठगी का एहसास हुआ तो उन्होंने राष्ट्रीय साइबर पोर्टल पर शिकायत की.

अपराधियों ने दुकानदार की गला रेत कर हत्या कर दी

मोतीहारी। अपराधियों ने एक दुकानदार की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी. यह घटना उस समय हुई जब वह अपने दुकान में सो रहा था. सुबह होते ही जैसे ही लोगों को घटना की जानकारी मिली पूरे गांव में सनसनी फैल गई. मृतक की पहचान विश्वनाथ सिंह के रूप में की गई है. जानकारी के अनुसार विश्वनाथ दुकान में सोये हुए थे. तभी बीते देर रात अपराधी आए और धारदार हथियार से उनका गल रेत दिया. सुबह लोग जब दुकान पहुंचे तो खून से लथपथ शव देखकर चौक गए. जिसके बाद स्थानीय पुलिस को भी घटना की सूचना दी गई.

हाईटेंशन तार की चपेट में आने से युवक की मौत

दरभंगा। तारडीह प्रखंड के ककोढ़ा गांव में मुहर्रम के दौरान आयोजित चौकी मिलान कार्यक्रम में एक दर्दनाक हादसा हुआ. हाईटेंशन तार की चपेट में आने से ककोढ़ा निवासी मो. मिराज की मौत हो गई, जबकि 50 से अधिक लोग झुलस गए. मृतक युवक की पहचान स्थानीय निवासी के रूप में हुई है. हादसा तब हुआ जब ताजिया जुलूस गांव के रास्ते से गुजर रहा था और सड़क के ऊपर से गुजर रहे 11 हजार वोल्ट के हाई वोल्टेज तार से अचानक चौकी टकरा गई. इससे करंट फैल गया, जो जुलूस में लोगों को भी झुलसा गया. घायलों को डीएमसीएच लाया गया.

जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पर खुलासा

दिलीप जायसवाल पर लगाया ट्रस्ट घोटाले व हत्या का आरोप

शुभम संदेश। पटना

बिहार की राजनीति में उस वक्त भूचाल आ गया जब जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर (पीके) ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल पर गंभीर और सनसनीखेज आरोप लगाए. पीके के साथ जन सुराज अध्यक्ष उदय सिंह और 'गुदड़ी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज' के संस्थापक के परिजन भी इस दौरान मौजूद थे. उन्होंने इस मामले को सत्ता, पैसे और सिस्टम के भ्रष्ट गठजोड़ का जीता-जागता उदाहरण बताया.

प्रेस वार्ता में उदय सिंह ने कहा कि किशनगंज स्थित गुदड़ी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज पर दिलीप जायसवाल ने अपनी राजनीतिक ताकत और आर्थिक प्रभाव का इस्तेमाल कर कब्जा कर लिया है. उन्होंने दावा किया कि कॉलेज के असली संस्थापक स्वर्गीय मल्लेश्वर सिंह थे, जिन्होंने इसे समाज सवा के उद्देश्य से शुरू किया था. लेकिन एक गहरी साजिश के तहत उनके परिवार को ट्रस्ट से बाहर कर दिया गया और कॉलेज पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया. मल्लेश्वर सिंह के बेटे गुरुदयाल सिंह और बेटी अमजद खैर ने मीडिया के सामने आकर अपना दर्द बयां किया. उन्होंने आरोप लगाया कि जायसवाल ने इस कॉलेज से अरबों रुपये की कमाई की और अब वह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठे हैं. उन्होंने यहां तक कहा कि उन्हें अपनी जान का खतरा है और इसलिए उन्होंने सीबीआई जांच की मांग की है. प्रशांत किशोर ने और भी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कॉलेज एक सिख अल्पसंख्यक ट्रस्ट द्वारा स्थापित किया गया था, जिसके ट्रस्टी करतार सिंह और उनकी मां थीं. पीके का दावा है कि करतार सिंह को फर्जी मामलों में फंसाकर जेल भेजा गया, जिससे भयभीत होकर वे देश छोड़कर चले गए. उनकी मां की भी संदिग्ध परिस्थिति में मृत्यु हो गई.

पीके ने यह भी खुलासा किया कि दिलीप जायसवाल ने अपने परिजनों को ट्रस्ट में शामिल कर लिया. उन्होंने कहा कि जब राजेश शाह नाम के व्यक्ति ने इस मुद्दे को उठाया, तो उसकी हत्या कर दी गई. इस हत्या के मामले में दिलीप जायसवाल पर एफआईआर दर्ज है, लेकिन अब तक उन्हें कोई सजा नहीं मिली है. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जिन पुलिस अधिकारियों ने जायसवाल को क्लीन चिट दी, उनके परिवार के सदस्य भी इसी कॉलेज से मेडिकल डिग्री प्राप्त कर चुके हैं. प्रशांत किशोर ने मांग की है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दिलीप जायसवाल को तत्काल भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना चाहिए. उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले दिनों में इस मामले से जुड़ा एक और बड़ा खुलासा किया जाएगा. चुनावी माहौल में इस तरह के आरोपों से बिहार की राजनीति में हलचल मच गई है और यह देखना दिलचस्प होगा कि आगे इस मामले में क्या मोड़ आता है.

चालक के बैंक खाते से 2.76 लाख की साइबर चोरी

मुंगेर। एक ई-रिक्शा चालक राजकुमार का मोबाइल बाज़ार में कहीं गिर गया और उसी के साथ उसका बैंक खाता साइबर ठगों के हाथों लुट गया. राजकुमार के यूनियन बैंक और एसबीआई खातों से कुल 2.76 लाख रुपये ऑनलाइन धोखाधड़ी के जरिए गायब हो गए. मोबाइल के साथ ओटीपी भी ठगों के हाथ लग गया, जिससे वे बिना किसी रुकावट के रकम निकाल गए. जब राजकुमार बैंक पहुंचा, तो उसने देखा कि उसके खाते पूरी तरह खाली हो चुके हैं. साइबर थाना मुंगेर ने तेज़ी दिखाते हुए मामले को गंभीरता से लिया. डीएसपी सिया भारती ने बताया कि राजकुमार के 1930 नंबर पर शिकायत दर्ज कराने के तुरंत बाद पुलिस ने 1.76 लाख रुपये होल्ड करवाने में सफलता पाई. इस रकम के वापस मिलने की संभावना बनी हुई है, लेकिन 1 लाख रुपये की चोरी को लेकर अभी चिंता बनी हुई है. फिलहाल साइबर पुलिस अपराधियों की तलाश में जुट गई है.

गंगा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा, बाढ़ का खतरा

पटना। बिहार में गंगा नदी का जलस्तर पिछले साल की तुलना में काफी तेजी से बढ़ रहा है, जिससे कई जिलों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है. गंगा नदी इस समय पिछले वर्ष से लगभग पांच मीटर ऊपर बह रही है, जबकि पटना में इसका जलस्तर दो मीटर से अधिक बढ़ चुका है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्देश पर जल संसाधन विभाग ने गंगा और राज्य की अन्य प्रमुख नदियों के लिए हाई अलर्ट जारी किया है. विशेषज्ञों के अनुसार, पटना में गंगा का जलस्तर हर घंटे दो सेंटीमीटर से अधिक की दर से बढ़ रहा है.

मुंगेर से भागलपुर तक बनेगी सौ किमी फोरलेन

पटना। बिहार में गंगा नदी के किनारे एक और भव्य मरीन ड्राइव बनने जा रहा है. यह एलिवेटेड फोरलेन सड़क मुंगेर से भागलपुर तक करीब 100 किलोमीटर लंबी होगी, जिसकी अनुमानित लागत 10 हजार करोड़ रुपये है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्देश पर पथ निर्माण विभाग ने इस परियोजना की तैयारी शुरू कर दी है. राज्य कैबिनेट की स्वीकृति मिलते ही निर्माण कार्य प्रारंभ हो जाएगा. पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने बताया कि यह परियोजना हाइब्रिड एन्यूटि मॉडल (हैम) के तहत बनेगी, जिसमें निर्माण एजेंसी 60% और राज्य सरकार 40% लागत वहन करेगी.

चिराग ने उद्धव और राज ठाकरे के एक साथ आने पर कहा

यह अवसरवाद की राजनीति है

शुभम संदेश। हाजीपुर

हाजीपुर की जमीन से एक बार फिर चिराग पासवान ने महाराष्ट्र और बिहार की राजनीति पर तीखे तेवर दिखाए. महाराष्ट्र में हालिया राजनीतिक समीकरणों को लेकर उन्होंने उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के एक मंच पर आने को ₹राजनीतिक स्वार्थ₹ और विरासत बचाने की मजबूरी₹ बताया. चिराग ने कहा, ₹यह गठबंधन भाषा, संस्कृति या विचारधारा के आधार पर नहीं, बल्कि अपनी-अपनी राजनीतिक जमीन खिसकने के डर से किया गया है. चिराग का आरोप था कि दोनों नेता बाला साहब ठाकरे की विरासत को अब तक संभाल नहीं पाए हैं और अब महज एक मंच पर आकर सत्ता में हिस्सेदारी की तलाश कर रहे हैं. उन्होंने साफ कहा, ₹मतभेद भुलाए जा सकते हैं, लेकिन मनभेद अभी भी जिंदा हैं. सिर्फ एक तस्वीर खिंचवाने से एकता साबित नहीं होती.₹ इसे उन्होंने अवसरवाद की राजनीति करार दिया.

बिहार में 9 जुलाई को विपक्ष द्वारा बुलाए गए बंद पर भी चिराग ने कड़ी प्रतिक्रिया दी. उन्होंने विपक्षी दलों पर चुनाव आयोग की प्रक्रिया में सहयोग न करने और बाद में उस पर आरोप मढ़ने का आरोप लगाया. चिराग ने कहा, ₹जब चुनाव आयोग लोगों को आमंत्रित करता है, तब ये विपक्षी दल गायब रहते हैं, लेकिन बाद में जनता को भ्रमित करते हैं.₹ उन्होंने विपक्ष से अपील की कि वे राजनीतिक हंगामे के बजाय वोटर लिस्ट सुधार में आम लोगों की मदद करें.चिराग ने यह भी बताया कि उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया है कि वे मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन या अन्य दिक्कतों में जनता की पूरी मदद करें. इस दौरान उन्होंने पटना के पॉश इलाके में एक कारोबारी की हत्या का मुद्दा उठाते हुए नीतीश सरकार की कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े किए. कहा, जहां से थाना सौ मीटर की दूरी पर हो, अधिकारियों के आवास हों, वहां खुलेआम हत्या होना लॉ एंड ऑर्डर की विफलता नहीं तो क्या है? चिराग का ये बयान यह संकेत देते हैं कि वे सत्ता और विपक्ष दोनों के लिए एक सख्त आवाज बन चुके हैं.

न्यूज अपडेट

शुरू होगी 51 शहरी पीएचसी में पॉलीक्लीनिक

पटना। बिहार सरकार ने राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर और अधिक सुलभ बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है. राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के तहत लोक निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के माध्यम से 19 जिलों के 51 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में पॉलीक्लीनिक शुरू करने का निर्णय लिया गया है. इसके लिए राज्य स्वास्थ्य समिति ने एजेंसी का चयन कर लिया है और जल्द ही मरीजों को इन केंद्रों में उन्नत चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी. गया, पटना, नालंदा, रोहतास, दरभंगा, भागलपुर, मुंगेर, पूर्णिया, कटिहार, पूर्वी व पश्चिमी चंपारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली, गोपालगंज, सीवान, सारण और सहरसा जैसे प्रमुख जिलों को प्राथमिकता दी गई है. इन पॉलीक्लीनिक में मरीजों को सामान्य उपचार के साथ विशेषज्ञ डॉक्टरों की सलाह, आधुनिक डायग्नोस्टिक सुविधाएं, मुफ्त पैथोलॉजी और रेडियोलॉजी सेवाएं भी दी जाएंगी. राज्य स्वास्थ्य समिति ने जिला सिविल सर्जनों को निर्देश दिया है कि वे चयनित एजेंसी के साथ मिलकर बिना किसी अतिरिक्त समझौते के तत्काल काम शुरू करें.

तेज रफ्तार पिकअप वैन बाइक सवार को रौंदा, मौत

छपरा। फोरलेन पर सड़क हादसे में एक युवक की जान चली गई. तेज रफ्तार से आ रही मुर्गी लदी पिकअप वैन ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया. मृतक की पहचान रिविलगंज थाना क्षेत्र के मुकरेरा गांव निवासी युवक के रूप में हुई है. घटना के तुरंत बाद वहां हंगामा मच गया. स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मुफस्सिल थानेदार मनोज कुमार प्रभाकर पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया. बताया जा रहा है कि पिकअप वैन का ड्राइवर तेज गति में वाहन पर नियंत्रण खो बैठा था, जिससे यह हादसा हुआ. पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है. पिकअप वैन को जब्त कर लिया गया है, लेकिन चालक मौके से फरार है. हादसे की सूचना से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है ताकि जल्द से जल्द आरोपी को गिरफ्तार किया जा सके.

एनएच पर सड़क हादसे में युवक की मौत, दो घायल

वैशाली। हाजीपुर-मुजफ्फरपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-22 पर सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए. यह हादसा काजीपुर थाना क्षेत्र में एक पेट्रोल पंप के पास हुआ. टक्कर इतनी भयंकर थी कि एक बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई. दूसरी बाइक पर सवार सुबोध चौधरी और धर्मेंद्र चौधरी गंभीर रूप से घायल हो गए. घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और पुलिस को तुरंत खबर दी. काजीपुर पुलिस ने तुरंत पहुंचकर घायलों को सदर अस्पताल इलाज के लिए भेजा, जहां डॉक्टरों ने मृतक को मृत घोषित कर दिया. मृतक की पहचान मधुबनी जिले के रहने वाले युवक के रूप में हुई है. पुलिस ने उनके परिवार को हादसे की जानकारी दे दी है. घायलों सुबोध और धर्मेंद्र चौधरी के परिवार ने बताया कि वे पानापुर लंका से लालगंज लड़का देखने जा रहे थे. लेकिन यह हादसा उनकी ज़िंदगी बदल कर रख दी. दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है और उनका इलाज सदर अस्पताल में जारी है. इस दुर्घटना ने उनके गांव में मातम का माहौल बना दिया है. पुलिस हादसे की जांच कर रही है.

विवाहिता की हत्या, शव गली-सड़ी अवस्था में मिला

नवादा। कादिरगंज थाना क्षेत्र के लोहरपुरा गांव में दहेज की मांग को लेकर कोमल कुमारी की ससुराल वालों ने हत्या कर दी. शादी के बाद से ही कोमल के ससुराल वाले 5 लाख रुपये और बाइक की मांग करते रहे. जब मांग पूरी नहीं हुई तो वे कोमल को मायके छोड़ देते और फिर आश्वासन देकर वापस ले जाते थे. इस बीच कोमल को बार-बार प्रताड़ित किया गया. कुछ समय बाद कोमल का शव दरियापुर के पास नदी से गली-सड़ी अवस्था में बरामद हुआ. परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है. पुलिस ने मृतका के पति कुंदन कुमार, देवर और सास को हिरासत में ले लिया है. पोस्टमार्टम के लिए शव को नवादा की बजाय बेहतर सुविधा के लिए पटना मेडिकल कॉलेज भेजा गया है. परिवार और पुलिस दोनों इस हत्या की गहराई से जांच कर रहे हैं ताकि दोषियों को न्याय दिलाया जा सके. यह घटना दहेज प्रथा की कुप्रथा और महिला सुरक्षा के लिए चिंता का विषय बनी हुई है.

कारोबार

भारत तेज़ी से बन रहा दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

नयी दिल्ली। भारत तेजी से विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है और अब दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में मजबूत कदम रख चुका है. फिलहाल भारत चौथे पायदान पर पहुंच चुका है और यदि यही गति बनी रही, तो आने वाले चार वर्षों में यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है. वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रही है, जो वैश्विक स्तर पर बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक है. इस अवधि में भारत का कुल निर्यात 6.01 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 824.9 बिलियन डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है, जबकि पिछले वर्ष यह 778.1 बिलियन डॉलर था. यह आर्थिक आंकड़े भारत की मजबूत और आत्मविश्वासी अर्थव्यवस्था को दर्शाते हैं. भारतीय रिजर्व बैंक का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2025-26 में विकास दर करीब 6.5 प्रतिशत बनी रहेगी. वहीं, संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि भारत की विकास दर 2025 में 6.3 प्रतिशत और 2026 में 6.4 प्रतिशत रहने की संभावना है.

सेबी की कार्रवाई से भारतीय शेयर बाजार में भारी उथल-पुथल

नयी दिल्ली। सेबी ने अमेरिकी ट्रेडिंग फर्म जेन स्ट्रीट और उसकी सहयोगी कंपनियों पर बैंक निफ्टी इंडेक्स ऑप्शंस और संबंधित स्टॉक्स में हेरफेर करने का आरोप लगाते हुए 4,844 करोड़ रुपये की अवैध कमाई लौटाने का आदेश दिया है. हालांकि कार्रवाई सीधे तौर पर जेन स्ट्रीट पर केंद्रित थी, लेकिन इसका प्रभाव इसके भारतीय साझेदारों और पूरे डेरिवेटिव्स मार्केट पर पड़ा. इसका सबसे बड़ा नुकसान नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट को हुआ, जिसके शेयर एक ही दिन में 11.26% गिर गए. सेबी की जांच में नुवामा पर कोई दोष नहीं पाया गया, लेकिन जेन स्ट्रीट जैसे प्रमुख क्लाइंट के संभावित बाहर होने की आशंका ने निवेशकों को डरा दिया. अन्य कंपनियों पर भी असर पड़ा.

भारत 10.2 मिलियन टन मछली उत्पादन कर दूसरा स्थाने पर

वाइल्ड कैच नहीं, एक्वाकल्चर है भविष्य

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत में अब मछलियों के शिकार के लिए समुद्र, नदियों या अन्य जल स्रोतों पर निर्भरता तेजी से कम हो रही है. इसके स्थान पर मछली पालन यानी एक्वाकल्चर ने मजबूत पकड़ बना ली है. साल 2022 के आंकड़े इस बदलाव की स्पष्ट गवाही देते हैं. यह पहली बार हुआ है जब देश में फार्म की गई मछलियों का उत्पादन समुद्र या अन्य जलस्रोतों से पकड़ी गई मछलियों से अधिक रहा. इस बदलाव को न सिर्फ आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, बल्कि इसे प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम भी माना जा रहा है.

खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) की रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में वैश्विक स्तर पर कुल 94 मिलियन टन फार्म की गई जलीय जीवों का उत्पादन हुआ, जो कुल उत्पादन का 51% है. इस आंकड़े में भारत की भूमिका उल्लेखनीय रही है. भारत ने 10.2 मिलियन टन मछली उत्पादन कर चीन के बाद दूसरा स्थान हासिल किया. चीन इस सूची में 52.9 मिलियन टन के साथ पहले स्थान पर रहा. वहीं भारत में जंगली मछली उत्पादन केवल 5.3 मिलियन टन रहा. यह स्पष्ट करता है कि भारत में अब मछली पालन का क्षेत्र जंगली मछली पकड़ने की तुलना में लगभग दोगुना हो चुका है. भारत के अलावा अन्य एशियाई देशों ने भी एक्वाकल्चर में अच्छी प्रगति की है. उदाहरण के लिए, इंडोनेशिया ने 7.2 मिलियन टन एक्वाकल्चर और 7.3 मिलियन टन वाइल्ड कैच का उत्पादन किया. वियतनाम ने 4.5 मिलियन टन वाइल्ड कैच, जबकि बांग्लादेश ने 2.7 मिलियन टन एक्वाकल्चर और 2.2 मिलियन टन वाइल्ड कैच दर्ज किया. दूसरी ओर, नॉर्वे जैसे देश अभी भी मुख्य रूप से वाइल्ड कैच पर निर्भर हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव वैश्विक खाद्य सुरक्षा की दिशा में एक बड़ा कदम है. बढ़ती जनसंख्या और सीमित प्राकृतिक संसाधनों के चलते अब दुनिया को ऐसी प्रणालियों की जरूरत है जो टिकाऊ और नियंत्रित हों. मछली पालन इन्हीं जरूरतों को पूरा करता है, क्योंकि इसमें पर्यावरणीय प्रभाव कम होता है और उत्पादन पर अधिक नियंत्रण होता है. इसके अलावा, यह छोटे और मध्यम स्तर के कारोबारियों को भी सशक्त बनाता है. भारत में मछली पालन का यह बढ़ता रुझान न सिर्फ देश की खाद्य सुरक्षा को मजबूत करता है, बल्कि यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई दिशा दे रहा है. इससे रोजगार के अवसर बढ़े हैं और निर्यात में भी वृद्धि हुई है. एक्वाकल्चर अब केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि मछली उत्पादन का भविष्य बनता जा रहा है. सरकार और निजी क्षेत्र के सहयोग से यह क्षेत्र आने वाले वर्षों में और अधिक मजबूती से उभर सकता है.

भारतीय मिडिल क्लास ईएमआई के जाल में फंसती आर्थिक आज़ादी

भारत का मिडिल क्लास देश की आर्थिक रीढ़ माना जाता है, लेकिन आज यह वर्ग एक गहरे वित्तीय संकट की ओर बढ़ रहा है. इसका सबसे बड़ा कारण है – अत्यधिक कर्ज और ईएमआई पर बढ़ती निर्भरता. वेल्थ एडवाइजर तपस चक्रवर्ती ने इस स्थिति को लेकर लिंक्डइन पर एक विचारोत्तेजक पोस्ट साझा की है. उनके अनुसार, मिडिल क्लास महंगाई या टैक्स से उतना नहीं जूझ रहा, जितना कि ईएमआई के बोझ से. चक्रवर्ती लिखते हैं कि आम आदमी पहले कमाता है, फिर उधार लेता है और उसे चुकाता है – यही चक्र लगातार चलता रहता है. इस चक्र के कारण उनकी बचत नगण्य हो जाती है, और अगली जरूरत के लिए वे फिर कर्ज लेने को मजबूर हो जाते हैं. पहले ईएमआई का उपयोग केवल आवश्यक वस्तुओं के लिए होता था, लेकिन अब लगभग हर चीज – मोबाइल, फ्रिज, सोफा, एसी, फ्लाइट टिकट, यहां तक कि किराना सामान भी ईएमआई पर उपलब्ध है. आसानी से उपलब्ध लोन समस्या को और गहरा बना रही हैं. सिर्फ एक स्वाइप में लोन मिल जाना लोगों को उधार लेने का आदी बना रहा है.

पेट्रोकैमिकल सेक्टर में आमने-सामने अंबानी-अडाणी

नयी दिल्ली। गुजरात में एशिया के दो सबसे बड़े कारोबारियों, मुकेश अंबानी और गौतम अडानी के बीच सीधी प्रतिस्पर्धा की शुरुआत होने जा रही है. अडानी ग्रुप अब रिलायंस इंडस्ट्रीज के गढ़ माने जाने वाले पेट्रोकैमिकल सेक्टर में कदम रख रहा है. जानकारी के मुताबिक, अडानी एंटरप्राइजेज गुजरात के मुंद्रा में 10 लाख टन सालाना क्षमता वाला एक बड़ा पीवीसी (पॉलिविनाइल क्लोराइड) प्लांट स्थापित कर रही है, जो 2027-28 तक चालू हो जाएगा. यह परियोजना अडानी ग्रुप की पहली बड़ी पहल होगी इस क्षेत्र में, जिसमें पीवीसी के साथ क्लोर-अल्कली, कैल्शियम कार्बाइड और एसिटिलीन इकाइयां भी शामिल होंगी. वर्तमान में भारत की पीवीसी मांग लगभग 40 लाख टन है, जबकि घरेलू उत्पादन सिर्फ 15.9 लाख टन है, जिसमें से आधी उत्पादन क्षमता अकेले रिलायंस के पास है. अडानी का यह कदम न केवल घरेलू उत्पादन बढ़ाने में मदद करेगा, बल्कि सीधे तौर पर रिलायंस के साथ प्रतिस्पर्धा भी स्थापित करेगा.

क्रोमा की 'बैक टू कैंपस सेल' में लैपटॉप खरीदें

नयी दिल्ली। भारत का पहला और टाटा समूह का भरोसेमंद ओमनी-चैनल इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर, क्रोमा में शुरू हो रहा है 'बैक टू कैंपस' सेल. इस विशेष सेल में विद्यार्थियों और तकनीकी उपकरणों के शौकीनों के लिए लैपटॉप, टैबलेट, स्मार्टफोन व एक्सेसरीज़ पर शानदार छूट और आकर्षक ऑफर दिए जा रहे हैं. क्रोमा की इस सेल में मैकबुक एयर एम2 केवल 46,390 रुपये से शुरू है, जिसमें एक्सचेंज बोनस और 10,000 रुपये तक कैशबैक का लाभ मिल रहा है. वहीं सैमसंग गैलेक्सी टैब एस9 5जी 3,849 रुपये मासिक किस्त पर दिया जा रहा है. एआई विंडोज़ लैपटॉपः कीमत 55,990 रुपये से शुरू, माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के साथ, 24 महीने तक की ज़ीरो-कॉस्ट ईएमआई और 10,000 रुपये तक का कैशबैक. झारखंड में इंटेल आई3 लैपटॉप 32,990 रुपये से शुरू है.

पेज 1 का शेष

महाराष्ट्र मॉडल, अनुसूचित क्षेत्र में राज्यपाल रबर स्टांप नहीं

उत्तर आया — कुछ ने पिछले 10 सालों में एक भी रिपोर्ट नहीं भेजी. 2010 में स्वयं भारत सरकार ने स्वीकार किया कि राज्यपालों ने पांचवीं अनुसूची के तहत अपनी संवैधानिक ज़िम्मेदारियां नहीं निभायी. डेढ़ दशक बाद भी स्थिति ज्यों की त्यों है.

गांव के साथ खड़ा होना था

आपके पास क्या अधिकार है? यह सवाल उन ग्रामसभाओं से पूछा गया जिनके अधिकार संविधान की पांचवीं अनुसूची में लिखे थे. राज्यपाल, जिन्हें ग्रामसभा के पक्ष में बोलना था —वे सत्ता के साथ खड़े रहे. जनजातीय परामर्शदात्री समिति, जिसे सरकार को सलाह देनी थी — वह सत्ता के इशारे पर चुप रही. और इस प्रकार, संविधान सो गया और गांवों को नींद नहीं आई. नतीजा क्या हुआ? खनन की लूट. राज्यपाल ने न तो जनजातीय परामर्शदात्री समिति को सक्रिय किया, न ही ग्रामसभा की सहमति सुनिश्चित करायी. इसका नतीजा, हजारों हेक्टेयर भूमि पर खनन लीज़ें बग़ैर ग्रामसभा की अनुमति के दी गईं. बिना ग्रामसभा की अनुमति स्कूल, सड़क, बांध, रेल लाइनें, फैक्टरी बनीं, पांचवीं अनुसूची के प्रावधानों का खुलेआम उल्लंघन हुआ. राज्यपालों की निष्क्रियता के कारण स्थानीय समुदायों को सूचना दिए बिना उजाड़ा गया. गांव के गांव उजड़ गए. और राज्यपाल की कलम चलने से पहले बुलडोज़र चल गया.

राज्यपाल सिर्फ प्रतीकात्मक पद नहीं है. पांचवीं अनुसूची ने राज्यपाल को विशेष संरक्षक बनाया है, ताकि केंद्र सरकार और आदिवासी समाज के हितों और अधिकारों को बीच संतुलन बना रहे. वह जनजातीय परामर्शदात्री परिषद बनाए. और सबसे ज़रूरी — हर साल राष्ट्रपति को रिपोर्ट दे कि अनुसूचित क्षेत्रों में संविधान का पालन हो रहा है या नहीं. लेकिन सात दशकों की संवैधानिक यात्रा में यह साफ हो गया है कि राज्यपाल के लिए पांचवीं अनुसूची एक 'ज़िम्मेदारी' नहीं, बल्कि एक औपचारिकता बन गई. गांव उजड़ रहे थे, जंगल कट रहे थे, लेकिन राज्यपाल की कलम कभी नहीं उठी. राज्यपाल अक्सर सरकार के साथ खड़े होते हैं, न कि गांव के साथ. आजादी के अमृत बेला में और झारखंड के रजत जयंती वर्ष में भी राज्यपालों की हालत यही है.

बाजार

भारतीय एफएमसीजी उत्पादों की विदेशों में बढ़ रही है मांग

बिस्किट, बेसन और शैंपू का भी हो रहा निर्यात

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत अब सिर्फ आईटी या स्मार्टफोन के लिए नहीं जाना जा रहा, बल्कि घरेलू उपयोग के सामान्य उत्पाद भी वैश्विक बाजार में जगह बना रहे हैं. स्मार्टफोन भले ही भारत का सबसे बड़ा निर्यात उत्पाद बन चुका है, लेकिन अब बिस्किट, नूडल्स, बेसन, शैम्पू, साबुन, पोहा और सरसों का तेल जैसे रोजमर्रा के उपभोग की वस्तुएं भी विदेशों में तेजी से बिक रही हैं. इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल), आईटीसी, मैरिको, डाबर, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस जैसी बड़ी एफएमसीजी कंपनियों की विदेशी बाजारों से कमाई में तेजी से वृद्धि हो रही है. बीते दो वर्षों में इन कंपनियों ने विदेशों में उतना या उससे अधिक मुनाफा कमाया जितना भारत में.

हालांकि एचयूएल की कुल कमाई में से सिर्फ 3% ही विदेशों से आता है क्योंकि कंपनी का भारतीय बाजार बहुत बड़ा है, लेकिन डाबर, इमामी और मैरिको जैसी कंपनियों के लिए यह आंकड़ा 20% से अधिक है. एचयूएल की एक सहायक कंपनी यूनिलीवर इंडिया एक्सपोर्ट्स लिमिटेड, जो दूसरे यूनिलीवर समूह की कंपनियों को सामान बेचती है, की बिक्री पिछले वर्ष 8% बढ़कर 1,258 करोड़ रुपये हो गई. मुनाफा भी 14% बढ़कर 91 करोड़ रुपये रहा. इस वृद्धि का कारण स्किन केयर, न्यूट्रिशन, हेयर केयर और पर्सनल वाश से जुड़े उत्पाद रहे. डब, वेसली, पियर्स, लक्रमे व सनसिल्क जैसे ब्रांडों की विदेशों में भारी मांग है. एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस के सीईओ अंगशु मल्लिक का कहना है कि सिर्फ बासमती चावल ही नहीं, बल्कि सरसों का तेल, सूरजमुखी का तेल, आटा, बेसन, सोया नगेट्स और पोहा भी तेजी से निर्यात हो रहे हैं. भारतीय भोजन की लोकप्रियता विदेशों में बढ़ रही है और भारतीय रेस्टोरेंट्स की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है. मल्लिक का अनुमान है कि इस साल निर्यात में 50-80% तक की बढ़ोतरी हो सकती है. एडब्ल्यूएल ने बताया कि पिछले तीन सालों में उसका ब्रांडेड एक्सपोर्ट तीन गुना बढ़ गया है और वित्त वर्ष 2025 में यह 250 करोड़ रुपये से अधिक पहुंच गया है. निर्यात में बढ़ोतरी का श्रेय सिर्फ मांग को नहीं, बल्कि सरकार की नीतियों को भी जाता है. फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री और मोटे अनाज (मिलेट्स) से जुड़े उत्पादों के लिए सरकार प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव योजना चला रही है. दिसंबर 2024 में सरकार ने बताया था कि उसने 73 कंपनियों को इस योजना के अंतर्गत चुना है जो भारतीय खाद्य ब्रांडों को वैश्विक बाजार में बढ़ावा देंगी. गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने जानकारी दी है कि उसका अंतरराष्ट्रीय कारोबार वित्त वर्ष 2025 में 17% ऑपरेटिंग मार्जिन पर पहुंच गया है, जो दो साल पहले 10% था.

न्यूज अपडेट

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने अब बनाई है नई 'अमेरिका पार्टी'

नयी दिल्ली। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने अमेरिका में एक नई राजनीतिक पार्टी की शुरुआत की है, जिसका नाम उन्होंने ₹अमेरिका पार्टी₹ रखा है. यह घोषणा उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की. मस्क का कहना है कि अमेरिका अब लोकतंत्र नहीं, बल्कि एक वन-पार्टी सिस्टम बन चुका है, जो देश को बर्बादी और भ्रष्टाचार की ओर धकेल रहा है. मस्क राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप के सबसे बड़े दानदाताओं में शामिल थे, लेकिन वन बिग ब्यूटीफुल बिल को लेकर दोनों के बीच मतभेद हो गए. मस्क ने चेतावनी दी थी कि अगर यह बिल पास हुआ, तो वे नई राजनीतिक पार्टी बनाएंगे.

भ्रष्टाचार कांड में घिरी स्पेन की पेड्रो सांचेज की सोशलिस्ट पार्टी

स्पेन। प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ की सोशलिस्ट पार्टी इस समय गंभीर राजनीतिक संकट का सामना कर रही है. पार्टी के एक पूर्व शीर्ष अधिकारी सैंटोस सेर्डन को भ्रष्टाचार और सेक्स वर्करों को काम पर रखने के आरोपों में हिरासत में लिया गया है. इस घटनाक्रम के बाद पार्टी की छवि को भारी नुकसान हुआ है और देश में फिर से आम चुनाव की मांग उठने लगी है. इस गंभीर परिस्थिति में पार्टी ने सख्त कदम उठाते हुए सेक्स वर्करों को पैसे देने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है. नए नियम के अनुसार, जो भी सदस्य ऐसा करते पाए जाएंगे, उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया जाएगा. प्रधानमंत्री सांचेज़ ने स्पष्ट किया कि महिलाओं का शरीर बिक्री की वस्तु नहीं है, और ऐसे किसी भी व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.

केरल पहुंचे ब्रिटिश एक्सपर्ट्स अब फाइटर जेट की करेंगे जांच

तिरुवनंतपुरम। 6 जुलाई को यूनाइटेड किंगडम की रॉयल एयर फोर्स का एक एयरबस ए400एम एटलस विमान केरल के तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर उतरा. इस विमान में ब्रिटेन से आई 24 सदस्यीय टीम सवार थी, जिसमें 14 तकनीकी विशेषज्ञ और 10 क्रू सदस्य शामिल हैं. यह टीम उस एफ-35बी फाइटर जेट की जांच के लिए भारत आई है, जिसने पिछले महीने तकनीकी कारणों से तिरुवनंतपुरम में आपातकालीन लैंडिंग की थी और तब से ग्राउंडेड है. ब्रिटिश टीम यह आकलन करेगी कि क्या जेट की मरम्मत भारत में की जा सकती है या फिर उसे खोलकर वापस यूके भेजना पड़ेगा. जांच के बाद तय होगा कि विमान को उड़ान लायक बनाया जा सकता है या नहीं.

चीन व पाक की राफेल को बदनाम करने की साजिश का खुलासा

नयी दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया, जिसकी गूंज आज भी महसूस की जाती है. हालांकि पाकिस्तान ने झूठे प्रोपेगेंडा से खुद को विजेता बताया, लेकिन हकीकत पूरी दुनिया के सामने है. अब फ्रांस की खुफिया एजेंसी की एक रिपोर्ट ने इस मामले में नया खुलासा किया है, जिसमें चीन की भी अहम भूमिका उजागर हुई है. रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के स्काल्प मिसाइल हमलों के बाद चीन ने राफेल विमानों की साख को नुकसान पहुंचाने के लिए एक सुनियोजित दुष्प्रचार अभियान चलाया. इसके तहत फर्जी अकाउंट्स के जरिए यह झूठ फैलाया गया.

अंतरिक्ष से लौटते वक्त दुर्घटनाग्रस्त हुआ 'मिशन पॉसिबल' कैप्सूल

नयी दिल्ली। प्रशांत महासागर में एक दुर्लभ और चौंकाने वाली घटना घटी जब 'मिशन पॉसिबल' नामक एक अंतरिक्ष कैप्सूल दुर्घटनाग्रस्त हो गया. यह कैप्सूल एक जर्मन स्टार्टअप द्वारा लॉन्च किया गया था और इसमें 166 मृत व्यक्तियों की अस्थियां तथा भांग के बीज शामिल थे. इन अवशेषों को अंतरिक्ष में दफन करने की योजना थी. 23 जून को लॉन्च होने के बाद कैप्सूल ने पृथ्वी की दो सफल परिक्रमाएं कीं, लेकिन तीसरे चक्कर में यह क्रैश हो गया. कैप्सूल बनाने वाली टेक एक्सप्लोरेशन कंपनी ने इसे "आंशिक रूप से सफल" मिशन बताया है. उनके अनुसार, कैप्सूल ने सफलतापूर्वक प्रक्षेपण, पेलोड संचालन और पुनः प्रवेश के दौरान संचार पुनः स्थापित किया था.

दिल्ली के रेलवे स्टेशनों के नाम बदलने की अब उठी है मांग

नयी दिल्ली। दिल्ली में दो प्रमुख रेलवे स्टेशनों, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन और पुरानी दिल्ली (दिल्ली जंक्शन) रेलवे स्टेशन, के नाम बदलने की मांग जोर पकड़ रही है. चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का नाम भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर रखने का अनुरोध किया है. उन्होंने कहा कि यह कदम अटल जी की स्मृति को राजधानी में अमर करेगा और देश की भावनाओं को सम्मान देगा. साथ ही खंडेलवाल ने दिल्ली जंक्शन का नाम महाराजा अग्रसेन रेलवे स्टेशन रखने की भी मांग की है. दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी कहा कि वह इस विषय को संसद के आगामी सत्र में उठाएंगी.

जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए मध्य प्रदेश में बरगी बांध के 9 गेट खुले, छोड़ा जा रहा 52195 क्यूसेक पानी

जबलपुर : रानी अवंति बाई लोधी सागर परियोजना बरगी बांध के जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए इस सीजन में पहली बार रविवार दोपहर करीब 12 बजे इसके 21 में से 9 स्पिल-वे गेट औसतन 1.33 मीटर की ऊंचाई तक खोल दिये गये हैं और इनसे 52,195 क्यूसेक (घनफुट पानी प्रति सेकंड) पानी छोड़ा जा रहा है. कार्यपालन यंत्री बरगी बांध राजेश सिंह गौंड के अनुसार खोले गये 9 गेट में से गेट नम्बर 10, 11 और 12 को दो-दो मीटर, गेट नम्बर 9 और 13 को डेढ़-डेढ़ मीटर, गेट नम्बर 8 और 14 को एक-एक मीटर तथा गेट नम्बर 7 और 15 को आधा-आधा मीटर की ऊंचाई तक खोला गया है. उन्होंने बताया कि बांध में आवक को देखते हुये कभी भी इससे पानी निकासी की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है. कार्यपालन यंत्री बरगी बांध के मुताबिक रविवार को दोपहर 11 बजे बांध का जल स्तर 417.40 मीटर रिकार्ड किया गया था और इस समय इसमें लगभग 98,741 क्यूसेक पानी प्रवेश कर रहा था. उन्होंने बांध के निचले क्षेत्र के निवासियों से नर्मदा तट से सुरक्षित दूरी बनाये रखने तथा डूब क्षेत्र में प्रवेश न करने की अपील करते हुए बताया कि बांध से पानी छोड़ने से नर्मदा नदी का जलस्तर 4-5 फुट तक बढ़ सकता है. बरगी बांध का पूर्ण जल भराव स्तर 422.76 मीटर है और ऑपरेशनल मैन्युल के अनुसार 31 जुलाई तक इसका जलस्तर 417.50 मीटर रखा जाना प्रस्तावित है

बांग्लादेश तुर्की से आधुनिक हथियारों का जखीरा जमा कर रहा है

भारत के लिए उभरता रणनीतिक खतरा

एजेंसी। नयी दिल्ली

बांग्लादेश ने अपनी सेना के व्यापक आधुनिकीकरण की दिशा में निर्णायक कदम उठाते हुए 'फोर्स ग्लोबल 2030' योजना को एक नए स्तर पर पहुंचा दिया है. इस योजना के तहत बांग्लादेश की सेना ने तुर्की से अत्याधुनिक हथियार प्रणाली जैसे कि टीआरजी-300 कापलान गाइडेड मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम और बायरकतार टीबी2 ड्रोन को अपनी सक्रिय सेवा में शामिल कर लिया है. ये दोनों हथियार न केवल तकनीकी उन्नयन का संकेत हैं, बल्कि युद्ध के पारंपरिक सिद्धांतों में क्रांतिकारी बदलाव की ओर भी इशारा करते हैं. तुर्की की मदद से बांग्लादेश ने एक प्रभावशाली ₹सेंसर टू शूटर्स किल चेन₹ मॉडल तैयार किया है, जिसकी झलक 2020 के नागोर्नो-काराबाख युद्ध में अजरबैजान द्वारा अपनाई गई रणनीति में देखी गई थी. यह मॉडल रियल-टाइम निगरानी, टारगेट पहचान, और तत्काल हमले को एकीकृत करता है. इस रणनीति का उद्देश्य दुश्मन को बेहद सटीक और घातक हमलों से निष्क्रिय करना है. बांग्लादेश ने 2019 में तुर्की की कंपनी राकेटसन के साथ टीआरजी-300/230 टैक्टिकल मिसाइल सिस्टम की खरीद का पहला करार किया था. जून 2021 तक इस सिस्टम की पहली बैटरियां बांग्लादेश पहुंच गई थीं. माना जा रहा है कि अब तक करीब 18 से अधिक लॉन्चर, रीलोड ट्रक, मोबाइल कमांड पोस्ट और अन्य सपोर्ट वाहन तैनात किए जा चुके हैं. टीआरजी-300 सिस्टम 190 किलो तक का उच्च-विस्फोटक वारहेड ले जाने में सक्षम है, जिसमें स्टील बॉल सबम्यूनिशन का इस्तेमाल होता है. यह प्रणाली डुअल गाइडेंस तकनीक के साथ 10 मीटर के भीतर लक्ष्य भेदने की सटीकता रखती है. इसके अलावा, यह जीपीएस जैमिंग और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के प्रभाव से सुरक्षित रहने के लिए भी सुसज्जित है. इसके साथ ही, बांग्लादेश ने तुर्की से 12 बायरकतार टीबी2 मेल ड्रोन भी खरीदे हैं. इनमें से छह ड्रोन 2023 से ही ऑपरेशनल हो चुके हैं, जबकि बाकी की डिलीवरी 2025 तक पूरी हो जाएगी. इन ड्रोन को बांग्लादेश की सेना की आईएसआर रेजीमेंट्स में तैनात किया गया है. ये ड्रोन दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखते हैं, रियल टाइम इंटेलिजेंस साझा करते हैं और ज़रूरत पड़ने पर जमीनी मिसाइल हमलों को गाइड भी करते हैं.

भारत के लिए यह रणनीतिक विकास चिंता का विषय बन गया है. रिपोर्ट्स के अनुसार, एक टीबी2 ड्रोन ने हाल ही में मेघालय-त्रिपुरा क्षेत्र में भारत की सीमा के अत्यंत निकट उड़ान भरी थी, जिससे भारतीय सुरक्षा एजेंसियों में अलर्ट जारी हो गया. यह ड्रोन ढाका के तेजगांव एयरबेस से लॉन्च किया गया था और इसे बांग्लादेश सेना के 67वें आईएसआर बटालियन द्वारा ऑपरेट किया जा रहा था. इस घटना ने भारत को यह स्पष्ट चेतावनी देने पर मजबूर कर दिया कि अगर कोई भी ड्रोन भारत-बांग्लादेश सीमा के 10 किलोमीटर के दायरे में घुसने का प्रयास करेगा, तो उसे मार गिराया जाएगा.

हालांकि भारत ने अतीत में पाकिस्तान द्वारा प्रयुक्त बायरकतार टीबी2 ड्रोन को अपनी एयर डिफेंस प्रणाली से नाकाम कर दिया था, फिर भी बांग्लादेश की सैन्य तैयारियों को हल्के में लेना रणनीतिक दृष्टि से खतरनाक हो सकता है. टीबी2 ड्रोन और टीआरजी- 300 सिस्टम को सी4आईएसआर नेटवर्क से जोड़कर बांग्लादेश ने जो 'किल चेन' विकसित की है, वह उसे एक परंपरागत सेना से एक अत्याधुनिक नेटवर्क-संचालित सेना में बदल रही है. अजरबैजान की तरह, जो कराबाख युद्ध में आर्मेनिया की भारी पारंपरिक सेना को पराजित करने में सफल हुआ था, बांग्लादेश भी एक नई युद्ध रणनीति पर कार्य कर रहा है – सटीकता, स्वचालन और रियल टाइम डेटा के आधार पर. भारत की सैन्य शक्ति निश्चित रूप से बांग्लादेश से कहीं अधिक है, लेकिन चिंता की बात यह है कि भारत के विरोधी देश एक-दूसरे से तकनीकी और रणनीतिक सहयोग के माध्यम से एक 'गठबंधन' की शक्ल लेते जा रहे हैं. यह घटनाक्रम केवल हथियारों के आयात की कहानी नहीं है, बल्कि यह क्षेत्रीय रणनीतिक संतुलन में बदलाव का संकेत है, जिससे भारत को सजग और तैयार रहना होगा.

नेपाल चीन से खरीदेगा 159 करोड़ रुपये का हथियार

एजेंसियां। काठमांडू

नेपाल पुलिस और सशस्त्र प्रहरी बल (एपीएफ) के लिए चीन से हथियार खरीदने के लिए सरकार ने 159 करोड़ रूपये बजट की व्यवस्था की है. सरकार ने तीन साल पहले इसी चीनी कंपनी से हथियार खरीद प्रक्रिया को रोक दिया था, अब फिर उसी सौदे को आगे बढ़ाया जा रहा है, जिससे कई तरह के सवाल खड़े हो गए हैं. हाल ही में नेपाल की संसद से पारित बजट में नेपाल के दोनों पुलिस संगठनों के लिए हथियार खरीदने के लिए 159 करोड़ रूपये के बजट की व्यवस्था की गई है. इस बजट से तीन वर्ष पहले ही हांगकांग स्थित एक चीनी कंपनी से हथियार की खरीद प्रक्रिया को रोक दिया गया था, अब फिर उसी कंपनी से हथियार खरीदने की प्रक्रिया शुरू किए जाने की बात सामने आई है.

गृह मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक पुलिस संगठनों की तरफ से गैर घातक हथियार सामग्री खरीद की सूची गृह मंत्रालय को सौंपी गई थी. इनमें दंगा नियंत्रण करने के लिए रायट कन्ट्रोल गियर, टियर गैस, ब्लैंक फायर, रबड़ बुलेट, मल्टी गैस गन, वाटर कैनन, दमकल, गोताखोर का उपकरण, रबरबोट/मोटरबोट सामग्री थी. अब गृह मंत्रालय ने हांगकांग की चीनी कंपनी से घातक हथियार खरीदने की नई सूची तैयार की है. इनमें नेपाल पुलिस के लिए 1 हजार 9 एमएम का पिस्टल, 1550 शॉटगन, 2 लाख राउंड शॉटगन कार्टिज, 3 लाख राउंड शॉटगन रबड़ बुलेट, 24 हजार सेल टियर गैस और 10 लाख 20 हजार राउंड बारूद वाली गोली खरीदने की पुरानी सूची के मुताबिक प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है. इसी तरह सशस्त्र प्रहरी बल के लिए 2300 पिस्टल और 2000 शॉटगन खरीद की प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई गई है.

गृह मंत्रालय के प्रवक्ता रामचंद्र तिवारी ने हथियार खरीद के लिए सरकार के बजट में व्यवस्था किए जाने की जानकारी देते हुए खरीद प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की बात स्वीकार की है. हालांकि, चीन के कंपनी से हथियार खरीदने के लिए पुराने टेंडर को ही आगे बढ़ाने की बात पर कुछ भी कहने से इंकार कर दिया. हथियार खरीद संबंधी अनुगमन कार्यालय के सहसचिव रामबंधु सुवेदी ने कहा कि तीन साल पहले स्थगित की गई खरीद प्रक्रिया को ही आगे बढ़ाना गैर कानूनी हो सकता है और यह जांच के दायरे में आ सकता है.

तत्कालीन प्रधानमंत्री शेरबहादुर देउवा के समय में तत्कालीन गृह मंत्री बालकृष्ण खांड और तत्कालीन वित्त मंत्री ने इन हथियारों की खरीद की प्रक्रिया शुरू की थी. बाद में तत्कालीन विपक्षी दल के नेता और वर्तमान समय के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के विरोध किए जाने के बाद इसे स्थगित कर दिया गया था. उस समय नेपाल के विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आने के कारण देश में कई चीजों के आयात पर रोक लगा दी गई थी. उसी समय इस हथियार खरीद की प्रक्रिया को भी रोक दिया गया था

गठबंधन तोड़ने के लिए नेपाली कांग्रेस के पार्टी नेतृत्व पर दबाव बढ़ा

एजेंसियां। काठमांडू

प्रधानमंत्री केपी ओली के साथ गठबंधन तोड़ने के लिए सत्तारूढ़ के सबसे बड़े राजनीतिक दल नेपाली कांग्रेस के पार्टी नेतृत्व पर दबाव बढ़ता जा रहा है. अधिकांश नेताओं ने ओली के साथ गठबंधन तोड़ कर कांग्रेस के नेतृत्व में सरकार गठन का सुझाव दिया है. काठमांडू में नेपाली कांग्रेस केंद्रीय समिति की बैठक में अधिकांश केंद्रीय सदस्यों ने सरकार के कामकाज की आलोचना की है. इतना ही नहीं, कांग्रेस पार्टी के अधिकांश नेताओं ने प्रधानमंत्री ओली की कार्यशैली का विरोध करते हुए जल्द से जल्द गठबंधन तोड़ने की वकालत की है. बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. शेखर कोइराला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सरकार में जरूर है, लेकिन सत्ता पर पूरी तरह से ओली का कब्जा है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस के मंत्रियों की सरकार के भीतर नहीं चलती है. कोइराला का कहना है कि पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को सत्ता में होने की अनुभूति ही नहीं हो रही है. डा. कोइराला ने कहा कि जितने अधिक दिनों तक ओली के साथ पार्टी का गठबंधन होगा, उतना ही अधिक नुकसान पार्टी को होगा. डा. कोइराला के इस प्रस्ताव का अधिकांश केंद्रीय सदस्यों ने समर्थन किया है.

बैठक में पार्टी के एक और वरिष्ठ नेता विमलेन्द्र निधि ने कहा कि ओली की पार्टी गठबंधन के सामान्य शिष्टाचार को भी नहीं मान रही है, ऐसे में इस गठबंधन में रह कर पार्टी को सिर्फ नुकसान हो रहा है. इसी तरह पार्टी के सांसद एवं पूर्व विदेश मंत्री एनपी साउद ने ओली सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक मूल्य मान्यताओं वाली पार्टी वामपंथी विचार में रंगती जा रही है, जिससे देश की जनता के साथ-साथ अंतराष्ट्रीय समुदाय में भी पार्टी की छवि धूमिल हो रही है.

मप्र सरकार का तीसरा रोड शो 7 जुलाई को लुधियाना में

एजेंसी। भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा राज्य में निवेश बढ़ाने के उद्देश्य से देश के बड़े शहरों में शो का आयोजन किया जा रहा है. बेंगलुरु और सूरत के सफल रोड शो के बाद अब मध्य प्रदेश के निवेश संवादों की कड़ी में तीसरा रोड शो 07 जुलाई को लुधियाना में होगा. मुख्यमंत्री पूरे दिन विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे और उद्योगजगत की हस्तियों से प्रत्यक्ष संवाद करेंगे. जनसम्पर्क अधिकारी बबीता मिश्रा ने रविवार को बताया कि देश के प्रमुख औद्योगिक शहरों में शुमार लुधियाना में यह आयोजन टेक्सटाइल, मैन्युफैक्चरिंग, फूड प्रोसेसिंग और आईटी सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश साझेदारी के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है. लुधियाना में यह रोड शो मध्यप्रदेश की औद्योगिक क्षमताओं, नीतिगत स्थिरता और निवेश-अनुकूल वातावरण को देश के अग्रणी उद्योग समूहों के समक्ष प्रस्तुत करने का प्रभावी मंच बनेगा. उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री लुधियाना स्थित वर्धमान टेक्सटाइल और दीपक फास्टनर जैसे प्रमुख औद्योगिक प्रतिष्ठानों का दौरा करेंगे. ये यात्रा उत्पादन प्रक्रियाओं, तकनीकी दक्षता और प्रबंधन प्रणाली की समझ को गहरा करने के साथ-साथ इन समूहों के साथ संभावित निवेश के बिंदुओं पर चर्चा का अवसर भी प्रदान करेगी.मुख्यमंत्री उद्योगों की कार्य संस्कृति और नवाचार क्षमताओं को जानने के साथ मध्य प्रदेश में व्यवहारिक सहयोग के रास्ते भी तलाशेंगे. लुधियाना के प्रमुख उद्यमियों और औद्योगिक समूहों के पदाधिकारियों के साथ व्यक्तिगत बैठकों में भी भाग लेंगे.

मौसम हिमाचल प्रदेश में रेड अलर्ट के बीच मंडी में फिर से फटा बादल, फैली दहशत

9 जिलों में फ्लैश फ्लड की दी गई चेतावनी

एजेंसी। शिमला

हिमाचल प्रदेश में मानसून का कोहराम जारी है. मौसम विज्ञान केंद्र शिमला द्वारा रविवार को जारी रेड अलर्ट के बीच आज सुबह से राज्य के अधिकांश हिस्सों में मूसलाधार वर्षा हो रही है. मंडी, कांगड़ा और सिरमौर जिलों में बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है, जबकि शिमला, सोलन और हमीरपुर सहित 9 जिलों में अगले 24 घंटे के लिए फ्लैश फ्लड की चेतावनी दी गई है. इन 9 जिलों चम्बा, कुल्लू, कांगड़ा, बिलासपुर, हमीरपुर, सोलन, शिमला, सिरमौर और मंडी के लोगों को प्रशासन ने अत्यधिक सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की हिदायत दी है. इस बीच मंडी जिला में

एक बार फिर बादल फटने की घटना ने दहशत फैला दी. पधर उपमंडल की टिक्कन पंचायत के सिलबधानी गांव में बीती देर रात बादल फटा, जिससे स्थानीय नाले में बाढ़ आ गई और दो पुलिया बह गई. गनीमत यह रही कि इस घटना में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ. डीएसपी पधर देवराज ने इसकी पुष्टि करते हुए आज सुबह बताया कि मौके पर प्रशासन की टीम क्षति का आकलन कर रही है. मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक वर्षा कांगड़ा जिला के नगरोटा सुरियाँ में 102 मिमी दर्ज की गई. इसके अलावा ऊना में 62 मिमी, धर्मशाला में 61 मिमी, कटुआला और घमरूर में 40-40 मिमी, बरठीं में 38, सुजानपुर टीहरा में 36, भराड़ी में 35, नादौन में 30 और मंडी में 21 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है. मौसम विभाग ने आज के लिए कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा का रेड अलर्ट जारी किया है, जबकि 7 जुलाई को बहुत भारी वर्षा का ओरेंज अलर्ट जारी किया गया है. 8 से 10 जुलाई तक येलो अलर्ट और 11 व 12 जुलाई को सामान्य बारिश की संभावना जताई है. लगातार बारिश से राज्यभर में जनजीवन अस्त-व्यस्त है. राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक रविवार सुबह तक प्रदेश में 269 सड़कों, 285 बिजली ट्रांसफॉर्मरों और 278 पेयजल योजनाओं पर असर पड़ा है. अकेले मंडी जिले में 200 सड़कें, 236 ट्रांसफॉर्मर और 278 जल योजनाएं ठप हैं. यह जिला इस समय सबसे अधिक प्रभावित है. राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रिपोर्ट के अनुसार 20 जून से 5 जुलाई के बीच हिमाचल प्रदेश में बादल फटने, भूस्खलन, फ्लैश फ्लड और सड़क हादसों में 74 लोगों की मौत हो चुकी है. 115 लोग घायल हुए हैं, जबकि 37 लोग अभी भी लापता हैं. इस अवधि में राज्य को 566 करोड़ रुपये से अधिक की जनधन हानि का सामना करना पड़ा है. मंडी जिला सबसे ज्यादा प्रभावित रहा है, जहां 30 जून की रात बादल फटने की 12 घटनाओं में 14 लोगों की जान चली गई और 31 लोग लापता हो गए. कांगड़ा जिले में 13 मौतें हुई हैं, जिनमें 7 भूस्खलन और 2 बादल फटने से हुईं. प्राकृतिक आपदाओं के चलते 19 मकान पूरी तरह ध्वस्त, 93 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त, 213 पशुशालाएं और 21 दुकानें बर्बाद हो चुकी हैं.

ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई सार्वजनिक रूप से दिखे

तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई इसराइल के साथ हुए ईरान के 12 दिनों के संघर्ष के बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से सामने आए. 5 जुलाई को मुहर्रम के मातम जुलूस में उन्हें देखा गया. तेहरान में आशूरा की पूर्व संध्या पर मुहर्रम के मातम जुलूस में खामनेई पहुंचे. खामेनेई 13 जून को इजराइली हमलों के बाद से सार्वजनिक रूप से नहीं दिखे थे. तेहरान टाइम्स के मुताबिक ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई 5 जुलाई को मुहर्रम के मातम जुलूस में शामिल हुए. मुहर्रम की 10वीं तारीख को आशूरा कहा जाता है.तेहरान में आशूरा की पूर्व संध्या पर मुहर्रम के मातम जुलूस में खामेनेई सार्वजनिक रूप से दिखे. ईरान और इजराइल के बीच 12 दिनों तक सैन्य संघर्ष चला जो 24 जून को खत्म हुआ.

स्वायत्ताधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक सुरजीत सिंह द्वारा फ्लैट नंबर 48, श्रीवाटिका अपार्टमेंट, चेशायर होम रोड, रेजीमेंटल गेट नंबर 1 के सामने, पोस्ट कोकर, पीएस सदर, रांची - 834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : सुरजीत सिंह. स्थानीय संपादक : संजय सिंह*** फोन नंबर 0651-2961734. (***पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.**)